जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 196 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 21 मई, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

# नीतीश कुमार के दो पुराने व विश्वसनीय चेलों, प्रशांत किशोर व आर.सी.पी. सिंह ने हाथ मिलाया

## दोनों चेलों ने नीतीश कुमार के ई.बी.सी. वोट बैंक (मुख्य रूप से कुर्मी वोट बैंक) में सेंध लगाने का लक्ष्य लेकर ही हाथ मिलाया है

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 20 मई। राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। प्रशान्त किशोर तथा राम चन्द्र प्रसाद सिंह (आर सी पी सिंह), जो पहले कटु प्रतिद्वन्द्वी थे, ने अपने मतभेद समाप्त कर दिये हैं तथा जे डी यू नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के "इकॉनॉमिकली बैकवर्ड क्लास (ई बी सी) वोट बैंक (खासतौर से कुर्मी वोट बैंक) को तोड़ने के विचार ने उन्हें एक कर दिया है।

लगभग पांच माह बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस पृष्ठभूमि में, उनका एक होना यह प्रदर्शित करता है कि वे राज्य की राजनीति में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए तथा आर जे डी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के विरूद्ध तीसरे विकल्प के रूप में उभरना चाहते हैं। इस घटनाक्रम, अर्थात इस नज़दीकी को नीतीश कुमार के लिए चेतावनी की घंटी के रूप में लिया जाना चाहिए, क्योंकि आर सी पी और किशोर उनके निकटतम सहयोगी एवं सहायक रहे हैं तथा उन्होंने जे डी यू के लिए ई बी सी वोट बैंक बनाने में बहुत मदद की है। यही नहीं, इन दोनों ने नीतीश कुमार की "सुशासन" व्यक्ति की छवि भी बनाई है।

- दोनों चेले, इस नये गठबंधन के सहारे बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. व आर.जे.डी. के नेतृत्व वाले महागठबन्धन के बाद तीसरा स्तम्भ बनना चाहते हैं, बिहार की राजनीति में।
- यह घटनाक्रम नीतीश कुमार के लिए खतरे की घंटी है, क्योंकि दोनों चेले, किसी जमाने में नीतीश कुमार के सबसे मजबूत साथी थे, जिन्होंने चार बार नीतीश का ई.बी.सी. वोट बैंक गढ़ा था, और नीतीश की "सुशासन" की छवि बनाने में कामयाबी हासिल की थी।
- प्रशांत किशोर उस जमाने में जे.डी.यू. के उपाध्यक्ष थे, तथा उनके जे.डी.यू. छोड़ने का एक बड़ा कारण आर.सी.पी. सिंह थे।
- आर.सी.पी. सिंह व प्रशांत किशोर के बीच इतनी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा थी, कि आर.सी.पी. सिंह ने प्रशांत किशोर पर तीखी टिप्पणी की थी कि, प्रशांत एक ऐसे राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने बिहार के लिए कुछ नहीं किया।

आर सी पी मुख्यमंत्री कुमार की तरह "कुर्मी" ही हैं तथा दोनों ही नालन्दा से है। एक समय, आर सी पी, जे डी यू में सर्वाधिक शक्तिशाली नेता माने जाते थे और, कुछ समय तक पार्टी अध्यक्ष भी रहे हैं, फिर उनके नीतीश से मतभेद हो गए। इसी प्रकार, प्रशान्त किशोर एक समय जे डी यू के उपाध्यक्ष थे तथा उनके जे डी यू को छोड़ने का एक कारण आर सी पी के साथ उनकी प्रचंड प्रतिद्वन्द्विता भी बताई जाती है। उस समय आर सी पी ने किशोर का अपमान करते हुए, उन्हें एक ऐसा व्यक्ति बताया था, "जिसका बिहार के लिए कोई योगदान नहीं है।"

पर रविवार के दिन, उनकी सारी पुरानी शत्रुता और प्रतिद्वन्द्विता पीछे छूट गई तथा सिंह ने घोषणा की कि वे किशोर की "जन सुराज पार्टी (जे एस पी) में अपनी अल्पज्ञात पार्टी "आप सबकी आवाज" का विलय कर रहे हैं।

पर्यवेक्षकों का कहना है, "आर सी पी के जे एस पी में आने से कुर्मी मतदाताओं में जे एस पी की संभावनाएं तो काफी बढ़ ही जायेंगी, इसके साथ ही, ऐसे समय पर, जब किशोर सारे समुदायों को मिलाकर एक सामाजिक संयोजन की स्थिति लाने की कोशिश कर रहे हैं, आर सी पी की संगठनात्मक क्षमताओं से उन्हें

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# हाईकोर्ट ने परकोटे के 19 भवनों की पालना रिपोर्ट मांगी

जयपुर, 20 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की चारदीवारी के आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों के चलते अवैध तौर पर चिन्हित किए 19 भवनों के मामले में राज्य सरकार को 25 फरवरी के आदेश की पालना के लिए 7 जुलाई तक का समय दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व आनंद शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान में भवन मालिकों की ओर से दिए प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार के एएजी जीएस गिल ने कहा कि 19 भवन मालिकों में से अभी 10 का ही पक्ष सुन पाए हैं और 9 भवन मालिकों का पक्ष जानना बाकी है। इसलिए अदालत राज्य सरकार को तीन महीने का समय दे। इसका विरोध करते हुए न्याय मित्र शोभित तिवाड़ी ने कहा कि पालना रिपोर्ट के लिए तीन महीने का समय ज्यादा है। इस दौरान मामले से जुड़े सीनियर एडवोकेट विमल चौधरी ने कहा कि प्रभावितों ने अदालत से तथ्य छिपाए हैं और सुप्रीम कोर्ट में उनकी

- जयपुर की चारदीवारी के आवासीय इलाके में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए चिन्हित 19 भवनों के मामले में 25 फरवरी को आदेश दिया था।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'ऑपरेशन सिन्दूर की जानकारियां विदेशी सरकार से साझा की जा रही हैं पर संसद में नहीं'

## सी.पी.आई. के नेता डी. राजा ने कहा कि, भारत सरकार की ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में सांसदों की यह अवहेलना हमें स्वीकार नहीं है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा ने आज एक महत्वपूर्ण बयान में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के मामले में विदेशी सरकारों को जानकारी दी जा रही है, जबकि भारतीय जनता "अंधेरे में रखी गई है", यह कदापि स्वीकार्य नहीं है।

सीपीआई महासचिव ने कहा कि, हालाँकि विपक्ष "ऑपरेशन सिंदूर" पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है, पर, सरकार को जनता द्वारा चुनी गई संसद की कोई परवाह नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों सहित प्रमुख देशों में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडली भेजने का जो निर्णय लिया है, उसमें पारदर्शिता का अभाव है तथा अधिकांश को इससे बाहर रखा गया "अपारदर्शिता" और "बहिष्करण" से भरा है, उन्होंने कहा।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर न तो कोई सलाह ली गई और न ही उन्हें जानकारी दी गई, और इन प्रतिनिधिमंडलों का क्या उद्देश्य है, इस पर भी "कोई स्पष्टता नहीं" है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "यह अस्वीकार्य है कि विदेशी सरकारों को जानकारी दी जाए जबकि भारत की अपनी संसद और जनता को अंधेरे में रखा जाए।"

कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल "ऑपरेशन सिंदूर" पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं, यह ऑपरेशन पहलगाम हमले के बाद शुरू किया गया था।

ऑपरेशन सिंदूर पर एक पोस्ट को लेकर अशोका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर की हालिया गिरफ्तारी का मुद्दा उठाते हुए, सीपीआई नेता ने इसे असहमति की आवाज को दबाने का प्रयास बताया।

राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की शर्तों को लेकर बढ़ रहे भ्रम और अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की भूमिका पर भी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा, "जिन्होंने गैरजिम्मेदाराना ढंग से परमाणु संघर्ष का संकेत दिया था।" उन्होंने कहा, "चौंकाने वाली बात यह है कि सरकार ने अभी तक उनके दावों का स्पष्ट रूप से खंडन या निंदा नहीं की है। यह संसद की एक समिति के सामने विदेश सचिव द्वारा दिए गए कथित बयान से एकदम उलट है, जिसमें कहा गया था कि दोनों पक्षों ने पारंपरिक युद्ध का इस्तेमाल किया था।"

- डी. राजा ने यह भी कहा कि देश के राजनीतिक दल कई बार यह मांग कर चुके हैं कि संसद का विशेष सत्र आहूत कर सरकार ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में जानकारी दे। सांसद सेना के इस "युद्ध" के बारे में अनुभवों को जानना चाहते हैं। भारत सरकार ये अनुभव विदेशी राष्ट्रों से शेयर करने को तो लालायित है, पर सांसदों को इस बारे में कुछ साझा क्यों नहीं करना चाहती है।

# अब नये फ्रेश वकील सीधे ही जुडीशिएरी सर्विस के इम्तिहान में नहीं बैठ पायेंगे

## सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश पारित कर यह व्यवस्था बिठाई है, कि, अनिवार्य रूप से एक फ्रेश ग्रैजुएट को कम से कम तीन साल लॉ की प्रेक्टिस करने का अनुभव होना जरुरी होगा, "जुडीशिएरी" एन्ट्री लैवल की परीक्षा में बैठने से पहले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि न्यायिक सेवा में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को कम से कम तीन साल की वकालत का अनुभव होना अनिवार्य होगा। इस निर्णय के बाद अब ताजा लॉ ग्रैजुएट सीधे न्यायिक सेवा की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे।

यह फैसला न्यायिक सेवा में करियर की तैयारी कर रहे छात्रों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि भावी न्यायाधीशों के लिए व्यावहारिक अनुभव अत्यंत आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि लॉ ग्रैजुएट्स की सीधी नियुक्तियों से कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं, जिनकी ओर विभिन्न उच्च न्यायालयों ने ध्यान दिलाया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट रूम में व्यावसायिक अभ्यास से मिलने वाला अनुभव न्यायिक प्रक्रिया की दक्षता और गुणवत्ता के लिए अत्यंत जरूरी है।

इस फैसले के अनुसार, सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) पद की परीक्षा में शामिल होने के लिए अब न्यूनतम तीन वर्ष की वकालत आवश्यक होगी। यह निर्णय अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ (ऑल इण्डिया जजेज़ एसोसिएशन) द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में सुनाया गया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि नए कानून स्नातकों की सीधी भर्ती से व्यावहारिक समस्याएं पैदा हुई हैं, जो कि विभिन्न उच्च न्यायालयों की रिपोर्टों में सामने आई हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह तीन साल की अवधि प्रोविज़नल एनरोलमेंट (अस्थायी पंजीकरण) की तारीख से गिनी जाएगी।

तथापि, यह नई शर्त उन भर्तियों पर लागू नहीं होगी, जो इस निर्णय की तारीख से पहले उच्च न्यायालयों द्वारा शुरू की जा चुकी हैं। यह नियम केवल भविष्य की भर्तियों पर लागू होगा।

यह फैसला मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति ए. जी. मसीह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सुनाया। इस निर्णय में सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (लिमिटेड डिपार्टमैंटल कॉम्पटिटिव एग्ज़ामिनेशन) के अंतर्गत पदोन्नति को लेकर भी निर्देश शामिल हैं।

# सिरसी रोड बायपास से झारखंड मोड़ तक अतिक्रमण कब हटेगा

जयपुर, 20 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने 200 फीट सिरसी रोड बाईपास से झारखंड मोड़ के बीच शेष बचे अतिक्रमणों को हटाने की जानकारी मांगी है। अदालत ने जेडीए से 23 मई तक बताने को कहा है कि शेष बचे दस फीसदी अतिक्रमणों को कब और कैसे हटाया जाएगा। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में जेडीए से तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश विजय कुमार की अवमानना याचिका पर दिया।

- हाईकोर्ट ने जेडीए से 23 मई तक बताने को कहा।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी से पूछा कि मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है। इस पर जेडीए की ओर से कहा गया कि मौके से 90 फीसदी अतिक्रमणों को हटा दिया है। वहीं, 9 अप्रैल को कार्रवाई के दौरान जेडीए को अत्यधिक विरोध का सामना करना पड़ा था। ऐसे में कार्रवाई को आगे टालने का निर्णय लिया था। इस मामले में जेडीए

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कांग्रेस ने "ऑपरेशन सिन्दूर" पर भाजपा सरकार को घेरने का पूरा प्रयास किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई - 'ऑपरेशन सिंदूर' से निपटने को लेकर मोदी सरकार आज तीव्र आलोचना के घेरे में आ गई, जब कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केन्द्र पर नया हमला बोलते हुए, उसे भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच लापरवाह रवैया और "भारी कूटनीतिक भूल" का दोषी ठहराया।

कांग्रेस के संचार और प्रचार विभाग के अध्यक्ष खेड़ा ने एक्स पर एक विस्तृत बयान पोस्ट कर कई तीखे सवाल उठाए और इस मुद्दे पर सभी दलों की बैठक तथा संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की।

खेड़ा ने लिखा, "ऐसे समय में, जब पूरा देश शोक में डूबा है और हमारी सीमाओं पर गंभीर सुरक्षा तनाव है, सत्ताधारी भाजपा ने चौंकाने वाली अपरिपक्वता और लापरवाही दिखाई।"

खेड़ा ने आगे कहा, "हम एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में हमेशा अपनी सेना के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं, लेकिन जब सरकार उन नागरिकों की ही सुरक्षा में असफल रहती है, जिनकी रक्षा की उसने शपथ ली है, तब हम चुप नहीं रह सकते।"

- कांग्रेस के अनुसार प्र.मंत्री ने गत ग्यारह साल में 151 विदेश यात्राएं कीं, 72 देश गये, जिनमें अमेरिका की दस यात्राएं भी शामिल हैं, पर आतंकवादी हमले के सन्दर्भ में भारत के पक्ष में खड़ा होने के लिए कोई देश तैयार नहीं हुआ।
- आई.एम.एफ. ने पाकिस्तान को 1.4 बिलियन डॉलर की सहायता का पैकेज देना स्वीकार किया, लेकिन, यह जानते हुए कि इस रकम का उपयोग पाकिस्तान आतंकवादियों को तैयार करने पर खर्च करेगा, भारत यह पैकेज नहीं रुकवा सका।
- बार-बार ट्रम्प दावा कर रहे हैं, कि उन्होंने मध्यस्थता कर भारत-पाक के बीच सीज़ फायर करवाई, पर भारत अनर्गल बयानबाजी का भी प्रभावी ढंग से जवाब नहीं दे पाया।
- इसी प्रकार, विदेश मंत्री की यह स्वीकारोक्ति, कि उन्होंने पाकिस्तान पर हवाई बमबारी करने से पहले पाकिस्तान को पूर्व सूचना दी, एक बहुत गैर जिम्मेदाराना हरकत थी।

खेड़ा द्वारा उठाए गए प्रमुख सवालों में शामिल थे: ऑपरेशन से पहले पाकिस्तान को जानकारी क्यों दी गई, जबकि भारत के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे पूंछ में नागरिकों को कोई सूचना नहीं दी गई? क्या इस चेतावनी ने मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकियों को भागने में मदद की? कितने आतंकी भागे और इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को कितना नुकसान हुआ?

कांग्रेस, सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के बाद अचानक युद्धविराम की घोषणा के बाद से ही लगातार इस मुद्दे पर हमलावर है। यह सैन्य कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी खेड़ा के सवालों को दोहराते हुए एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार विदेश यात्राओं के बावजूद, भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ा है।

उन्होंने कहा, "पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने 151 विदेशी दौरे किए और वे 72 देशों में गए, जिनमें अमेरिका की 10 यात्राएँ शामिल हैं। फिर भी जब भारत को पाकिस्तान की सीमा-पार आतंकवाद में भूमिका उजागर करने के लिए वैश्विक समर्थन की आवश्यकता थी, तब कोई भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ।"

उन्होंने पाकिस्तान को दिए गए 1.4 अरब डॉलर के राहत पैकेज को भारतीय

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अटारी बॉर्डर पर12 दिन बाद रिट्रीट सैरमनी

अमृतसर, 20 मई। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के साथ युद्ध जैसे हालात पैदा किए। दोनों देशों के बीच तनाव के चलते अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी बंद कर दी गई थी। अब हालात सामान्य होने पर मंगलवार को अटारी बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी एक बार फिर से शुरू कर दी गई। हालांकि पहले दिन रिट्रीट देखने जाने वाले लोगों की संख्या एक हजार से 1500 के बीच रही।

- हालांकि दोनों ओर के गेट नहीं खोले गये, पर भारत की तरफ बड़ी संख्या में पर्यटक मौजूद थे, जिन्होंने भारत माता की जय के नारे लगाए।

अटारी बॉर्डर पर पहुंचे सैलानियों की ओर से वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए गए। वहीं सेरेमनी के दौरान बीएसएफ की ओर से गेट पूरी तरह से बंद रखे गए। रिट्रीट सेरेमनी के दौरान सैलानियों ने बीएसएफ जवानों का हौसला बढ़ाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सात मई से रिट्रीट सेरेमनी बंद कर दी गई थी। रिट्रीट सेरेमनी शुरू हो जाने पर जहां

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मंत्री के खिलाफ "एस.आई.टी." गठित करवाई

## मंत्री ने सेना अधिकारी सोफिया कुरैशी के खिलाफ बड़ी भद्दी टिप्पणी की थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुँवर विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी, जिन्होंने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को ब्रीफ किया था, के खिलाफ की गई "घिनौनी, असभ्य और शर्मनाक" टिप्पणी को लेकर कड़ी आपत्ति जताई और मंत्री के खिलाफ दर्ज एफआईआर की जाँच के लिये स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की बैंच ने टिप्पणी करते हुए कहा, "देश आप पर शर्मसार है", और मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को 20 मई तक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया। इस टीम में राज्य कैडर के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल होंगे, लेकिन कोई भी अधिकारी मध्यप्रदेश का मूल निवासी नहीं होगा। साथ ही, टीम में कम से कम एक महिला अधिकारी अनिवार्य रूप से होनी चाहिए और टीम का नेतृत्व कम से कम इंस्पेक्टर जनरल या डीजीपी रैंक के अधिकारी को करना होगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यह एक "अग्निपरीक्षा" है और "हम चाहते हैं कि राज्य इस एसआईटी की रिपोर्ट हमें सौंपे। हम इस मामले पर कड़ी नज़र रखेंगे।"

हालाँकि कोर्ट ने फिलहाल शाह की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें जांच में सहयोग देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह जांच की निगरानी नहीं करेगा, लेकिन जांच की प्रगति पर करीबी नज़र रखेगा और एसआईटी को 28 मई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया

- कर्नल सोफिया कुरैशी ने बड़ी सौम्यता व गम्भीरता से ऑपरेशन सिन्दूर के बारे में सेना की ओर से ब्रीफिंग की।
- सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री पर बहुत सख्त टिप्पणी की ओर कहा, मंत्री ने घटना पर जो टिप्पणी की उसमें "सच्चाई" तक नहीं थी और मंत्री द्वारा खेद व्यक्त करना केवल एक औपचारिकता ही थी।
- कोर्ट के आदेश से अब तीन सदस्यीय एस.आई.टी. गठित होगी। जिसमें तीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा कम से कम एक महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल होगी तथा एस.आई.टी. का नेतृत्व एक आई.जी. व डी.जी.पी. रैंक का पुलिस अधिकारी करेगा।

शाह की सार्वजनिक माफी को "बनावटी" करार देकर को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने तीखी टिप्पणी की:

"देश को आप पर शर्म आती है। आपको पश्चाताप करना चाहिए। यह किस तरह की माफी है? लोग कई बार माफी मांगते हैं, ताकि वे कानूनी जिम्मेदारी से बच सकें। कई बार मगरमच्छी आंसू भी बहाते हैं। मगर आपकी माफी में कोई सच्चाई नहीं है।"

बैंच ने कहा, किसने आपको गंभीर कोशिश करने से रोका है। "आपने कहा, "अगर किसी को ठेस पहुँची हो"... आप तो जिम्मेदारी लेने को भी तैयार नहीं हैं। हमें आपकी माफी की जरूरत नहीं है। हम जानते हैं कि कानून के अनुसार कैसे निपटना है।"

कोर्ट ने कहा कि एक अनुभवी राजनेता और सार्वजनिक पद पर होने के नाते शाह को अपने शब्दों का वजन समझना चाहिए था। "आपने असभ्य बातें कीं, बिना सोचे-समझे। जनता की भावनाओं को बुरी तरह आहत किया। अब आप पूरी तरह जनता के सामने बेनकाब हो गए हैं।"

इसके अलावा, कोर्ट ने राज्य पुलिस की निष्क्रियता और एफआईआर के शुरुआती कमज़ोर स्वरूप पर भी नाराज़गी जताई और कहा, "आपने क्या किया? जब हाई कोर्ट को खुद एफआईआर दोबारा लिखनी पड़ी, तो आपने अब तक क्या किया? क्या यह जांच की गई कि इसमें कोई संज्ञेय अपराध है? राज्य से अपेक्षा की जाती है कि वह निष्पक्ष कार्रवाई करेगा।" हाई कोर्ट ने अपनी जिम्मेवारी निभाई। उन्हें

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अधीक्षण अभियंता का ऑफिस सील हो और वह बाहर बैठकर काम करें

जयपुर, 20 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने पीएचईडी की जनता जल योजना में कार्यरत रहे पंप चालकों को अदालती आदेश के बावजूद भी न्यूनतम वेतन नहीं देने पर कड़ा रुख अपनाया है।

- हाईकोर्ट ने सीकर डीजे को पी.एच. ई. डी. अधीक्षण अभियंता के बारे में निर्देश दिये।
- पंप चालकों के न्यूनतम वेतन के संबंध में अदालत ने 2020 में आदेश दिये थे, जिनकी आज तक पालना नहीं हुई।

अदालत ने कहा कि ऐसा लगता है कि अधीक्षक अभियंता, सीकर सर्किल ने अदालती आदेश की जानबूझकर

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

विचार बिन्दु

जो निर्बलों पर दया नहीं करता, उसे बलवानों के अत्याचार सहने पड़ेंगे। -शेख सादी

# न्याय व्यवस्था की लेखा परीक्षा करती एक जरूरी रिपोर्ट

आम आदमी के जीवन से सरोकार रखने वाली बहसें लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती हैं। न्याय प्रणाली के बारे में ऐसी बहसें शीघ्र न्याय प्रदान करने के लिए समयबद्ध समाधान खोजने को भी प्रेरित करती हैं। न्यायिक संस्था में आम जन का विश्वास तभी बना रह सकता है जब न्याय में देरी न हो। ऐसा न हो कि कोई नौजवान न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाए और अदालत का अंतिम फैसला आए तब तक वह बूढ़ा हो जाए। न्याय मिलने में अत्यधिक देरी के परिणामस्वरूप नागरिकों द्वारा कानून अपने हाथ में ले लेने की खबरें भी मिलती हैं। किसी भी अन्य संस्था की तरह न्याय प्रणाली को भी स्वतंत्र मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। हाल ही में 'टाटा ट्रस्ट्स' के सहयोग से 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025' जारी हुई है। न्याय प्रदान करने की प्रणाली का स्वतंत्र लेखा परीक्षण का कार्य कर रही सभ्य समाज की एक संस्था की यह रिपोर्ट है। इसमें न्याय व्यवस्था के सभी अंगों का समावेश है जैसे पुलिस और जेल प्रशासन व अभियोजन, क्योंकि ये सभी मिल कर न्याय प्रणाली बनाती हैं। यह रिपोर्ट एक कठोर मगर निर्विवाद सत्य को उजागर करती है कि हमारी न्याय प्रदान करने की प्रणाली अब भी अपने जनादेश को पूरा करने से बहुत दूर है। रिपोर्ट की प्रामाणिकता यह है कि अपने निष्कर्ष पर पहुंचने में वह पूरी तरह सरकार के ही आंकड़ों पर आधारित साक्ष्य पर निर्भर करती है। यह परीक्षण इस सर्वज्ञात वास्तविकता से फिर रूबरू कराता है कि संविधान में नागरिकों से किया गया कानून के जरिए समान न्याय का वादा अब भी पूरा होना बाकी है, वैसे ही जैसे सब बालकों को समान शिक्षा देने का वादा। रिपोर्ट में प्रस्तुत डेटा हमारी न्याय प्रणाली के प्रबंधन में रुचि रखने वालों के लिए यह बुनियादी सवाल उठाने का प्रयास करता है कि हम अपनी जड़ता के चक्र को कैसे तोड़ें तथा सुधार की राह पर कैसे आगे बढ़ने के लिए कदम बढ़ाएं। इस साल की रिपोर्ट हमें समस्या की पहचान करने को प्रेरित करती है। इसमें जो मूल थीसिस उभर कर आती है, वह सिस्टम में बैठे लोगों की आलोचना नहीं है। यह रिपोर्ट मानती है कि सिस्टम में बैठे लोगों को बहुत लंबे समय से स्वतंत्र रूप से कार्य करने की उनकी अंतर्निहित क्षमताओं से वंचित किया जाता रहा है। सिस्टम के भीतर सेवा देने वाले व्यक्ति अक्सर खुद को उन्हीं संरचनाओं से जूझते हुए पाते हैं जिन्हें बनाए रखने के लिए उन्हें बनाया गया है। सच्ची संस्थागत ताकत व्यक्तियों की क्षणभंगुर प्रतिभा या क्षणिक नवाचारों पर निर्भर नहीं हो सकती। वह तभी सुनिश्चित होती है जब आम लोगों के कौशल और प्रतिभा को उभार कर उन्हें एक मजबूत ढांचे में अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाय, जो व्यक्तिगत योगदान से परे हो।

एक अच्छी तरह से काम करने वाली न्याय प्रणाली लचीलेपन, पूर्वानुमान और निष्पक्षता को प्राथमिकता देती है। इसी से असाधारण कौशल की नियमित दक्षता सुनिश्चित होती है। यह केवल इच्छाशक्ति पर निर्भर नहीं हो सकती। व्यक्तिगत योगदान से परे निरंतर, सुसंगत प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किये जाने से ही ऐसा हो सकता है। सही मायने में प्रभावी न्याय प्रणाली को एक स्पष्टस्वतंत्र दृष्टि और अडिग मूल्यों का आधार तैयार करना पड़ता है। भारतीय संविधान में इसकी व्यवस्था मौजूद हैं। संविधान के सिद्धांतों की न्याय प्रणाली के हर पहलू में व्याप्त होने की सबकी अपेक्षा रहती है। न्याय प्रणाली की रैंक में प्रवेश करने वाले सभी लोगों के प्रशिक्षण का यह अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए जिससे उनका अभिविन्यास वैसा बने जिसकी परिकल्पना संविधान में मौजूद है। किसी व्यक्तिगत दृष्टि से परे, प्रणाली में अच्छी तरह से परिभाषित संरचनाएं और प्रक्रियाएं होनी चाहिए, जो नियमितता, पूर्वानुमेयता, पहुंच, जवाबदेही तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करती हो और वास्तविक भागीदारी को बढ़ावा देती हो। न्याय प्रणाली को उस विविध आबादी का प्रतिनिधित्व करना होता है जिसकी सेवा के लिए उसका गठन हुआ है। उसे उन उद्देश्यों तथा विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना जरूरी है जिनके लिए यह प्रणाली बनाई गई। महत्वपूर्ण रूप से यह व्यक्तिगत आधारित प्रयास नहीं होना चाहिए बल्कि एक समान प्रणाली-आधारित प्रयास होना चाहिए। आयोग, सरकारऔर नागरिक समाज के अलावा खुद न्यायालय देश की न्याय प्रणाली पर मुकदमों के बढ़ते बोझ का विश्लेषण करते आए हैं। वहीं न्याय पाने के लिए अदालतों में भटक रहे वादी-प्रतिवादी प्रतिदिन इस प्रणाली की जटिलताओं से झूंझते हैं। व्यवस्था ठीक करने के नुस्खों, सिफारिशों और प्रस्तावित समाधानों की लंबी फेहरिस्त है। फिर भी समस्या बनी हुई है, क्योंकि न्याय प्रणाली अलग-थलग नहीं है, वह एक व्यापक शासन ढांचे के भीतर बनी हुई है।

**समग्र सुधार की व्यवस्था के लिए सभी घटकों-पुलिस, न्यायपालिका, कानूनी सहायता, बचाव और अभियोजन पक्ष के वकील, जेल, फोरेंसिक जांच संस्थाएं और मानवाधिकार आयोगों को एक साथ मजबूत किया जाना जरूरी है। व्यवस्था चलाने वालों की सहमति के बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता।**

वह राजनीतिक, वित्तीय और प्रशासनिक ताकतों के भी अधीन है जो इसके प्रदर्शन की नियति तय करते हैं। इसलिए, इसे सुधारने के लिए सिफारिशों की एक सूची बना देने से समाधान नहीं निकलने वाला है। इसके लिए निरंतर दबाव, राजनीतिक इच्छाशक्ति और बदलाव को प्रोत्साहित करने वाली एक स्पष्ट रणनीति की आवश्यकता है। सम्पूर्ण शासन तंत्र की उप-प्रणालियों में ऐसे उपायों की पहचान करनी होगी जो कागजी सिफारिशों को मूर्त, व्यावहारिक परिणामों में बदल सकें। 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' इस बात का उदाहरण है कि किस तरह कठोर, डेटा-संचालित आकलन सुधार के लिए उत्प्रेरक का काम कर सकते हैं। यह रिपोर्ट समय के साथ राज्य के प्रदर्शन पर नज़र रखकर, यह ऐसे बेंचमार्क का उपयोग करती है जो नीतिगत निर्णय लेने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है और उसके लिए सार्वजनिक चर्चा को आकार दे सकती है। यह रिपोर्ट पारदर्शिता और तुलनात्मक रैंकिंग देती है जो विभिन्न राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा कर सकती है, जिससे उन्हें अपनी स्थिति सुधारने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। इन अंतर्दृष्टियों को ज़मीनी स्तर पर लाने के लिए नागरिक समाज, शिक्षाविद् और मीडिया इसमें एकत्रित डेटा का उपयोग कर सकते हैं। न्यायालयों, आयोगों और नीति निर्माताओं को इस रिपोर्ट की जानकारी को केवल एक अकादमिक अभ्यास के रूप में नहीं बल्कि वास्तविक जीवन को प्रभावित करने वाले सुधारों को आगे बढ़ाने के उपकरण के रूप में लेना चाहिए। रिपोर्ट का ध्यान एक ही चुनौती पर है कि न्याय संस्थानों के पास संसाधनों की कमी है। चाहे वह पांच करोड़ लंबित मामलों के बोझ तले दबी न्यायपालिका हो, बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर काम कर रहे पुलिस विभाग हों या पुनर्वास के बजाय रोकथाम के लिए बनाई गई जेलें हों, वास्तविकता निराशाजनक है।

पिछले कुछ वर्षों में बजट आवंटन में वृद्धि हुई है, फिर भी उनका उपयोग अपर्याप्त है। संरचनात्मक अक्षमताओं पर ध्यान दिए बिना, केवल खर्च में वृद्धि से बेहतर परिणाम नहीं मिल सकते। क्षमता को ठीक करना वास्तव में सफलता के लिए एक आवश्यक कदम है - लेकिन यह अकेला पर्याप्त नहीं है। परिवर्तन की संभावना तब सबसे अधिक होती है जब प्रोत्साहन ठोस होते हैं। प्रदर्शन से जुड़ी फंडिंग, अच्छी तरह से काम करने वाली संस्थाओं के लिए मान्यता, अच्छा नेतृत्व, जवाबदेही तंत्र, उपयोगकर्ता, तथा नागरिक ऑडिट के माध्यम से मिले फीडबैक सभी सुधार के प्रेरक बनते हैं। उदाहरण के लिए, जो राज्य न्यायिक रिक्तियों, पुलिस प्रशिक्षण या जेल पुनर्वास कार्यक्रमों में सुधार प्रदर्शित करते हैं, उन्हें अतिरिक्त वित्तीय सहायता से पुरस्कृत किया जा सकता है। इसी तरह, संस्थानों के भीतर व्यक्तिगत अभिविन्यास और जवाबदेही - बेहतर प्रशिक्षण और पारदर्शी मूल्यांकन प्रणालियों, सेवा की गुणवत्ता से जुड़ी पदोन्नति से सकारात्मक परिणामों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। यह भी स्पष्ट है कि अपराध की जांच और कानून और व्यवस्था दो अलग-अलग विषय हैं जिनके लिए अलग-अलग योग्यता और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। अपराधों की वैज्ञानिक जांच समय की मांग है। सुधार टुकड़ों में नहीं हो सकता। न्याय अलग-अलग नहीं बल्कि परस्पर निर्भर संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से दिया जाता है। यदि पुलिस बल में कम कर्मचारी और अप्रशिक्षित हैं तो न्यायालय कुशलता से काम नहीं कर सकते। यदि कानूनी सहायता अप्रभावी है तो जेल पुनर्वास नहीं कर सकते। दोषी कैदियों के मुकाबले विचाराधीन कैदियों की बड़ी संख्या इस समस्या का प्रतिबिंब है। समग्र सुधार की व्यवस्था के लिए सभी घटकों-पुलिस, न्यायपालिका, कानूनी सहायता, बचाव और अभियोजन पक्ष के वकील, जेल, फोरेंसिक जांच संस्थाएं और मानवाधिकार आयोगों को एक साथ मजबूत किया जाना जरूरी है। व्यवस्था चलाने वालों की सहमति के बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता। न्यायपालिका, सरकार और सिविल सेवाओं का नेतृत्व करने वालों को बदलाव लाने, जोखिम उठाने और यथास्थिति को चुनौती देने के लिए तैयार रहना चाहिए। जनता के दबाव की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। न्याय सुधार इतना महत्वपूर्ण है कि इसे केवल संस्थाओं पर नहीं छोड़ा जा सकता, इसे एक सामाजिक मांग बनना चाहिए। इसका मतलब यह है कि इस बात को व्यापक मान्यता मिलनी चाहिए कि न्याय प्रदान करना केवल नैतिक अनिवार्यता नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, सामाजिक शांति, तीव्र विकास और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की प्राप्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। भारत न्याय रिपोर्ट इस आवश्यक संवाद के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकती है। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं है। यह कार्रवाई का आव्हान है। इसके निष्कर्ष हमारी न्याय प्रणाली की वास्तविकता को दर्शाते हुए एक दर्पण और एक रोडमैप दोनों देती हैं। साथ ही वे आगे का रास्ता भी सुझाती हैं। हमारे सामने सवाल यह है कि क्या हम इस ज्ञान का उपयोग बदलाव लाने के लिए करेंगे या निष्क्रियता के एक और चक्र को पनपने देंगे। हमारे सामने जो स्पष्ट है वह है कार्य करने की इच्छाशक्ति।

**-अतिथि संपादक,**
**राजेन्द्र बोड़ा**
**( वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक )**

# डिजिटल इंडिया के आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक दूरसंचार क्रांति के जनक एवं पंचायती राज के सशक्तिकरण के प्रणेता राजीव गांधी

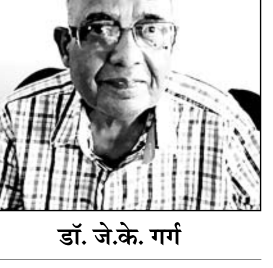

डॉ. जे.के. गर्ग

प्रधानमंत्री रहते हुए स्व गांधी ने कई महत्वपूर्ण काम किए, जिन्होंने देश के विकास को नई दिशा प्रदान की। राजीव गांधी को डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक और दूरसंचार क्रांति का जनक कहा जाता है। राजीव गांधी ने अगस्त 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सेंटर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स की स्थापना करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से शहर से लेकर गांवों तक दूरसंचार का जाल बिछना शुरू हुआ, जगह-जगह पीसीओ खुलने लगे। जिससे गांव की जनता भी संचार के मामले में देश-दुनिया से जुड़ सकी। फिर 1986 में राजीव की पहल से ही एमटीएनएल की स्थापना हुई, जिससे दूरसंचार क्षेत्र में और प्रगति हुई।

स्व. गांधी मानते थे कि युवा पीढ़ी ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा, इसके लिए उनको कंप्यूटर टेक्नोलॉजी और विज्ञान की शिक्षा देना जरूरी है। कंप्यूटर की कीमतें घटाने के लिए राजीव ने इसे सरकारी नियंत्रण से बाहर निकल दिया और असेंबल कंप्यूटर का आयात शुरू किया। बड़ी टेलीकॉम कंपनी एमटीएनएल और बीएसएनएल की शुरुआत उनके कार्यकाल में ही हुई। राजीव ने ही पंचायती राज अधिनियम के माध्यम से केन्द्रीकृत सत्ता का विकेंद्रीकरण करके पंचायतों को कई महत्त्वपूर्ण और वित्तीय अधिकार दिये थे। अयोध्या में विवादित स्थल का ताला खुलवाया। उन्होंने सनातनधर्मीयों की नाराजगी को दूर करने के लिए अयोध्या के विवादित स्थल का ताला खुलवा दिया और 1989 में राम मंदिर के निर्माण के लिए शिलान्यास की इजाजत भी दे दी।

युवाओं को रोजगार देने के लिए जवाहर रोजगार योजना को शुरू किया था। राजीव ने 1986 की शिक्षा नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्र के लाखों बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा देने के उद्देश्य से जवाहर नवोदय स्कूल प्रारम्भ किये है और आज तो स्थिति ऐसी है कि शहरी क्षेत्र के बच्चे भी नवोदय स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं।

इंदिरा गांधी एवं फिरोज गांधी के ज्येष्ठ पुत्र राजीव का जन्म 20 अगस्त 1944 को मुंबई में हुआ था। राजीव गांधी बचपन में बहुत ही संकोची स्वभाव के थे। जब वे दून स्कूल में पढ़ रहे थे, तब उनके नाना पंडित जवाहरलाल नेहरू पहली बार उनसे मिलने स्कूल पहुंचे तो राजीव बाथरूम की बास्केट में छिप गए थे। राजनीति में आने से पहले राजीव गांधी एयरलाइंस में पायलट की नौकरी करते थे। राजीव का पूरा नाम राजीव रत्न गांधी था उनका यह नाम उनके नाना नेहरूजी ने रखा क्योंकि नेहरू जी की पत्नी का नाम कमला था और राजीव का मतलब कमल होता है कमला की याद को ताजा बनाए रखने के लिए नेहरू जी ने राजीव नाम रखा था। राजीव गांधी संगीत प्रेमी थे, उनको पश्चिमी संगीत के साथ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था। लन्दन में राजीव गांधी की मुलाकात एड्विगो मानिओ से हुई थी। 1968 में राजीव गांधी ने उनसे शादी कर ली और उनका ये नाम बदलकर सोनिया गांधी रखा गया। राजीव और सोनिया के पुत्र और पुत्री राहुल और प्रियंका है।

राजीव गांधी का स्वभाव स्नेहमय सहनशील और सरल था वे जन्म से ही दयालु और करुणा मय व्यक्ति थे स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, किन्तु जनमानस के हृदय पर भी राज किया। स्व. राजीव गांधी ही वो इंसान थे जिन्होंने उन्नीसवीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा था। स्वभाव से धीर-गंभीर किन्तु आधुनिक सोच एवं तार्किक क्षमता के धनी राजीव ने बीसवीं सदी में ही हिन्दुस्तान को 21वीं सदी का उन्नत राष्ट्र बनाने का सपना संजोया था।

दूरदर्शी युवा राजीव का सपना था कि भारत एक मजबूत, आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और मानवता की सेवा करने वाला दुनिया का अग्रणी राष्ट्र बने। राजीव कहते थे कि हमारे देश की एकता और अखंडता से बढ़कर कुछ भी नहीं है। भारत अविभाज्य है। भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कठोर विभाजन भारत का विलुप्त होने वाला वर्गीकरण है जो स्थानीय स्वशासन के लिए औपनिवेशिक शासन व्यवस्था की सबसे बुरी विरासत है। राजीव भारत को 21वीं सदी की दहलीज पर पहुंचना चाहते थे, वो देश को गरीबी के बोझ से मुक्त कराकर विरासत, और हमारे लोगों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाना चाहते थे। लोकतांत्रिक तरीके से राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी है धैर्य, सतत प्रयास और मेल-मिलाप की भावना। हर व्यक्ति को इतिहास से सब लेना चाहिए। हमें चाहिए कि देश में कहीं भी आंतरिक कलह और संघर्ष होता है, तो देश कमजोर होता है। इस कारण, बाहर से खतरा बढ़ जाता है। क्या हमारा लक्ष्य जातिविहीन समाज है? यदि हमारा लक्ष्य, एक जातिविहीन समाज है, तो निश्चित रूप से हमारा हर कदम उस उद्देश्य की ओर होना चाहिए। किसानों के कमजोर होने से देश का स्वावलंबन खत्म हो जाता है। लेकिन, यदि वे मजबूत होते हैं तो देश की आजादी भी मजबूत होती है। वे देश की कंप्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। रेलवे का कम्प्यूटरीकरण करके उन्होंने इस देश के सामने क्रांतिकारी परिवर्तन करके रख दिया।

40 वर्ष की अल्पआयु में ही में राजीव गांधी विशाल जनादेश के साथ भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बन गये थे। उस चुनाव में कांग्रेस को 508 में से रिकॉर्ड 401 सीटें प्राप्त हुई थी। स्मरणीय रहे कि राजीव गांधी राजनीति में आने अनिच्छुक थे किन्तु उनके छोटे भाई संजय की अकाल मृत्यु की वजह से परिस्थितीयां ऐसी बनी कि उन्हें राजनीति में जबरन प्रवेश करना पड़ा। राजीव गांधी को अपने नाना नेहरु की तरह सुरक्षाकर्मियों का घेरा बिलकुल पसंद नहीं था।

वे अपनी जीप और कार खुद ड्राइव करना पसंद करते थे। राजीव गांधी को अपने नाना से आराम हराम है और अपने पिता से अपना काम खुद करो की प्रेरणा मिली थी। विकास को पसंद करने वाले युवा राजीव गांधी ने अपने मन में भारत को मजबूत, आत्मनिर्भर और तकनीकी विकास के मार्ग तेज रफ्तार से दौड़ता मुल्क बनाने का सपना संजोये रक्खा। इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण उनके जीवन का प्रमुख लक्ष्य था। राजीव गांधी सौम्य एवं निर्मल स्वभाव के दूरदर्शी राजनेता थे और किसी भी निर्णय में जल्दबाजी नहीं करते थे और निर्णय लेने से पहले पार्टी के नेताओं से गहन सलाह मशविरा करते थे क्योंकि उनके दिल मे लोकतंत्र की भावना समाई हुई थी। उन्होंने जो सोचा और किया वो वो पुराने ढर्रे की राजनीति से एक दम अलग था।

राजीव गांधी एक ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो जनता से सीधे जुड़े थे और एक ऐसे नेता के रूप में विख्यात थे जिनकी पहुंच देश के आम आदमी के हृदय तक थी। राजीव गांधी ने देश के गरीबों के उत्थान के लिए 1 अप्रैल 1989 को जवाहर रोजगार गारंटी योजना, इंदिरा आवास योजना और 10 लाख कुआं जैसी योजनाएं चालू कीं। लोग राजीव गांधी को देखने व सुनने के लिए टीवी देखा करते थे। एक ऐसा प्रधानमंत्री जिसने उस दौर में पंजाब की यात्रा की, जब देश की खुफिया एजेंसियों ने ऐसा करने से उनको मना किया था। राजीव गांधी ने पंजाब समस्या के समाधान को प्राथमिकता देते हुए 24 जुलाई, 1985 को अकाली दल के अध्यक्ष संत हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ समझौता करके अशांत पंजाब में शांती और सौहार्द के वातावरण का निर्माण किया। राजीव गांधी वो इन्सान थे, जो जब यात्रा पर जाते थे तो तय रास्ते से अलग होकर गांवों में जाते और आम आदमी के घरों में जाना और हर व्यक्ति से हाथ मिलाना जैसे उनको अपनी मां और नाना से विरासत में मिला था। नवंबर 1982 में भारत में आयोजित सफल एशियाई खेलों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका थी। प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी अपनी माता इंदिरा गांधी से अधिक व्यावहारिक और उदार थे। लालफीताशाही पर लगाम लगाकर और नीतिगत बदलाव के जरिये उन्होंने निजी क्षेत्र को औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों के विस्तार की अनुमति दी। कालांतर में यही दिशा 1990 के दशक में व्यापक आर्थिक उदारवाद और मुक्त व्यापार का आधार बनी जिसे नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह ने आगे बढ़ाया। वर्ष 1986 में मिजोरम में लालडेंगा के नेतृत्व में दशकों से चल रहे अलगाववादी हिंसक आंदोलन को मिजोरम समझौते के द्वारा खत्म कर राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना राजीव गांधी की बड़ी सफलता मानी जाती है। असम गणतन्त्र परिषद के साथ असम समझोता उन्होंने ही किया था, समझोते के बाद हुए चुनाव में विपक्ष की जीत और कांग्रेस की हार पर उन्होंने कहा कि भले ही उनकी पार्टी हार गई हो किन्तु प्रजातंत्र जीत गया है।

राजीव शालीनता की प्रतिमूर्ति थे उन्होंने कभी भी अपने किसी भी राजनेतिक विरोधि के प्रति अनर्गल एवं कर्कश शब्दों का प्रयोग नहीं किया। राजीव को जब मालुम पड़ा कि अटलजी गम्भीर रोग से ग्रस्त है तो उन्होंने उन्हें यू.एन.ओ. जाने वाले देलीएष्ण का सदस्य बना कर उनको अमेरिका भेजा और राजदूत को निर्देश दिय की उनका उपचार राजकीय खर्चे से करवायी जाये। राजीव के राजनेतिक विरोधी श्री अटलबिहारी वाजपेयीजी ने कहा था कि अगर वे आज जिन्दा है तो इसकी वजह राजीव ही है। लोग उनका भाषण सुनने के लिए घंटों इंतज़ार किया करते थे। राजीव ने राजनीति में भी नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया, बोफोर्स कांड के आरोपी के बीच संसद भंग कर नये चुनाव करवाने का जज्बा उन्हीं में था। बोफोर्स कांड की कई वर्षों तक उनके विरोधीयों द्वारा करवाई गई जाँच में उनके विरुद्ध कोई साक्ष्य नहीं मिले थे, इस जाँच को करवाने में करदाताओं के करोडों रूपये बर्बाद हो गये। सीधे-सच्चे ईमानदार राजीव विरोधियों एवं मीडिया के झूठे कुत्सित प्रचार के शिकार बन गये। 1989 में हुये लोकसभा चुनाव में 195 सीटे जीतने और सबसे बड़े दल के नेता होने के बावजूद उन्होंने कहा कि जनादेश कांग्रेस के खिलाफ है इसलिए उन्होंने विरोधी पक्ष में बैठने का फैसला करके स्वस्थ लोकतान्त्रिक परम्परा स्थापित की थी। वहीं आज येनकेन प्रकारेण सत्ता प्राप्त का निर्लज्ज प्रदर्शन हो रहा है।

राजीव ने ही भारत को विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाया था। उन्होंने दक्षिण एशिया में शांति के प्रयास किए और इस देश में भाषा के आधार पर हो रहे बिखराव को भी रोका। इसी का परिणाम था कि राजीव गांधी ने श्रीलंका में शांति प्रयासों के लिए भारतीय सैन्य टुकड़ियों को भेजा लेकिन इसके नतीजे में वे खुद लिट्टे के निशाने पर आ गए और उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। 21 मई, 1991 को राजीव गांधी एक रैली को संबोधित करने के लिए चेन्नई से 30 किलोमीटर दूर श्रीपेरंबुदूर में पहुंचे। इन्हीं में एक लिट्टे सदस्य धनु भी थी। राजीव गांधी के आसपास काफी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद धनु ने गाँधी के पैर छूये और एकाएक बम फट गया जिसको धनु ने जो कि उसे अपने कपड़ों में छुपाया हुआ था। राजीव गाँधी समेत 17 अन्य लोग भी काल के ग्रास बन गये। इसी कारण से 21 मई, राजीव गांधी बलिदान दिवस को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। राजीव भी अपनी माँ इंदिराजी के जैसे आतंकवाद के शिकार बनें। उन्हें 'भारत रत्न' से भी नवाजा गया था। कुछ लोग ज़मीन पर राज करते हैं और कुछ लोग दिलों पर। राजीव ने लोगों के दिलों में अपने को बसाया, स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसे इंसान थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, किन्तु जनमानस के हृदय पर भी राज किया। समूचा राष्ट्र राजीव गांधी को उनकी 34वीं पुन्य तिथी पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

**-डॉ. जे. के. गर्ग,**
**पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर**

# अमेरिका अपनी आंखों से झूठ की पट्टी खोले : सच्चाई कबूल कर पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित करे

बाल मुकुन्द ओझा

भारत एक शांतिप्रिय देश है। भारत ने कभी किसी देश पर चलाकर हमला नहीं बोला और न ही किसी की जमीन हड़पी। हां, यह जरूर है किसी ने भारत के साथ छेड़छाड़ का दुःसाहस किया तो उसे छोड़ा भी नहीं। यहाँ हम बात कर रहे है ऑपरेशन सिन्दूर की। भारत पक्ष रखने के लिए देश के सांसद शीघ्र दुनिया का दौरा कर वास्तविकता से अवगत कराएँगे।

यहां सवाल यह पैदा होता है क्या दुनिया ने आंखे बंद कर रखी है कि उनकी आंखें खोलने या यूँ कहें उन्हें कुम्भकर्णी निंद्रा से जगाने हम जा रहे है। क्या दुनिया लोकतंत्र और छद्म लोकतंत्र को नहीं पहचानती। खैर यह विषय बहुत लम्बा है। अमेरिका स्वयं को सुपर लोकतान्त्रिक देश कहलवाने में बड़ा गर्व महसूस करता है। मगर आँखों पर पट्टी बांधकर अपना निर्णय दूसरे देशों पर थोपने में तनिक भी देर नहीं करता। वह इस बीच यह भी नहीं देखता कि कौन सही और कौन गलत है। यहाँ उसका स्वार्थ और व्यापर आड़े आ जाता है। अमेरिका सहित दुनियाभर के देशों की आंखें खोलने और सच्चाई से रूबरू कराने हमें जाना पड़ रहा है। पाकिस्तान की कुछ सच्चाई पर से हम भी इस लेख के माध्यम से पर्दा उठाने जा रहे हैं।

बता रहे हैं लोकतंत्र और छद्म लोकतंत्र की वास्तविकता। भारत और पाकिस्तान के बीच सीज़फायर का दावा कराने वाला अमेरिका स्वयं को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश कहता है, मगर आश्चर्य है उसे लोकतंत्र और छद्म लोकतंत्र में कोई फर्क नज़र नहीं आता। पाकिस्तान की अंदरूनी स्थिति से समूची दुनिया वाकिफ है मगर सच का साथ देने कोई तैयार नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वयं को हमारे प्रधानमंत्री मोदी का दोस्त कहता है मगर संकट में अपने दोस्त की सहायता के लिए आगे आकर अपनी दोस्ती का फ़र्ज़ नहीं निभाता। अमेरिका को चाहिए तो यह था की वह सच्चाई का साथ दे और पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित कर तुरंत व्यापार और आर्थिक सहायता देना बंद करें।

आइये, आज मौका है हम अपने पाठकों को एक बार फिर पाक की सच्चाई से रूबरू कराएं। भारत से अलग होने के बाद पाकिस्तान ने भी लोकतंत्र का रास्ता चुना था। मगर शीघ्र ही लोकतंत्र की यह नकाब उतर गई। पाक में लोकतंत्र के पीछे सेना खड़ी हो गई और देखते देखते पाक पर छद्म रूप से सेना काबिज हो गई। कहा जाता है पाक पर वही पार्टी शासन करेगी जिसे सेना का समर्थन मिलेगा। अन्यथा सेना खुद शासन की कमान सँभालते देर नहीं करेगी। यह कोई कल्पित कहानी नहीं है अपितु पाक की असलियत है। कहते है पाक के शासक का पद काँटों के ताज से कम नहीं है। उसे कब सत्ताच्युत होकर जेल जाना पड़ेगा यह किसी को मालूम नहीं है। इससे पहले सुहरावर्दी से लेकर इमरान तक 5 निर्वाचित नेता गिरफ्तार हो चुके हैं। एक को फांसी दी गई थी। पाकिस्तान अपने पूर्व शासकों को जेल भेजने के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है।

पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सेना की मदद से पाक पर काबिज हुए थे। जितने दिन उन्हें सेना की छत्रछाया मिली वे निर्बाद रूप से राज करतेरहे फिर जैसे ही उन्होंने अपनी स्वतंत्र आवाज बुलंद करनी चाही तो उनसे जल्द ही शासन से बेदखल होना पड़ा। बेदखल होने के बाद इमरान पर कई मुक़दमे कायम किये गए और अन्तोगत्वा अपने पूर्ववर्ती शासकों की तरह जेल के सींकचों में बंद होना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान तोशखाना केस में दोषी करार दिए गए। उन्हें तीन साल की सजा हुई। हुसैन सुहरावर्दी, जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनजीर, परवेज मुशर्रफ ,नवाज शरीफ, शाहिद खाकान अब्बासी आदि की कहानी ज्यादा पुरानी नहीं है जिन्होंने पहले निर्बाद रूप से पाक पर शासन किया और फिर जेल जाना पड़ा। 1956 से 1957 तक पाकिस्तान के पांचवें प्रधानमंत्री हुसैन सुहरावर्दी को 1962 में गिरफ्तार किया गया था, जब उन्होंने 1958 में जनरल अयूब खान के तख्तापलट का समर्थन करने से मना कर दिया था। हुसैन को 1962 में पाकिस्तान सुरक्षा अधिनियम 1952 के तहत जेल में डाल दिया गया। इसके साथ ही उन्हें पाकिस्तान में राजनीति में भाग लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया था। इसी तरह जुल्फिकार अली भुट्टो ने 1971 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति के रूप में जनरल याह्या खान की जगह ली थी।

उन्होंने 1973-1977 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके शासनकाल में पाकिस्तान ने भारत के साथ शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, उस समय इंदिरा गांधी भारत की प्रधानमंत्री थीं। लेकिन जुलाई 1977 में एक सैन्य तख्तापलट के माध्यम से जनरल जिया-उल-हक ने सत्ता हड़प ली। भुट्टो को एक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या की साजिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था।

सितंबर 1977 में रिहा तो किया गया लेकिन फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें अप्रैल 1979 में सेंट्रल जेल रावलपिंडी में फांसी दे दी गई। शाहिद खाकानअब्बासी, जिन्होंने 2017 से 2018 तक प्रधानमंत्री के रूप में नवाज शरीफ की जगह ली थी, उनको भी कथित भ्रष्टाचार के लिए जनवरी 2019 में 12-सदस्यीय राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की टीम ने गिरफ्तार किया था। 2001 से 2007 तक पाक के प्रधानमंत्री परवेज मुशर्रफ को भी सत्ताच्युत कर देश से निर्वासित गया था। पाकिस्तान के पूर्व तानाशाह परवेज मुशर्रफ का संयुक्त अरब अमीरात में निधन हो गया। मुर्शरफ के खिलाफ पाकिस्तान में कई मुकदमें चल रहे थे और इसी वजह से वह दुबई में निर्वासन में जी रहे थे। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के साथ भी कुछ ऐसा ही हश्र हुआ था। अप्रैल 2018 में पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने नवाज शरीफ को आजीवन सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित कर दिया था।

1988 और 1990 के बीच 2 बार और फिर 1993 से 1996 तक पीएम बनने से पहले जुल्फिकार अली भुट्टो की बेटी बेनजीर भुट्टो को कई गिरफ्तारियों और जेल में कई शर्तों का सामना भी करना पड़ा था। 2007 में एक आत्मघाती हमलावर ने बेनजीर की हत्या कर दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह हत्या पाकिस्तानी तालिबान और अलकायदा के इशारे पर की गई थी। पाक अपना इतिहास दोहरा रहा है। अब इमरान खान को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया है। असल में पाक में लोकतंत्र का दिखावा मात्र है वहां असली शासन की बागडोर सेना के हाथ में है। जो व्यक्ति सेना की हुक्म उदूली करेगा उसे सत्ता से हटना ही होगा।

**-बाल मुकुन्द ओझा,**
**वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार**

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

### बुधवार 21 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र सायं 6:58 तक, वैधृति योग रात्रि 12:34 तक, तैतिल सायं 4:04 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 3:22 से सूर्योदय तक है। आज वैधृति पुण्य, पंचक है। आज राजीव गांधी पुण्य दिवस है।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** लाभ अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:42 से 12:23 तक, चर 3:45 से 5:25 तक, लाभ 5:25 से सूर्यास्त तक।

**राहूकालः** 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:06

**मेष**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

**वृष**
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**मिथुन**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

**सिंह**
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

**कन्या**
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**वृश्चिक**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

**धनु**
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

**मकर**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

**कुंभ**
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा।

**मीन**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

## सार-समाचार

### बारदाना गोदाम में लगी आग

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** रीको औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को एक बडी आगजनी की घटना सामने आई। हनुमान प्रसाद के बारदाना गोदाम में अचानक आग लग गई। आग का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। गोदाम से उठते धुएं को देखकर आसपास के लोगों ने गोदाम मालिक और दमकल विभाग को सूचना दी। करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची दमकल को आग बुझाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पडा। गोदाम का दरवाजा बंद होने के कारण आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण हो गया। गर्मी के मौसम में आग ने इतना तीव्र रूप लिया कि गोदाम की दीवारें चटक गईं और कुछ हिस्से गिर गए। गोदाम के ऊपर रखी तीन सेट की छत का भी काफी हिस्सा नीचे गिर गया। आग की तीव्रता को देखते हुए दो और दमकलों को बुलाना पडा। नगर परिषद की तीन दमकलों ने लगभग तीन घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। दोपहर 12 बजे तक दमकल कर्मी मौके पर डटे रहे। इस घटना में लाखों रुपए का बारदाना जलकर राख हो गया। हालांकि आग बुझने के बाद भी कुछ देर तक बारदाने से धुआं निकलता रहा।

### सड़क हादसे में एक की मौत

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** रीको औद्योगिक क्षेत्र के पास बायपास पर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सडक किनारे खडे दो बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई और दूसरे को मामूली चोट आई है। बुधवार सुबह 9 बजे रीको औद्योगिक क्षेत्र के पास बायपास पर गोपाल सैनी (60) अपने साथी बल्लू के साथ छावा गांव से बाइक पर आ रहा था। रीको औद्योगिक क्षेत्र के पास बायपास पर बल्लू ने बाइक रोक दी। दोनों बाइक के पास खडे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उन्हें टक्कर मार दी। गोपाल सैनी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पीछा किया, लेकिन वह पकड में नहीं आया। घायल गोपाल सैनी को निजी वाहन से गंगापुर सिटी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन, रिश्तेदार और समाज के लोग अस्पताल पहुंचे। पुलिस की समझाइश के बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

### अभाविप ने बांधे परिण्डे

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पक्षियों के लिए विशेष पहल की है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए हैं। अभियान की शुरुआत कर्मचारी कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर से हुई। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित ने परिंडा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, धर्मशाला, अस्पताल, कॉलेज प्रांगण, थाना और कोर्ट-कचहरी में परिंडे स्थापित किए। नरूका पेट्रोल पंप पर दीपक नरूका ने परिंडे लगाए। मोक्षधाम ईदगाह मोड पर नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल ने परिंडे लगाए और कार्यकर्ताओं को पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था के निर्देश दिए। कार्यक्रम में एबीवीपी के जिला संयोजक मनोज सैनी, पूर्व प्रांत सह संयोजक सीताराम गुर्जर, नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभापति शिवरतन अग्रवाल ने कहा कि गर्मी में पशु-पक्षियों को दाना-पानी मिलना मुश्किल होता है, इसलिए यह व्यवस्था की गई है।

# भरतपुर में पट्टे नहीं मिलने से नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन

**भरतपुर, (निसं)।** भरतपुर शहर के कच्चे डण्डे के पट्टों की पत्रावलियो के सहायक नगर नियोजक (ए.टी.पी.) द्वारा लम्बे समय से नक्शे नहीं बनाये जाने के विरोध में संघर्ष समिति के संयोजक जगराम धाकड के नेतृत्व में सैंकडों महिला एवं पुरूषों ने नगर निगम कार्यालय पहुँचकर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध नारेबाजी कर विरोध प्रदर्षन किया और एक ज्ञापन नगर निगम आयुक्त भरतपुर को देकर मांग की गई कि लापरवाह अधिकारी के खिलाफ अनुषासनात्मक कार्यवाही कर षीघ्रातिशषीघ्र पट्टे की पत्रावलियों के नक्षा बनवाकर पट्टे देने की प्रक्रिया को चालू किया जाये।

विरोध प्रदर्षन में कच्चे डण्डे के सैंकडों महिला एवं पुरूषों ने भाग लेकर

पट्टे नहीं मिलने से नाराज लोगों ने संघर्ष समिति के संयोजक जगराम धाकड़ व इन्द्रजीत भारद्धाज के नगर निगम के समक्ष प्रदर्शन कर आयुक्त को ज्ञापन दिया।

- **नगर निगम आयुक्त ने दिया आश्वासन, 8 दिन बाद कलेक्ट्रेट के सामने धरने की दी चेतावनी**

ए.टी.पी. के विरूद्ध जबरदस्त नारेबाजी की तथा संघर्ष समिति की ओर से आयुक्त नगर निगम भरतपुर को दिये गये ज्ञापन में अवगत कराया कि राजस्थान सरकार व नगर प्रषासन कच्चे डण्डे वालों को पट्टे तो देना चाहते हैं, पर जिसके परिणामस्वरूप निगम स्तर पर लगभग 150 पट्टे तैयार भी किये जा चुके हैं, लेकिन निगम में कार्यरत सहायक नगर नियोजक (ए.टी.पी.) द्वारा सैंकडों की तादाद में पेंडिंग पडी पत्रावलियों के नक्षे तैयार नहीं किये जा रहे हैं, जिसके चलते कच्चे डण्डे पर रहने वाले सैंकडों गरीब मजदूर तबके के लोगों को दर-दर की ठोकरें खानी पड रही हैं। ज्ञापन में सहायक नगर नियोजक (ए.टी.पी.) की कार्यषैली को लेकर कच्चे डण्डे पर निवास करने वाले लोगों में गहरा रोष व्याप्त है, जिसके चलते ऐसे अधिकारी के साथ अनुषासनात्मक कार्यवाही की जावे। दिये गये ज्ञापन में संघर्ष समिति ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि आगामी सात दिवसों में पेंडिंग पत्रावलियों के नक्षे नहीं बनाये गये तो संघर्ष समिति के द्वारा जिला कलैक्ट्रेट के सामने धरना देकर आक्रोष व विरोध प्रकट किया जायेगा। आयुक्त श्रवण कुमार विष्नोई ने प्रतिनिधि मण्डल से ज्ञापन लेने के उपरान्त आश्वासन दिया कि आगामी शुक्रवार तक सभी पेंडिंग पत्रावलियों के नक्षे बनवाकर तैयार पत्रावलियों के पट्टों का वितरण कर दिया जायेगा। नक्षे बनाने में देरी न हो, इस पर शीघ्र कार्यवाही की जायेगी। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व नेता प्रतिपक्ष इन्द्रजीत भारद्धाज, श्रीराम चन्देला, डा. मुकेष भारतीय, नरेष शर्मा, शागमल वर्मा, ओमप्रकाष मिश्रा, मिश्रीलाल, दीपक सिंह जघीना गेट, मानसिंह सागर, श्रीपथ शर्मा, जगदीष खण्डेलवाल, दीना पंडित, मानसिंह गुर्जर, अषोक कुमार कर्दम, कृष्ण कष्यप, बालकृष्ण कष्यप, श्यामो देवी, रामवती, प्रेमवती, यषोदा, गीता, माया देवी, नसीर खां, वसीर खां आदि सैंकडों महिला एवं पुरूषों ने भाग लिया।

# गंगापुर विधानसभा क्षेत्र में होगा सड़कों का निर्माण

- **गंगापुर सिटी विधानसभा क्षेत्र में करीब 10 करोड की लागत से 27.90 किलोमीटर लंबी सात सडकों का निर्माण करने की मंजूरी दी**
- **भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को पत्र सौंप कर सड़क निर्माण का आग्रह किया था**

**गंगापुर सिटी, (निसं)।** सरकार की ओर से गंगापुर सिटी विधानसभा क्षेत्र में करीब 10 करोड की लागत से 27.90 किलोमीटर लंबी सात सडकों का निर्माण करने की मंजूरी दी गई है। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सडकों के निर्माण के लिए 10-10 करोड रुपए की स्वीकृति जारी की।

भाजपा जिलाध्यक्ष व विधानसभा प्रत्याशी पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर कि अभिशंसा पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से विधानसभा क्षेत्र के मोतीपुरा से हबीबपुर (एन एच 11 बी से बामन बडौदा नौगांव अपटू एस एच 1 ए )3.00 किमी लंबी सडक के निर्माण , महानंदपुर डोडाय सीनियर सेकेंडरी स्कूल से एन एच 25 से एन एच 11 बी) 2.35 किमी सडक निर्माण, नागडी गुआडी से खेडाबाड रामगढ 4.30 किमी सडक निर्माण, खिदरपुर से छोटी उदेई रेलवे स्टेशन बाया कारेड 2.25 किमी, सालौदा-पीलोदा-बगलाई अपटू नादोती रोड (गंगापुर सिटी) चैनेज 11/640 से 11/990 0.35 किमी, एन एच 11 बी से बामन बडौदा नौगांव अपटू एस एच-1 ए चैनेज 0/0 से 3/800,4/900 से 5/800 4.50किमी, संपर्क सडक भालपुर 0/0 से 2/0 2.00 किमी, संपर्क सडक आस्ट्रोली 0/0 से 1/050 1.05 किमी सडक निर्माण, खंडीप रेंडायल रोड किमी 3/500 से मोहचा का पुरा बायां मूलचंद की ढाणी किमी 0/0 से 2/650 2.65 किमी सडक निर्माण, संपर्क सडक सुंदरपुर किमी 0/0 से 0/450 0.45 किमी सडक निर्माण, संपर्क सडक छकडा 1.70 किमी सडक निर्माण,कुल 27.90 किमी, 10 करोड रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। गत दिनों उन्होंने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को भी इस संबंध में पत्र सौंप कर सडकों का निर्माण करने का आग्रह किया था। भाजपा की पंचायत समिति प्रधान मंजू गुर्जर, नगर परिषद सभापति शिवरतन अग्रवाल सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से अब सडकों के विकास की दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। जिससे आगामी दिनों में विधानसभा क्षेत्र की सडकों का कायाकल्प होता नजर आएगा।

# अन्तर्राष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

**भुसावर/भरतपुर, (निसं)।** कृषि महाविद्यालय भुसावर मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि किसी भी कार्यस्थल की उत्पादकता उसके कर्मचारियों पर निर्भर करती है, इसलिए कार्यालय का माहौल और व्यवस्थाऐं कर्मचारियों के अनुकूल होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने की शुरूआत स्कूल व कॉलेज से होती है। लेकिन भारत में स्कूल व कॉलेज तो हैं लेकिन उनमें आधुनिक तकनीकी युग के अनुसार कुशल प्रोफेशनल तैयार करने की सुविधायें नही हैं। हमें बच्चों की शैक्षिक अवस्था से ही उन्हें उद्यमी, खिलाडी, कला और उनकी अन्य रूचि के अनुसार वातावरण एवं सुविधाऐं देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हमें खेती के आमूल-चूल परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। इसके लिए बेहतर मानव संसाधन

भुसावर में कृषि महाविद्यालय भुसावर मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

तैयार करने हेतु किसान, वैज्ञानिक एवं नीति निर्माताओं को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि किसी भी कार्यस्थल पर अधिकारी व कर्मचारियों के बेहतर तालमेल से काम करने से वहॉ की उत्पादकता बढती है।

डॉ. राहुल कुमार ने कहा कि हमारे देश में ज्यादातर कार्यस्थलों को महिला व दिव्यांगों की सुविधाओं के अनुरूप नही बनाया गया है। इस क्षेत्र में काफी काम करने की जरूरत है। इस अवसर पर भानूप्रिया पंकज, गीता गवारिया, राजेन्द्र सिंह सहित समस्त कॉलेज स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

## परामर्श शिविर का आयोजन

**भरतपुर, (निसं)।** महर्षि अरविंद संस्था भरतपुर द्वारा कल्याणं करोति आई इंस्टीट्यूट मथुरा के सहयोग से मंगलवार को निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्ष षिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 190 रोगियों की जांच की गई तथा निषुल्क दवा वितरण की गई।

इस मौके पर जरूरतमंदों को चिंहित कर मथुरा में निशुल्क आपरेशन किया जायेगा। शिविर का उद्घाटन भाजपा नेता अरविंद पाल सिंह, धीरेन्द्र पाल सिंह, अनुराग तमरोली ने किया। इस मौके पर कल्याण करोति आई इंस्टीटयूट मथुरा के डौक्टर सुमित कुमार ने कहा कि गर्मी के मौसम में अक्सर खुजली होने, पानी आने की षिकायत हो जाती है इसके लिए सनग्लास/काला चष्मा लगाना चाहिये। आंखों को सूर्य की किरणों के संपर्क में सीधा नहीं ओने दें। ठंडे पानी से आंखों पर छीटें मारें। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आंखों का आपरेशन कराया जा सकता है क्योंकि अब आपरेषन लेजर से होते हैं। इस मौके पर कृष्ण कुमार ठाकुर, सुमित, विष्णु ठाकुर, शुभम सक्सैना, भूमि ,शुभम सक्सैना, सचिन सारस्वत आदि मौजूद रहे।

## शिविर शुरू

**भरतपुर, (निस)।** पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में पंतजलि योग समिति भरतपुर के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय 20 दिवसीय सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं मुख्य संयोजक वीरीसिंह कुंतल के नेतृत्व में विश्वप्रिय शास्त्री पार्क भरतपुर में वैदिक मंत्रों के साथ प्रातः 5 से 7 बजे तक शुभारम्भ करवाया गया। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया का कार्य पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी गंगो सिंह के द्वारा किया गया। मुख्य संयोजक कुंतल ने बताया कि शिविर के प्रथम दिन योग के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए 8 प्राणायाम में भस्त्रिका, कपाल भांकित, अनलोक विलोम, भ्रामरी, ब्राह्यी प्राणायाम आदि कराये गये।

# राधानगर मोहल्ले में तीन महीने से नहीं आ रहा पानी

**भरतपुर, (निसं)।** भरतपुर के गोलपुरा रोड स्थित राधानगर मोहल्ले के लोग बीते तीन महीनों से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मोहल्ले में जलदाय विभाग की ओर से पाइपलाइन तो बिछी हुई है और अधिकतर घरों में वैध कनेक्शन भी लिए हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद नियमित जल आपूर्ति पूरी तरह ठप है।

स्थानीय निवासी नीलम ने बताया कि पानी की सप्लाई नहीं होने के कारण उन्हें प्रतिदिन बाहर से पानी मंगवाना पड रहा है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों से मिलकर शिकायत भी की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर बात टाल दी जाती है। स्थिति यह हो गई है कि गर्मी के इस मौसम में लोगों को पीने के पानी तक के लिए संघर्ष करना पड रहा है। मोहल्ले के लोगों ने जिला कलक्टर भरतपुर को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें मांग की गई है कि जलदाय विभाग को निर्देशित कर राधानगर मोहल्ले की पेयजल आपूर्ति को जल्द से जल्द सुचारू रूप से चालू करवाया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर त्वरित संज्ञान लेने की अपील की है। ज्ञापन देने वालों हरदेई, पींकी, बबली, चन्दा, सुनीता, अर्चना, केलादेवी, नीलम सिंह आदि स्थानीय लोग मौजूद रहे।

# अवैध खनन बेलगाम

**बयाना/भरतपुर, (निसं)।** बयाना और रूपवास उपखंड क्षेत्रों में अवैध खनन बेलगाम होता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट आदेशों और सख्त मंशा के बावजूद पत्थरों की काली कमाई का यह कारोबार बेधडक जारी है। रात्रि के अंधेरे में ट्रकों के काफिले प्रशासन और पुलिस की नाक के नीचे से गुजरते हैं और खनन माफिया पहाड़ों को दिन-ब-दिन खोखला कर रहे हैं।

बंशी पहाड़पुर और बंध बरैठा के पहाड़ों में इन दिनों जेसीबी मशीनें और हथौड़े दिन-रात गरज रहे हैं। पहाड़ों से निकाले जा रहे बड़े-बड़े पत्थर ट्रकों में लादे जाते हैं और उन्हें रुदावल, खेरिया मोड़ होते हुए ब्रह्मबाद मार्ग से बयाना के रीको औद्योगिक क्षेत्र तक पहुँचाया जाता है। यह सब कुछ रात के अंधेरे में किया जाता है ताकि किसी भी निगरानी से बचा जा सके। स्थानीय लोगों के अनुसार, खनन सामग्री से भरे ट्रक रुदावल थाना, खेरिया मोड़ चौकी और बयाना थाना के सामने से रोजाना गुजरते हैं। लेकिन न कोई ट्रक रोका जाता है, न किसी पर कार्रवाई होती है। यहां तक कि वन विभाग का कार्यालय भी पास में ही स्थित है, परंतु अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि खनन माफिया और पुलिस-वन विभाग के अधिकारियों के बीच मिलीभगत है। बिना संरक्षण के इतने बड़े पैमाने पर अवैध खनन संभव नहीं। ष्हर रात ट्रकों की आवाजाही होती है, लेकिन किसी को कुछ नजर नहीं आता। क्या इतने अंधे हैं प्रशासनिक अधिकारी। यह सवाल अब आमजन के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में स्पष्ट आदेश जारी किए थे कि अवैध खनन पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा था, कार्मिक राज्यहित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता। अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्यालय स्तर पर संयुक्त टीम बनाकर औचक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, भरतपुर में स्थिति जस की तस बनी हुई है।

भाजपा के पूर्व विधायक ग्यासाराम कोली ने कहा,यह बेहद चिंताजनक है कि मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद भी खनन माफिया खुलेआम सक्रिय हैं। पुलिस और वन विभाग की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। यदि सरकार ने समय रहते सख्ती नहीं दिखाई, तो पर्यावरणीय और सामाजिक संकट गहराना तय है। जानकारों का कहना है कि इस अवैध खनन से क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। पहाड़ों की लगातार खुदाई से मिट्टी का कटाव और भू-क्षरण हो रहा है। भूजल स्तर गिरने की आशंका गहराती जा रही है। वहीं वन्यजीवों का आवास क्षेत्र भी प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीण बताते हैं कि सिंचाई के लिए अब खेतों में पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।क्षेत्र की जनता अब खुलकर सवाल उठा रही है। लोग कह रहे हैं कि जब मुख्यमंत्री के आदेशों को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे, तो आमजन की कौन सुनेगा? लोगों ने उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा है कि माफिया और सरकारी तंत्र के गठजोड़ को तोडे बिना यह सिलसिला नहीं रुकेगा। हाल ही में राज्य स्तर पर हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ निर्देश दिए कि अवैध खनन को रोकने के लिए आकस्मिक संयुक्त अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो।

सरकार के अनुसार, मुख्यालय स्तर पर टीमें गठित की जा रही हैं जो जिले-दर-जिले दौरा कर खनन गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करेंगी। अब बड़ा सवाल यही है कि क्या राज्य सरकार की चेतावनियों के बाद प्रशासन हरकत में आएगा? क्या बयाना-रूपवास क्षेत्र में जारी अवैध खनन पर अंकुश लगेगा? क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या फिर यह आदेश भी केवल कागजों तक ही सिमट कर रह जाएंगे?बयाना और रूपवास क्षेत्र में अवैध खनन अब सिर्फ कानून व्यवस्था की नहीं, बल्कि पर्यावरण, प्रशासनिक ईमानदारी और शासन की साख की भी परीक्षा बन चुका है। राज्य सरकार को चाहिए कि वह बिना किसी दबाव के दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए।

# कुरीतियों के निवारण के लिए जनसम्पर्क अभियान चलाया जायेगा : कुन्तल

**भरतपुर, (निसं)।** जिला जाट महासभा की बैठक महासभा कार्यालय "जाट हवेली" सारस पर जिलाध्यक्ष डॉ. प्रेमसिंह कुन्तल की अध्यक्षता में तथा अखिल भारतवर्षीय जाट महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामन्त्री इतिहासकार रामवीर सिंह वर्मा के मुख्य आतिथ्य मे हुई, जिसमें जिले भर की प्रमुख जाट सरदारी ने भाग लिया।

बैठक में भारतीय सेना द्वारा ऑपरेषन सिन्दूर के तहत अनुपमशौर्य, पराक्रम, वीरता का प्रदर्षन कर पाकिस्तान को पराजित कर भारत का नाम रौषन करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये वीर शहीद सैनिकों के सम्मान में दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इतिहासकार रामवीर सिंह वर्मा ने बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये कहा कि बजट घोषणा के अनुसार भरतपुर में अमर शहीद वीर गोकुला जाट एवं हिन्दू धर्म रक्षक खैमकरण सोगरिया का पेनोरमा बनना था, बैठक में निर्णय लिया गया कि जून के प्रथम सप्ताह में जाट महासभा का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री से मिलकर कार्यवाही कराने का अनुरोध करेगा। वर्मा ने भरतपुर जिले की पुरातात्विक एतिहासिक राष्ट्रीय धरोहर के उचित

भरतपुर में जिला जाट महासभा की बैठक जिलाध्यक्ष डॉ. प्रेमसिंह कुन्तल की अध्यक्षता में हुई।

देखभाल न होने व अतिक्रमण होने पर चिन्ता व्यक्त की।

जिला जाट महासभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसिंह कुन्तल ने बैठक में लिये गये निर्णयों की जानकारी देते हुये बताया कि संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के लिये जिला व तहसीलों की कार्यकारिणीयों का पुर्नगठन किया जायेगा। समाज में व्याप्त कुरीतियों के निवारण हेतु सघन जन सम्पर्क अभियान चलाया जायेगा। अध्यक्ष डॉ. कुन्तल ने बताया कि मानसून आने पर जाट महासभा के पदाधिकारियों ने पाँच सौ वृक्ष लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। बैठक में सामाजिक उत्थान के कार्यक्रमों को प्रमुखता से किया जायेगा। बैठक को साहित्यकार नरेन्द्र निर्मल कवि एवं ष्याम सिंह मधुर जघीना ने वीररस की देषभक्ति पूर्ण कविता प्रस्तुत कर वातावरण को रोमांचित कर दिया। बैठक को प्रदेष उपाध्यक्ष साहब सिंह एडवोकेट, प्रदेष महामंत्री राकेष फौजदार, मोहनसिंह करकला, रघुवीर सिंह सिनसिनी, जगवीर सिंह, ठेकेदार जघीना, देवेन्द्र सिंह सिनसिनवार, साहित्यकार श्याम सिंह जघीना, नरेन्द्र निर्मल कवि, मनुदेव सिनसिनी, कमल इन्दोलिया, राघवेन्द्र सिंह, थानसिंह जटमासी, प्रेमसिंह, चौब सिंह फौजदार, षिक्षाविद् सुभाष कुन्तल, उमेष कुन्तल, गजेन्द्र सिंह डागुर, रामफूल सिंह, नाहर सिंह, हरवीर सिंह, राजवीर चाहर, हिमांषू कुन्तल, सहित अनेक जाट सरदारी के लोगों ने सम्बोधित किया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री गोविन्द सिंह भगौर ने किया। तथा आभार डॉ. प्रेम सिह कुन्तल ने व्यक्त किया।

**कार्यालय ग्राम पंचायत जहांगीरपुर, पंचायत समिति करौली, जिला करौली**

क्रमांक: Spl-8 ई-निविदा सूचना 01/2025-2026 दिनांक: 20.05.2025

ग्राम पंचायत गेरई, पं.स. करौली की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु वाणिज्यूक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों/सप्लायर्स/ इच्छुक बोनाफाइड विनिर्माता/थोक विक्रेता/प्राधिकृत डीलर/सोल विक्रेता/विपणन एजेन्टो से दिनांक 31.03.2026 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://.sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती हैं।

प्रशासक, ग्राम पंचायत जहांगीरपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत जहांगीरपुर

**कार्यालय ग्राम पंचायत गेरई, पंचायत समिति करौली, जिला करौली**

क्रमांक: Spl-8 ई-निविदा सूचना 01/2025-2026 दिनांक: 20.05.2025

ग्राम पंचायत गेरई, पं.स. करौली की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति/उपकरण व्यवस्था हेतु वाणिज्यूक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों/सप्लायर्स/ इच्छुक बोनाफाइड विनिर्माता/थोक विक्रेता/प्राधिकृत डीलर/सोल विक्रेता/विपणन एजेन्टो से दिनांक 31.03.2026 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://.sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय पर देखी जा सकती हैं।

प्रशासक, ग्राम पंचायत गेरई — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गेरई

**PANCHAYAT SAMITI MASALPUR**

Dispatch No.-PS/Acc./2025-26/94 Date. 12/05/2025

**E-Notice Inviting Bid No. 10/2025-26**

Bids for Annual Rate contract for Drilling of Hand pump/tube well bore & installation in various Gram Panchayat area of panchayat samiti Masalpur district karauli are invited from interested bidders upto 29.05.2025 Time 6:00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 80.00 Lacs

UBN NO:- ZKR2526A0078

NIB CODE:- ZKR2526GLRC00101

**Block Development officer**
**Panchayat samite Masalpur**

**कार्यालय अधीक्षण अभियंता एंव पदेन परियोजना प्रबंधक वाटरशैड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद, करौली**

क्रमांक: 351-58 दिनांक: 16.05.2025

**निविदा सूचना**

राजस्थान के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से सम्बन्धित अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय के कार्य क्षेत्र में वित्तिय वर्ष 2025-26 के लिए दिनांक 22.05.2025 को दोपहर को दोपहर 12.00 बजे तक मोहर बंद निविदाऐं पंजिकृत फर्मों/ठेकेदारो से आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक को तत्पश्चात गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। है। निविदा कोड WSC2526A0137 के अन्तर्गत UBN No WSC2526SSRC00247, के बिड़ दस्तावेज https://.sppp.raj.nic.in से दिनांक 16.05.2025 से दिनांक 22.05.2025 तक डाउनलोड/अपलोड किये जा कर दिनांक 22.05.2025 को दोपहर 2.00 बजे खोले जावेगे।

**अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक**
**वाटरशैड सेल कम डाटा सेन्टर, करौली**

**OFFICE OF GRAM PANCHAYAT REWAI, PANCHYAT SAMITI HINDAUN KARAULI**

No.-136 Date:- 20-05-2025

**Auction Notice Of Abadi Land**

It is informed to the general public that the Gram Panchayat Rewai has decided to sell the vacant plots presently present in the Abadi land Khasra number 1049/363 situated in revenue village Pattinarayanpur of Gram Panchayat Revai through auction. The auction proceedings of which are proposed to be done by Gram Panchayat Revai on the date 28-05-2025 at the Gram Panchayat headquar ters. According to the above, the map of the plots proposed for auction proceedings can be viewed by appearing at the Gram Panchayat Headquarters on any working day. Therefore, interested applicants can submit their application along with details to Gram Panchayat Revai before the auction date. The details and terms and conditions of the auction proceedings are as follows:-

1- The applicant can obtain the details of the vacant plot for which he wants to apply in the land of the above mentioned Khasra number from the Gram Panchayat office on any working day.
2- No plot of land proposed for sale will be allotted at a price lower than the currently prevailing market rate (Current DLC Rate).
3- The applicant, who wishes to apply for a vacant plot in the land of the above mentioned Khasra number, will have to submit a demand draft of 2% of the proposed value of the plot at the present charged DLC rate for the total area along with the application in the name of Gram Panchayat Revai.
4- Applicants willing to purchase the plots proposed for sale in the said land should submit their applications to the Gram Panchayat before the auction date- 28-05-2025
5- The Gram Panchayat shall have the right to postpone/cancel the said auction proceedings at any stage without assigning any reasons.
6- Other terms and conditions can be obtained from the

**Village Dovlopment Officer, Gram Panchyat Rewai** — **Sarpanch, Gram Panchya Rewai**

# बीकानेर में पीएम मोदी की सभा में करीब एक लाख लोगों के आने की संभावना

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि सभा में एक लाख के करीब लोग शामिल होंगे

**बीकानेर, (कासं)।** ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार बीकानेर में आमसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही देशनोक सहित देशभर के सौ से ज्यादा रेलवे स्टेशनों के नवीनीकरण का लोकार्पण करेंगे। भारतीय जनता पार्टी संभाग कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि सभा में एक लाख के करीब लोग शामिल होंगे। राठौड़ ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैन्य बलों के शौर्य वीरता का परिचय देते हुए दुश्मन देश पाकिस्तान की धरती पर जो आतंकी कैंपों को ध्वस्त कर 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया, पाकिस्तान में गैर जिम्मेदाराना हरकत हुए हमारे नागरिकों को निशाना बनाने का असफल प्रयास किया। इस ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सैन्य बलों के साथ-साथ नागरिकों के जोश राष्ट्रीय भक्ति की भावना का जो परिचय दिया वह अपने आप में ऐतिहासिक है। सेना ने पाकिस्तान की 12 एयरबेस को तबाह किया। कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया जहां से आतंकी संगठनों को सहयोग, आतंकी गति विधियों का संचालन किया जाता था।

**भाजपा संभाग कार्यालय में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ व केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।**

- **ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार बीकानेर में आमसभा को संबोधित करेंगे**

ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाली मुस्लिम सैन्य अधिकारी पर मध्यप्रदेश के मंत्री द्वारा दिए गये विवादित बयान पर पूछे गये प्रश्न का गोलमोल जबाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा धर्म के आधार पर भेदभाव की अनुशासनहीनता का बर्दाश्त नहीं करती है। इस प्रकार की बयानबाजी पर पार्टी ने नाराजगी जताई है। हमने उनका सम्मान नहीं किया बल्कि प्रताड़ित किया। किन्तु उन्हें पद से नहीं हटाने पर जबाब देने से बचते दिखे। साथ ही तिरंगा यात्रा के दौरान जयपुर विधायक व बीकानेर विधायक द्वारा तिरंगे के अपमान पर बचाव करते नजर आए।

राठौड़ द्वारा स्थानीय विधायकों व कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होने पर पूछे सवाल का जबाब देते हुए डेढ़ साल में किये गये कार्यों का गुणगान जरूर किया पर इनकी सुनवाई नहीं होने पर संतोषजनक जबाब नहीं दे पाए। बीकानेर शहर व देहात कार्यकारिणी के गठन में हो रहे विलम्ब पर पार्टी संविधान का हवाला देते हुए जल्द गठन के संकेत दिए। फाइटर प्लेन पर राहुल गांधी के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि राहुल किसी विषय पर तैयारी ही नहीं करते।

डोटासरा के इस्तीफे पर राठौड़ ने कहा कि उनका व्यवहार कैसा है, किसी से छिपा नहीं है। वे सदन से बहिष्कृत किये जा चुके हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान किसान आयोग बोर्ड के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़, देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, संगठन प्रभारी दशरथ सिंह शेखावत, ओम सारस्वत, प्रदेश मंत्री विजेंद्र पूनिया, मनीष सोनी, मुकेश आचार्य, विक्रम सिंह राजपुरोहित, देवीलाल मेघवाल, पवन स्वामी आदि उपस्थित थे।

# कार और वैन की टक्कर में दो की मौत, पांच घायल

**पाली, (नि.सं.)।** पाली में बेकाबू अल्टो कार और वैन में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच जने घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह डैमेज हो गईं। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद वैन और कार में फंसे घायलों को निकालकर अस्पताल भिजवाया। हादसा रानी थाने के वारकाना इलाके के रानी-नाडोल रोड पर हुआ। हादसे में घायल बच्ची बिलखते हुए पानी मांगती रही।

रानी थाना प्रभारी पन्नालाल ने बताया कि वारकाना के पास मंगलवार दोपहर 12 बजे दो गाड़ियों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार जालोर के शंखवाली गांव निवासी रूप सिंह (50) और गुड़ा एंदला निवासी कूकाराम (60) की मौत हो गई। वहीं, राजू सिंह गंभीर घायल है, जिसे जोधपुर रेफर किया है। वैन सवार गुड़ा केसर सिंह निवासी देवी कंवर (50), उनका बेटा युगवीर (13), बेटी अक्षिता (10) और ड्राइवर वीराराम (50) घायल हो गए। उनका पाली के बांगड़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। कार में सवार चाचा-भतीजा रूप सिंह और राजू सिंह घर में धार्मिक आयोजन के लिए कूकाराम को लेने आए थे। तीनों जालोर की तरफ जा रहे थे। कूकाराम की मौत की सूचना मिलने पर उनके परिजन हॉस्पिटल पहुंचे।

# बच्ची से दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

**बीकानेर, (निसं)।** फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक परिवार की 10 साल की बच्ची से दो पड़ोसियों ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुक्ताप्रसाद थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि फैक्टरी में काम करने वाला श्रमिक परिवार थाना क्षेत्र में रहता है। पति-पत्नी काम पर चले जाते थे और 10 साल की बच्ची घर पर अकेली रहती थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले पश्चिम बंगाल निवासी नरेश प्रधान और रिंकू बर्मन बच्ची को डरा-धमकाकर उससे दुष्कर्म करते थे। मामले की जांच कर रहे सीओ सिटी श्रवणदास संत ने बताया कि अभियुक्त नरेश श्रमिकों को बंगाल से लाकर बीकानेर की फैक्ट्रियों में काम दिलाता है। पीड़िता के माता-पिता को भी फैक्टरी में मजदूरी पर लगवाया इसलिए उसका घर आना-जाना था।

# रोडवेज बस और ट्रेलर की भिड़ंत, 13 से अधिक लोग घायल

## सभी घायलों को एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया, तीन जनों की हालत गंभीर

**जोधपुर, (कासं)।** जोधपुर-नागौर हाइवे पर मंगलवार दोपहर एक रोडवेज बस और गलत दिशा में आए ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। हादसे में 13 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीन की स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

करवड़ पुलिस ने बताया कि दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब नागौर डिपो की बस गंगाराम प्याऊ इलाके में पहुंची थी, तभी सामने से रॉन्ग साइड में आ रहे ट्रेलर से टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर चालक शराब के नशे में था। डीसीपी (ईस्ट) आलोक श्रीवास्तव के निर्देशन में पुलिस ने क्रेन से वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। एमडीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित के नेतृत्व में मेडिकल टीम पहले से तैयार थी। घायलों में वीरेंद्र, जितेंद्र, इश्तियाक अहमद, यास्मीन, किस्तूर राम, झूमरू देवी, प्रियंका, जसोदा, नरेंद्र, भगवान राम, पप्पू देवी और पोकरराम सहित अन्य शामिल हैं। एमडीएमएच में भर्ती इश्तियाक अहमद ने बताया कि उनके परिवार के तीन सदस्य घायल हुए हैं, लेकिन अब खतरे से बाहर हैं। एक अन्य घायल जनू देवी, जो खींवसर से जोधपुर जा रही थी, के पैर में चोट आई है।

## सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत

**गुडामालानी, (नि.सं.)।** मुख्यालय के अहिंसा सर्किल मेगा हाइवे पर दर्दनाक सड़क हादसे में मां-बेटे की मौके पर मौत हो गई। वहीं पिता घायल हो गया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों शवों को गुडामालानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। अहिंसा सर्किल मेगा हाइवे पर मंगलवार सांय केसाराम पुत्र विरधाराम कलबी निवासी उद्दंडी जो अपनी पत्नी निर्मला देवी पुत्र मनमोहन के साथ मोटरसाइकिल पर गुडामालानी से अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान अहिंसा सर्किल से थोड़ा सीनियर विद्यालय के पास पीछे आ रहे ट्रेलर चालक ने तेजगति एवं लापरवाही से चलाते हुए मोटरसाइकिल के टक्कर मारी दी। जिसमें केसाराम कलबी के मामूली चोंट आई। वहीं निर्मला देवी, उसका सात वर्षीय पुत्र मनमोहन टायर के निचे आने से दोनों की मौत हो गई।

**पावटा : विराटनगर नगर पालिका क्षेत्र के भीमसेन पहाड़ी क्षेत्र में एक पैंथर के 20 फीट गहरे सूखे कुएं में गिरने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी वीरेंद्र सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम सतर्कता और सूझबूझ के साथ कार्य करते हुए कुएं में एक सीढ़ी, रस्सियों की मदद से उतरी, ताकि पैंथर स्वयं ऊपर चढ़ सके। करीब दो घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पैंथर सुरक्षित रूप से कुएं से बाहर निकल आया। उसे किसी प्रकार की चोट नहीं आई और वह पास के पहाड़ी वन क्षेत्र की ओर चला गया।**

# श्रीगंगानगर में 46.3, पिलानी में 45.9 डिग्री पहुंचा तापमान

## शेखावाटी में लगातार तीसरे दिन पिलानी सबसे गर्म रहा

**झुंझुनूं, (निसं)।** लगातार तीसरे दिन मंगलवार को भी झुंझुनूं का पिलानी शेखावाटी में सबसे गर्म जगह रही। सीकर और चूरू से ज्यादा तापमान पिलानी का रहा। वहीं पिछले दो दिन से पिलानी प्रदेश की भी सबसे गर्म जगह थी, लेकिन मंगलवार को श्रीगंगानगर में सबसे ज्यादा गर्मी रही। श्रीगंगानगर में तापमान 46.3 डिग्री दर्ज किया गया। जो पिलानी से प्वाइंट 4 डिग्री ही ज्यादा था। पिलानी में अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि सीकर में 42 तथा चूरू में 45.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

इससे पहले तीन दिन से पिलानी में लगातार दिन और रात, दोनों का तापमान बढ़ रहा था, जो अब थम गया। मंगलवार को ना केवल दिन का तापमान थोड़ा लुढका तो वहीं रात का तापमान में कोई परिवर्तन नहीं रहा। रात का तापमान मंगलवार को 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दो-तीन दिनों तक गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। नौतपा से पहले ही सूरज ने झुंझुनूं के लोगों को तपा दिया है।

- **सीकर में 42 तथा चूरू में 45.6 डिग्री तापमान दर्ज किया**

बढ़ती गर्मी के चलते आमजन के साथ-साथ मंदिरों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है। गर्मी से निजात पाने के लिए लोगों ने अपने तरीके अपनाए हैं, वहीं मंदिरों में भगवान की प्रतिमाओं को ठंडक पहुंचाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

# दादा की अस्थियां बहाने गए पांच भाई गंगा नदी में डूबे, दो की मौत

## दोनों भाइयों के शव कछला घाट से आठ किमी दूर झाड़ियों में फंसे मिले

**भरतपुर, (निसं)।** सोमवार सुबह गंगा नदी (यूपी) में डूबे दो भाइयों के शव कछला घाट से करीब आठ किलोमीटर दूर झाड़ियों में फंसे मिले। दोनों के शव बदायूं अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए हैं। पोस्टमार्टम के बाद उनके शवों को भरतपुर लाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार भरतपुर जिले में चिकसाना थाना इलाके के पीरनगर गांव से दोनों भाई अपने परिवार के साथ दादा की अस्थियां विसर्जन के लिए यूपी के सोरोंजी गए थे। वहां से जब वह बदायूं जिले में गंगा नदी के कछला घाट पर नहाने लिए गए तो परिवार के पांच भाई गंगा नदी में डूब गए, जिसमें से तीन को बचा लिया गया, लेकिन सुमित (17) पुत्र विजय सिंह और समीर (16) पुत्र रामवीर सिंह नदी में बह गए। 24 घंटे बाद मंगलवार सुबह दोनों के शव झाड़ियों में फंसे मिले।

- **जोर से चिल्लाने पर नाव चलाने वाले व्यक्ति ने तीन भाइयों को बचा लिया, दो नदी में डूब गये**
- **परिवार के 35 सदस्य ट्रैक्टर-ट्रॉली से दादा की अस्थियां विसर्जन के लिए यूपी के सोरोंजी गए थे**

मोनू ने बताया कि मैं और मेरे चाचा-ताऊ के चार बेटे गंगा नदी में नहाने के लिए गए थे। नहाने वाली जगह एक गड्ढा था, जिसमें हम पांचों भाई डूबने लगे। वहां पास से एक नाव जा रही थी, नाव चलाने वाले व्यक्ति ने जब हमें डूबते देखा तो वह नाव से कूदकर हमारे पास आया और उसने हम तीन भाइयों भोला, अमित और मुझे (मोनू) बचा लिया। वह हमें नदी किनारे छोड़कर वापस सुमित और समीर को बचाने के लिए गया, तो वहां पर वे दोनों नहीं मिले। मोनू ने बताया कि जब हम लोग डूब रहे थे तो, हमारे नाक और मुंह में पानी चला गया। हम पानी में हाथ-पैर मारते रहे, हम जोर से चिल्लाये तो, नाव वाला व्यक्ति हमें बचाने के लिए आया। हम पांचों भाई बेहोश हो गए, उसके बाद हमें कुछ याद नहीं है।

परिवार के सदस्य नवीन कुमार ने बताया कि 13 मई को हमारे बाबा अमर सिंह (90) का निधन हो गया था। रविवार को करीब 35 सदस्य ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी अस्थियां विसर्जन के लिए सोरोंजी गए थे। शाम के समय हम वहां पहुंच गए। शाम को सोरोंजी रुके और सोमवार सुबह अस्थि विसर्जन कर कछला घाट चले गए। वहां पर परिवार के सभी लोग नहा रहे थे। इस दौरान भोला (24), अमित (26), मोनू (18), सुमित (17), समीर (16) नहाने के लिए गहरे पानी में चले गए, वहां पांचों भाई डूबने लगे, जहां एक नाविक ने तीन भाइयों को बचा लिया, दो भाई नहीं मिले।

नवीन ने बताया कि घटना की सूचना वहां मौजूद पुलिस को दी गई। पुलिस ने सुमित और समीर को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सुबह दोनों के शव कछला पुल से करीब आठ किलोमीटर आगे झाड़ियों में फंसे मिले। फिलहाल उनके शवों को बदायूं अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम करवाकर उनके शवों को भरतपुर लाया जाएगा।

# झाड़ियों में युवती का लहूलुहान शव मिला

## युवती के हाथों में मेहंदी लगी हुई है, बाएं हाथ पर 'ॐ' का टैटू बना है

**उदयपुर, (कासं)।** उदयपुर में गोगुंदा थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक युवती का शव लहूलुहान अवस्था में खून से सना हुआ मिला। घटना का पता लगते ही गांव में सनसनी फैल गई।युवती का चेहरा इस कदर कुचला हुआ था कि उसके आंख, नाक और मुंह में गहरे घाव हैं। हाथ-पैर पर भी चोट के निशान थे।

जानकारी के अनुसार घटना जसवंतगढ़ स्थित आड़ी सड़क पावर हाउस के पास की है, जहां किसी ग्रामीण ने शव पड़ा हुआ देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गोगुंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। साथ ही एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम भी साक्ष्य जुटाने में लगी है।

- **युवती का चेहरा कुचलकर शिनाख्त मिटाने की कोशिश की गई थी**
- **एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम को साक्ष्य जुटाने के लिये बुलाया**
- **पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद खुलासा होगा**

दोनों हाथों में मेहंदी लगी थी और बाएं हाथ पर 'ॐ' का टैटू :-पुलिस के अनुसार युवती के दोनों हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। वहीं बाएं हाथ पर 'ॐ' का टैटू बना हुआ है। प्राथमिक जांच युवती की हत्या की आशंका जताई जा रही है। संभावना है कि अज्ञात बदमाशों ने किशोरी की बेरहमी से हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंका और पहचान छिपाने के इरादे से उसके चेहरे को पत्थरों से बुरी तरह कुचल दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गहनता से जांच के बाद पूरे मामले का खुलासा होगा।

गोगुंदा थाना अधिकारी श्यामसिंह ने बताया कि संभावना है कि युवती को किसी ने पत्थर से कुचलकर मारा है। मृतक की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवती की पहचान के लिए फोटो भेजकर कर आस-पास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगालनी शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती के शव को उदयपुर चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है।

गौरतलब है कि करीब एक साल पहले थाना क्षेत्र के भादवि गुड़ा के पास भी एक युवती का शव इसी तरह झाड़ियों में मिला था, जिसकी शिनाख्त आज तक नहीं हो सकी है। उस मामले को पुलिस ने देह व्यापार से जोड़कर जांच की थी। इधर ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में हाइवे के किनारे कई होटल संचालित हैं जहां अवैध रूप स देह व्यापार का धंधा चल रहा है। पुलिस को इस मामले में सख्त कदम उठाने चाहिए।

# ट्रांसफार्मर से भरे ट्रक में आग लगी, लाखों का नुकसान

**बीकानेर, (निसं)।** महाजन में एक्सप्रेस-वे राजमार्ग पर ट्रांसफार्मर से भरे ट्रक में लगी आग से लाखों का सामान जल गया। आग के बाद ट्रांसफार्मर सिर्फ लोहे के ढांचे रह गए।

महाजन थाना अधिकारी कश्यप सिंह ने बताया कि रात करीब साढ़े आठ बजे एक्सप्रेस-वे पर जैतपुर टोल प्लाजा से हनुमानगढ़ की तरफ एक ट्रक में आग लगने की सूचना मिली। सूचना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मिली सूचना से प्रथमदृश्य ट्रक पूर्व में यहीं पर खड़ा था, जिसमें अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। हालांकि दमकल के देरी से पहुंचने के कारण आग पर काबू करीब डेढ़ घंटे बाद पाया गया। फायर

- **डेढ़ घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड**

बिग्रेड को सूचना करने के बाद भी करीब एक घण्टे देरी से पहुंची। फायर बिग्रेड को सूरतगढ़ से बुलाया गया था, हालांकि इससे पहले सूरतगढ़ थर्मल स्टेशन पर फायर ब्रिगेड को सूचना की गई थी। समय रहते दमकल की व्यवस्था होती तो इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। पुलिस ने बताया कि ट्रक की छानबीन करने पर ट्रक में कोई व्यक्ति नहीं मिला और ना ही ट्रक के ड्राइवर व खलासी आसपास कहीं दिखाई दिए। उक्त ट्रक हरियाणा नंबर का बताया जा रहा है, जो पंजाब की तरफ से आ रहा था और बीकानेर की तरफ जा रहा था, जोकि वहां पर पूर्व में ही खड़ा था।


**RAJASTHAN STATE GANGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED**
(Centre of Excellence for Revenue Research & Analysis) तृतीय मंजिल, अरण्य भवन के पास, झालाना डूंगरी, जयपुर-302004
Tel: 0141-2740841, Fax: 0141-2740676, Email-ID : dgmpurchase.rsgsm@rajasthan.gov.in
NIB. No. RSGSM/GP/RC/2025-26/PUR/07 Dated :- 19/05/2025
**SHORT E-BIDS NOTICE**
Bids for gum paste are invited from interested bidders up to 6.00 p.m. of 02.06.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state.
UBN: GSM2526GLRC00018
Raj.Samwad/C/25/2599 Dy. General Manager (Purchase)

**कार्यालय नगर पालिका राजगढ़ (चूरू) (राज0)**
क्रमांक :— 1126 दिनांक :— 15.05.2025
**Notice Inviting Bid**
Bids for FIRM/CONT./COMPNY are invited from interested bidders upto 09:30 AM (time) 15-05-2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement in Rs 22.07 lacs

| NIB Code- | UBN Code- |
| --- | --- |
| DLB2526A1321 | DLB2526WSOB04831 |
| DLB2526A1322 | DLB2526SSOB04832 |

राज.संवाद/सी/25/2673 Executive Officer Municipal Board Rajgarh (Churu)

**अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर**
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/15385163 दिनांक :- 19/05/2025
**ई-निविदा सूचना संख्या 08/2025-26**
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से कार्य का नाम Supply, Assembly and installation of furniture at New office Building of ADA. राशि 236.00 लाख की ई-निविदा दिनांक 12.06.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http::/ /eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http::/ /sppp.raj.nic.in) http::/ /www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN No.: AJD2526GLOB00013
राज.संवाद/सी/25/2596 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान सरकार
**कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड द्वितीय, जयपुर**
सी-ब्लॉक, बेसमेन्ट, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005 (राज.).
क्रमांक:248 **ई-निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26** दिनांक:9-5-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत जयपुर खंड कार्यालय में 12 सिविल एवं 03 विद्युत कार्य हेतु कुल राशि रू. 680.15 लाख के उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष किसी भी श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org. www.sppp.raj.nic.in. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड द्वितीय, जयपुर
यू.बी.एन.न.- 1. MHS2526WSOB00920, 2. MHS2526WSOB00924, 3. MHS2526WSOB00927
4. MHS2526WSOB00928, 5. MHS2526WSOB00929, 6. MHS2526WSOB00931
7. MHS2526WSOB00932, 8. MHS2526WSOB00934, 9. MHS2526WSOB00935
10. MHS2526WSOB00936, 11. MHS2526WSOB00937, 12. MHS2526WSOB00939
13. MHS2526WSOB00941, 14. MHS2526WSOB00942, 15. MHS2526WSOB00943
DIPR/C/6353/2025 अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड द्वितीय, जयपुर

**राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड**
कार्यालय महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर अरावली भवन,संस्थानिक क्षेत्र झालाना डूंगरी जयपुर-302004
क्रमांक :- एफ3( )विकास/RSFDCLROJ/2025-26/ दिनांक :- 01/05/2025
**खुली बोली नीलामी सूचना (UBN Code : FOR2526WSOB00104)**
महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, जयपुर के क्षेत्राधीन प्रादेशिक वनमण्डल, जयपुर की रेंज फागी के वनखण्ड झाराना बीड के वृक्षारोपण क्षेत्र में मौजूद वनोपज प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा (विलायती बबूल) को जड़ सहित उन्मूलन हेतु दिनांक 21/05/2025 को 1.00 बजे तक खुली बोली नीलामी की जानी है। नीलामी की अनुमानित कीमत 100 लाख रूपये है। खुली बोली नीलामी से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्ते राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट sppp.raj.nic.in अथवा निगम की वेबसाईट http://forest.rajasthan.gov.in से देखे जा सकते है।
UBN : FOR2526WSOB00104
राज.संवाद/सी/25/2612 महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

**कार्यालय नगर पालिका मांगरोल, जिला-बारां (राज0)**
क्रमांक/न.पा.मा./2025/777 दिनांक 13.05.2025
**ई निविदा सूचना वर्ष 2025-26**
NIB CODE- DLB2526A1499
नगर पालिका मांगरोल द्वारा सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से 01 कार्यो की मोहरबन्द Online निविदा (तकनीकी व वित्तीय दो लिफाफा पद्धति) आमंत्रित की जाती हैं। निविदा Online दिनांक 21.05.2025 से 02.06.2025 तक प्राप्त कर दिनांक 03.06.2025 को खोली जावेगी। निविदा संबंधी विवरण का अवलोकन नगर पालिका मांगरोल कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखा जा सकता है।
कार्य का विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं एवं कार्य की Online निविदा http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्राप्त की जावेगी।

| क्र.सं. | UBN No. |
| --- | --- |
| 1 | DLB2526WSOB05276 |

राज.संवाद/सी/25/2618 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

**जयपुर विकास प्राधिकरण**
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/अ.अ.-7/093/2025-26/डी-369 दिनांक : 17.05.2025
**निविदा सूचना**
**निविदा सूचना सं. जविप्रा/अधि.अभि.-7/14/2025-26**
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "जविप्रा जोन-7 क्षेत्र में गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती में पम्पिंग स्टेशन का निर्माण कार्य जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. 149.18 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 28.05.2025 सांय 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 28.05.2025 को सांय 6.00 बजे तक हैं। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No.: JDA2526WSOB00168
निविदा में भाग लेने वालो को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी :-
1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।
राज.संवाद/सी/25/2679 अधिशाषी अभियन्ता-7

**कार्यालय नगर पालिका मण्डल, चाकसू**
क्रमांक न.पा.चा./विकास/2025/1092 दिनांकः 16.05.2025
**ई-निविदा सूचना संख्या 08/2025-26**
नगर पालिका चाकसू की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका चाकसू में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों एवं अन्य विभागो के संबंधित "A" "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajsthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

| S. No | UBN No. | S. No | UBN No. |
| --- | --- | --- | --- |
| 1 | DLB2526WSOB04969 | 12 | DLB2526WSOB04984 |
| 2 | DLB2526WSOB04971 | 13 | DLB2526WSOB04985 |
| 3 | DLB2526WSOB04972 | 14 | DLB2526WSOB04986 |
| 4 | DLB2526WSOB04973 | 15 | DLB2526WSOB04987 |
| 5 | DLB2526WSOB04974 | 16 | DLB2526WSOB04989 |
| 6 | DLB2526WSOB04976 | 17 | DLB2526WSOB04990 |
| 7 | DLB2526WSOB04977 | 18 | DLB2526WSOB04991 |
| 8 | DLB2526WSOB04978 | 19 | DLB2526WSOB04992 |
| 9 | DLB2526WSOB04980 | 20 | DLB2526WSOB04993 |
| 10 | DLB2526WSOB04981 | 21 | DLB2526WSOB04994 |
| 11 | DLB2526WSOB04982 | | |

राज.संवाद/सी/25/2622 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका चाकसू

# कोटपूतली में मकानों और दुकानों की नगर पालिका द्वारा बेतरतीब तोड़फोड़ करने पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

## न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने करीब 150 याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई पूर्ण की

**जयपुर**, (का.सं.)। कोटपूतली में करीब 150 मकानों-दुकानों व अन्य स्थाई निर्माणों पर नगर पालिका द्वारा उपयुक्त कानूनी प्रावधानों की पालना नहीं करते हुए तोड़फोड़ करने के मामले में सुनवाई हुई और सभी तथ्यों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित किया है। जैसा कि विदित है पिछली गहलोत सरकार के दौरान कोटपूतली में तत्कालीन नगर परिषद में हाईवे से जुड़े रास्ता जो अम्बेडकर स्कूल तक जाता था, इस सड़क मार्ग पर पर बने अस्थाई अतिक्रमण को हटाने के लिये नोटिस जारी किये थे। परंतु आमजन में प्रशासन में यह भय का माहौल तैयार किया था कि वह सड़क को 60 फीट तक चौड़ा करेगी और बीच में आने वाले मकानों और दुकानों को ध्वस्त करेगी।

हालांकि कई समृद्ध याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अंतरिम राहत पाई थी और नगर परिषद को आदेश पारित किये थे कि वह सड़क चौड़ी करने से पूर्व आपत्तियों की सुनवाई करेगी। अदालत से अंतरिम सुरक्षा मिलने के दौरान राज्य सरकार द्वारा नगर परिषद को नगर पालिका में परिवर्तित कर दिया गया।

इस मामले में जिन याचिकाकर्ताओं के मकान टूटे उनकी तीन श्रेणियां बनीं, पहला जिन्हें खेतड़ी महाराज से पट्टे प्राप्त थे, दूसरे वे जिन्हें नगर परिषद ने पट्टे जारी किये थे और तीसरे वे जिनके पास पट्टे नही थे।

- **याचिकाकर्ताओं का कहना था कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नगर पालिका ने सभी दुकानदार और मकान मालिकों से आपत्तियां नहीं सुनीं और ना ही इमारतों को तोड़ने से पूर्व कोई मुआवजा देने की बात की। कई याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नगर पालिका के अधिकारियों ने बैक डेटिड नोटिस देकर मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी**
- **याचिकाकर्ताओं का कहना है कि स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिये नगर परिषद ने कभी नोटिस जारी नहीं किये थे**

उल्लेखनीय है कि कई याचिकाकर्ताओं का कहना था कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नगर पालिका ने सभी दुकानदार और मकान मालिकों से आपत्तियां नहीं सुनीं और ना ही इमारतों को तोड़ने से पूर्व कोई मुआवजा देने की बात की। कई याचिकाकर्ताओं का कहना था कि नगर पालिका के अधिकारियों ने बैक डेटिड नोटिस देकर मकान तोड़ने की कार्रवाई शुरू की थी।

नगर पालिका की ओर से तर्क दिये कि उसने केवल अतिक्रमण कारियों के ही मकान तोड़े हैं और सड़क चौड़ा करने के लिये ही कार्रवाई की है। नगर पालिका की ओर से कहा गया है कि उन्होंने तोड़फोड़ करने से पूर्व सभी याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी किये थे। इस मामले में नगर पालिका की ओर से बहस में कहा गया था कि जिन याचिकाकर्ताओं को पट्टे जारी किये हैं, वे अवैध रूप से जारी किये हैं और जिन लोगों के पास पट्टे नहीं हैं वे अतिक्रमणकारी हैं। परंतु हैरानी की बात है कि नगर परिषद ने स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिये कभी नोटिस जारी नहीं किये थे। और मास्टर प्लान में बदलाव कर सड़क को चौड़ी करने के लिये और फिर अधिकारिक गजट में प्रकाशित करने के लिये कभी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की थी।

न्यायाधीश अनूप कुमार ढंढ ने इस मामले पर पूरी सुनवाई को सुना है और अपना अंतिम निर्णय सुरक्षित रखा है।

**राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को वर्ष प्रतिपदा पर प्रकाशित नववर्ष की डायरी भेंट की। राज्यपाल ने वर्ष प्रतिपदा पर प्रकाशित नव वर्ष डायरी की सराहना की। देवनानी और बागडे ने इस दौरान विभिन्न विषयों पर संवाद किया। उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।**

# काग़ज़ी क्रिकेट एकेडमी का शुभारंभ

**शिकारपुरा रोड, सांगानेर में मंगलवार को काग़ज़ी समाज द्वारा स्वमं की भूमि पर बनाया गया क्रिकेट ग्राउंड का शुभारंभ पूर्व उपमुख्यमंत्री, एआईसीसी के महासचिव व विधायक सचिन पायलट ने किया। इसके बाद उन्होंने मैदान में किक्रेट खेलने का आनंद लिया।**

**जयपुर**। शिकारपुरा रोड, सांगानेर में आज काग़ज़ी समाज द्वारा स्वेम की भूमि पर बनाया गया क्रिकेट ग्राउंड जिसका शुभारंभ पूर्व उपमुख्यमंत्री एआईसीसी के महासचिव व विधायक सचिन पायलट, किशनपोल विधायक अमीन काग़ज़ी, आरसीए के पूर्व उपाध्यक्ष अमीन पठान , इंडिया टीम के खिलाड़ी अनिकेत चौधरी द्वारा किया गया। पायलट ने बताया खेल हमें अनुशासन सिखाता है, खेल में खिलाड़ी की काबिलियत को छुपाया नहीं जा सकता। कागज़ी ने कहा क्रिकेट अकादमी हमारी इस यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगी और अपने समाज की और से आयोजकों का व समाज के सभी लोगो का धन्यवाद दिया।

पठान ने कहा एकेडमी के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय क्रिकेट प्रशिक्षण मिलेगा। इस कार्यक्रम में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, अजमेर क्रिकेट के पूर्व अध्यक्ष इलयास कुरैशी, अल्पसंख्यक वित्त आयोग के पूर्व सदस्य असरार कुरैशी सहित कई लोगो ने शिरकत की।

## नगरीय विकास कर जमा कराने के लिए लगेंगे नियमित शिविर

**जयपुर**। हेरिटेज निगम की नगरीय विकास कर समिति की बैठक मंगलवार को हेरिटेज निगम मुख्यालय में संपन्न हुई। इस दौरान समिति चेयरमैन प्रकाश चंद्र शर्मा ने समिति सदस्यों के साथ की बैठक की। बैठक में सचिव सुनील कुमार बैरवा ने समिति के सदस्यों के सामने विभिन्न एजेंडे रखे। इस दौरान चेयरमैन प्रकाश चंद्र शर्मा ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय विकास कर के बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएं। साथ ही नगरीय विकास कर जमा करने के लिए जोन स्तर पर कैंप आयोजित किए जाएं।

नगरीय विकास कर समिति चेयरमैन और सदस्य हर महीने रिव्यू करेंगे।

# कारोबारी के घर से 3 नौकर उड़ा ले गए 67 लाख, पुलिस पहुंची बिहार

**जयपुर**। बनीपार्क थाना इलाके में एक कारोबारी के घर से तीन नौकरों ने 67 लाख रुपए पार कर लिए। घटना का पता लगने पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। फरार नौकरों की तलाश में पुलिस की टीम बिहार सहित उनके संभावित स्थानों पर छापामारी कर रही है। मामले की जांच एएसआई मोहम्मद रफीक कर रहे है। बिहार गई टीम को जांच अधिकारी लीड कर रहे है।

थानाधिकारी बृजमोहन कविया ने बताया कि सिंधी कॉलोनी बनीपार्क निवासी मनीष चांदवानी कारोबार करता है। उसके घर पर तीन नौकर काम करते थे। इसमें स्वागतम, सुनील तूती और सिकंदर शामिल है। आरोपियों ने कारोबारी के घर से करीब 67 लाख रुपए पार कर लिए। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि यह राशि 8 से 14 मई के बीच निकाली गई है। रुपए पार करने के बाद आरोपी एक-एक कर घर से गायब हो गए। आरोपियों से पीड़ित ने सम्पर्क भी करने का प्रयास किया, लेकिन उनके नम्बर बंद आए। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **नौकरों के वेरिफिकेशन को लेकर की जाएगी जांच**
- **प्रॉपर्टी का हो सकता है पैसा**

थानाधिकारी ने बताया कि पीड़ित ने आरोपी नौकरों का वेरिफिकेशन करवाया था या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है। अगर उनका वेरिफिकेशन नहीं करवाया होगा तो मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल फरार नौकरों की तलाश में आधा दर्जन टीमों का गठन किया गया है जो कि नौकरों के संभावित स्थानों पर छापामारी कर रही है। पुलिस फरार नौकरों का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। इसके अलावा पीड़ित के घर और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जुटाई जा रही है ताकि साक्ष्य के रूप में काम में लिए जा सके।

थानाधिकारी ने बताया कि पीडित छोटा कारोबारी है। उसके पास इतना पैसा कहा से आया, यह भी जांच का विषय है। लेकिन प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि कारोबारी ने कोई प्रॉपर्टी बेची थी और यह राशि उसकी थी जो कि अलमारी में रखी थी। तीनों नौकर लम्बे समय से काम कर रहे थे। ऐसे में उन्हें हर बात की जानकारी थी। यह भी जानकारी ली जा रही है कि क्या फरार सभी नौकर पुराने है या नए भी है। हो सकता है कि इस अपराध को पूरी योजना बनाकर अंजाम दिया गया हो।

# प्रतिबंधित दवाइयों का भारी मात्रा में जखीरा पुलिस ने पकड़ा

**जयपुर**। सोडाला थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाईस गोदाम करतारपुरा रोड स्थित एक दुकान से प्रतिबंधित दवाइयों का भारी मात्रा में जखीरा पकड़ा है और 14 हजार 400 प्रतिबंधित गोलियां, 157 प्रतिबंधित शीशीयॉ, सफेद रंग का 3 हजार 911 ग्राम पाउडर एवं 944 ग्राम हल्के गुलाबी रंग का पाउडर बरामद किया गया है। वहीं फरार आरोपियों की तस्दीक कर उनकी तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) ललित शर्मा ने बताया कि अंकित ताम्बी निवासी सिरसी रोड गोविन्दपुरी जयपुर ने पुलिस कन्ट्रोल रूम में सूचना दी थी कि सोडाला थाना इलाके में स्थित बाईस गोदाम करतारपुरा रोड पर उसने दुकान श्री देव कृष्णा टोंबर 22 गोदाम करतारपुरा रोड जयपुर पर कृष्णा खंडेलवाल पत्नी देवेन्द्र खंडेलवाल निवासी मानसरोवर जयपुर से किराये पर ले रखी है। जिसकी एक चाबी उनके पास है और 17 मई को दुकान मंगल कर के गया था और 19 मई को दुकान को खोला तो वहा पर एक बैग में कुछ प्लास्टिक के डिब्बों में पाउडर जैसा भरा है दो कार्टून सीसीयो से भरे रखे है जो संदिग्ध है। इस पर औषधि नियंत्रण अधिकारी जयपुर और सोडाला थाना जाब्ता मौके पर पहुंचा। टीम ने दुकान से काफी भारी मात्रा में कोलिसेड की शीशियां, अल्प्राजोलम टैबलेट गोलियां,पाउडर आदी रखे हुए थे। वहीं सूचनाकर्ता अंकित ताम्बी से इन प्रतिबंधित दवाइयों व पाउडर के बारे में पूछताछ में सामने आया कि उसकी दुकान की एक चाबी मकान मालिक देवेन्द्र खण्डेलवाल के पास है। जिसका लड़का धीरज व देवेन्द्र किराये लेते व दुकान को संभालने के लिए आते रहते है तो यह दवाइयों व पाउडर उन्हीं का हो सकता है। इसी दौरान मुखबिर खास से भी सूचना प्राप्त हुई कि इस बिल्डिंग का मालिक देवेन्द्र खण्डेलवाल व उसका लड़का धीरज पूर्व में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त रहे है और उक्त नशीली दवाईया वपाउडर भी उन्हीं के है। पुलिस टीम संदिग्ध आरोपी देवेन्द्र खंडेलवाल एवं धीरज खंडेलवाल का पूरा नाम पते तस्दीक की जा रही है।

- **14 हजार 400 प्रतिबंधित गौलियां, 157 प्रतिबंधित शीशी, सफेद रंग का 3 हजार 911 ग्राम पाउडर एवं 944 ग्राम हल्के गुलाबी रंग का पाउडर बरामद**
- **फरार आरोपियों की जा रही है तस्दीक**

# फर्जी आई बना कर क्रिप्टोकरेंसी यूएसडीटी लूट और धोखाधड़ी करने वाला मास्टर माइंड गिरफ्तार

**जयपुर**। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी आई बना कर सोशल मीडिया के मार्फत क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी लूट और धोखाधड़ी करने वाले मास्टर माईड को धर-दबोचा है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी आईआईटी का छात्र है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी आई बना कर सोशल मीडिया के मार्फत क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी लूट और धोखाधड़ी करने वाले मास्टर माईड और वांछित आरोपी 21 वर्षीय दीव्यांशु सिंह श्याम उर्फ गुल्ला निवासी सुभाष चौक जयपुर को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी (पुलिस उप निरीक्षक) श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि 21 नवम्बर 2024 को पीडित समीर खान निवासी चुरू ने सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 14 नवम्बर 2024 को श्याम नामक व्यक्ति ने शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने का मैसेज कर जयपुर बुलाया। जहां पीड़ित अपने दो दोस्तों के साथ जयपुर आने पर सिंधी कैंप से उन्हें गाडी में बैठा कर दौलतपुरा टोल की तरफ सुनसान जगह ले गए।

## सात प्रतिष्ठानों से लिए गए सैंपल अनसेफ मिले

**जयपुर**। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रवि सिंह शेखावत ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान के निर्देशानुसार लिये गये खाद्य पदार्थों के नमूनों में से अनसेफ पाये गये प्रकरणों में निम्न फर्मों रस्तोगी सेल्स प्राइवेट लिमिटेड जयपुर का एमडीएच गरम मसाला, श्याम धणी इंडस्ट्रीज जयपुर का श्याम धणी गरम मसाला, लक्ष्मी स्वीट्स केटर्स सुभाष चौक जयपुर की नमकीन,पेट पूजा होटल महादेव बनीपार्क जयपुर की ग्रेवी, अमरलाल स्वीट्स केटर्स जयपुर के लडडू,लक्ष्मी जोधपुर मिष्ठान भंडार, स्वेज फार्म जयपुर के लड्डू, मोहम्मदी पैलेस चांदपोल जयपुर की ग्रेवी, चिकन चंगेजी एवं काली मिर्च, के विरुद्ध प्रकरण मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर प्रथम/द्वितीय में प्रस्तुत किये जा चुके हैं।

## मालवीय नगर मडल में निकली तिंरगा यात्रा

**जयपुर**। मालवीय नगर विधानसभा के मालवीय नगर मंडल में तिरंगा यात्रा को विधायक कालीचरण सराफ ने रवाना किया। मंडल अध्यक्ष हरीश खड़िया ने बताया कि तिरंगा यात्रा सेक्टर 10 काली माता मंदिर से रवाना होकर पालिका बाजार होते हुए शहीद अमित भारद्वाज पार्क पर जाकर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा के नेतृत्व में निकली।

## चार पुलिस स्टेशनों पर बम की झूठी सूचना देने वाला बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर**। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार पुलिस स्टेशनों पर बम गिराने की धमकी की झूठी सूचना देने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण माहौल के चलते शराब के नशे में पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल कर पाकिस्तान से आए कुछ लोगों के चौमू,सामोद, बनीपार्क और सांगानेर थानों पर बम गिराने की झूठी सूचना दी थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धमकी में यूज मोबाइल व सिम कार्ड को जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार पुलिस स्टेशनों पर बम गिराने की धमकी देने वाले बदमाश समुद्र सिंह (40) निवासी गांव भोपावास सामोद जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से धमकी भरा कॉल में यूज मोबाइल व सिम कार्ड जब्त किए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी समुद्र सिंह एम.ए पास है, जो शराब के नशे का आदी है। उसके खिलाफ पहले लड़ाई-झगड़े और जमीन से संबंधित मामले चल रहे है। जिससे परेशान होकर शराब के नशे में जानबूझकर भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण माहौल को ढाल बनाकर पुलिस कंट्रोल रुम में फोन कर चार थानों पर पाकिस्तान से आए कुछ लोगों के बम गिराने की झूठी सूचना दे डाली। थानाधिकारी बनवारी लाल मीणा ने बताया कि विधायकपुरी थाने में पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात एएसआई रमेश चंद्र ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि अनजान कॉलर ने मोबाइल से पुलिस के डायल-100 पर कॉल किया।

# जयपुर की रुचि गुर्जर का 'रेड कारपेट लुक' बना चर्चा का विषय

**जयपुर**। जयपुर की रुचि गुर्जर कांस के रेड कारपेट पर चर्चा का विषय बनी हुई है। अपने राजस्थानी पहनावे और अनोखे जेवरों से रुचि ने कांस में सभी के आकर्षण अपनी ओर खींचा।

जयपुर की रहने वाली रुचि ने मुंबई में अपनी एक्टिंग का सिक्का जमाया और अब अपनी फ़िल्म 'लाइफ' के लिए कांस फ़िल्म फेस्टिवल की 2025 जा पहुंची है। इस दौरान रुचि ने रेड कारपेट पर रेड और गोल्ड थीम पर राजस्थानी पोशाक और संस्कृति को शोकेस किया। वहीं राजस्थानी बोलड़े को माथे पर सजाए रुचि ने गले के हार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों को सजाया। डिज़ाइनर रूपा शर्मा ने रुचि की रेड कारपेट पोशाक गोल्डन रेड लहंगे को शीशे, गोटा पट्टी और कढ़ाई से सजाया। जिसमे जयपुर की शाही कला को आधुनिक स्टाइल से परोसा। जहां लहंगे के साथ ज़रिबारी के डिज़ाइनर राम द्वारा बनाया गया बंधनी दुपट्टा पहना, जो ज़रदोज़ी और गोटा पट्टी से सुसज्जित था। इस लुक का असली आकर्षण का केंद्र रुचि के प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित हार था। बारीकी से बनाई गई इस जड़ाऊ ज्वेलरी ने न सिर्फ फैशन स्टेटमेंट दिया, बल्कि देशभक्ति की भावना को भी उजागर किया।

## सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को न्याय दिलाने की मांग

**जयपुर**। आज अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के संयुक्त शिष्ट मंडल ने अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा एवं कार्मिक सचिव के के पाठक को ज्ञापन सौंप कर छोटे विभाग के कर्मचारियों को भी आर्थिक न्याय दिलाने की मांग की। कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने संयुक्त विज्ञिप्त जारी कर बताया कि छोटे विभाग में पदोन्नति के कम अवसरों के कारण चार बार कैडर रिव्यू करने के पश्चात भी ऐसे मंत्रालयिक कर्मचारी जिनका पहला प्रमोशन 2022 साल में हुआ है वह आज 4200 के वेतन में ही सेवानिवृत होने को मजबूर है जबकि उनके ही साथके बड़े विभाग में पद स्थापित साथी ग्रेड पे 6600 तक वेतन ले रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिन अखिल अरोड़ा एवं कार्मिक शासन सचिव के के पाठक द्वारा आश्वस्त किया गया से जल्दी ही सबकी प्रथम नियुक्ति की दिनांक और वर्तमान में धारित पद एवं वेतन की सूचनाये एकत्रित कर सभी के साथ न्याय किया जाएगा।

शिष्टमंडल में गजेंद्र सिंह राठौड़, देवेंद्र सिंह नरूका, ओम प्रकाश चौधरी, पप्पू शर्मा आशीष सिंह शेखावत रामावतार मीणा आदि कर्मचारी नेता शामिल थे।

# प्रदेश में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर निकलेगी तिरंगा यात्रा : अंकित चेची

**जयपुर**। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने मंगलवार को प्रदेश कार्यलय में तिरंगा यात्रा और सिंदूर यात्रा को लेकर प्रेसवार्ता की। सैनी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। देशवासियों में देशभक्ति की भावना को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से निकाली जा रही तिरंगा यात्रा को प्रदेश में भरपूर समर्थन मिल रहा है। तिरंगा यात्रा में महिलाएं, पुरूष, सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी, जवान, शहीदों परिवार के सदस्य, एनसीसी के स्टूडेंट्स, साधु-संत शामिल हो रहे है।

- **राजस्थान के 7 संभाग, 44 जिलों, 72 विधानसभाओं और 338 मंडल स्तर पर निकाली गई तिरंगा यात्रा, 4.45 लाख नागरिकों की रही सहभागिता : भूपेंद्र सैनी**

**भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी और अंकित चेची ने मंगलवार को प्रदेश कार्यलय मे तिरंगा यात्रा और सिंदूर यात्रा को लेकर प्रेसवार्ता की।**

तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि राजस्थान में 15 मई से जयपुर संभाग स्तर पर शुरू की गई तिरंगा यात्रा जिला, मंडल, विधानसभा, शक्ति केंद्र, बूथ, ग्राम पंचायत स्तर तक निकाली जाएगी। अब तक प्रदेश के 7 संभाग और 44 जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली जा चुकी है। प्रदेश की 72 विधानसभाओं में और भाजपा के 338 मंडल स्तर पर भी बड़े स्तर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। अब तक प्रदेशभर में 454 कार्यक्रम आयोजित किए गए, इनमें 4 लाख् 45 हजार नागरिकों की सहभागिता रही। सैनी ने बताया कि 31 मई तक प्रदेश के 8297 शक्ति केंद्र और 52187 बूथ स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर भी तिरंगा यात्रा निकलेगी।

तिरंगा यात्रा प्रदेश संयोजक अंकित चेची ने बताया कि तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, ना ही इसमें भाजपा का झंडा, भाजपा के नारे लगाए जा रहे है, बल्कि तिरंगा यात्रा भारतीय सैनिकों के मनोबल बढ़ाने के लिए आमजन का कार्यक्रम है। इसमें हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के लोग बढ़चढ़ कर अपनी भागीदारी निभा रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी सीमा पर जाकर भारतीय जवानों को बधाई दी और मुंह मीठा करवाया। भारतीय सेना के समर्थन में निकाली जा रही तिरंगा और सिंदूर यात्रा में प्रत्येक नागरिक अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आगामी तिरंगा यात्रा में हम सभी को बढ़ चढ़कर सहभागिता निभानी है। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और प्रेमसिंह बनवासा भी उपस्थित रहे।

# भीलवाड़ा, पाली और राजसमंद कलेक्ट्री परिसर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला

## सभी कार्यालय को तत्काल प्रभाव से खाली करवाया, अजमेर से बम निरोधक दस्ते को भीलवाड़ा बुलाया

**भीलवाड़ा/पाली/राजसमंद,** (निसं)। भीलवाड़ा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्री परिसर को बम से उड़ने की धमकी भरा मेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मचा गया। आनन-फानन में कलेक्टर परिसर में स्थित सभी कार्यालय को तत्काल प्रभाव से खाली करवाया गया और अजमेर से बम निरोधक दस्ते को भीलवाड़ा बुलाया गया।

जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय स्थित भीलवाड़ा कलेक्टर कार्यालय को बम से उड़ने की धमकी भरा एक संदिग्ध मेल मिलने के बाद जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने तत्काल एक्शन लेते हुए परिसर के सभी कार्यालयों को तत्काल खाली करने के निर्देश दिए। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए अजमेर से बम निरोधक दस्ते को भीलवाड़ा बुलाया। स्थानीय पुलिस के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों ने कलेक्टर परिसर में बम की तलाश शुरू की। अचानक हुए इस घटनाक्रम के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया, कुछ देर बाद यह स्पष्ट हो पाया कि धमकी भरा मेल प्रशासन की एक मॉक ड्रिल थी जो विभागों की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के इंतजामों को जचने के लिए की गई थी।

राजसमंद कलेक्ट्रेट परिसर को बम से उड़ाने की मिली धमकी के बाद पुलिस और विभिन्न जांच एजेंसियों ने जांच की।

पाली कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद जोधपुर से बम निरोधक दस्ता, खोजी डॉग को बुलाया।

**पाली संवाददाता के अनुसार** :-पाली कलेक्ट्रेट को मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिए मिली। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देश पर तुरंत पुलिस प्रशासनिक एक्टिव हुआ और तुरंत सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला। चंद मिनटों में पूरा कलेक्ट्रेट खाली करवाया गया। जोधपुर से बम निरोधक दस्ता, खोजी डॉग बुलाया गया। जिन्होंने पूरा कलेक्ट्रेट छान मारा लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। मौके पर साइबर एक्सपर्ट को बुलाया गया है जो मेल कहां से आया है इसकी जांच कर रहे हैं। कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चूनाराम जाट, एडीएम सीलिंग अश्विन के पंवार, एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत, एसपी विपिन शर्मा, सीओ सिटी ऊषा यादव, कोतवाल अनिल विश्नोई सहित भारी जाप्ता मौके पर तैनात रहा। दमकल और एम्बुलेंस भी बुलाई गई।

- पाली कलेक्ट्रेट को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, प्रशासन हुआ अलर्ट, जोधपुर से बम निरोधक दस्ता बुलाया
- राजसमंद जिला कलेक्ट्रेट को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा चलाए गए सघन सर्च ऑपरेशन में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

मामले में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री ने बताया कि ई-मेल मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट को खाली करवाया और बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि पूरे कलेक्ट्रेट भवन की जांच की जा सके। जांच के दौरान नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु, तब जाकर राहत की सांस ली।

**राजसमंद संवाददाता के अनुसार :-** राजसमंद जिला कलेक्ट्रेट को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस और विभिन्न जांच एजेंसियों द्वारा चलाए गए सघन सर्च ऑपरेशन में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने से प्रशासन ने आखिरकार राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जिला कलेक्ट्री प्रशासन के ऑफिसियल ई-मेल आईडी के जरिए कलेक्ट्रेट परिसर को 3:30 बजे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस सूचना के मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस महकमे में तुरंत सक्रियता आ गई। जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा और जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए स्थिति पर पूरी नजर बनाए रखी। सुरक्षा के मद्देनजर निर्धारित समय सीमा में पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को खाली करवा लिया गया। साथ ही, परिसर के बाहर 100 फीट रोड पर यातायात को भी बंद कर दिया गया और यातायात पुलिस द्वारा अनाउंसमेंट कर सभी को जागरूक किया गया। सूचना पर बम डिस्पोजल यूनिट, डॉग स्क्वायड और एटीएस की टीमों ने अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से कलेक्ट्रेट परिसर की गहन जांच की। पुलिस, जिला विशेष शाखा और सिविल डिफेंस के जवानों ने भी पूरे परिसर में चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

सर्च ऑपरेशन के दौरान टीम को कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने इस मामले को मॉकड्रिल की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ई-मेल के जरिए मिली धमकी को गंभीरता से लिया गया था। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इस दौरान एडीएम नरेश बुनकर, एएसपी महेन्द्र पारीक, रजत विश्नोई, एसडीएम बृजेश गुप्ता, आरएएस प्रशिक्षु लतिका पालीवाल, तहसीलदार विजय कुमार सहित भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया और मौके पर फायर टीम, मेडिकल टीम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इस घटना के बाद कलेक्ट्रेट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और भी खडा कर दिया गया है ताकि भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

# चिकित्सक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

हादसे में कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

- कार चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर किया
- जानवर को बचाने के चक्कर में कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई

**पावटा,** (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में क्षेत्र के चर्चित चिकित्सक डॉ. गोकुल गिठाला की मौत हो गई। पावटा से कोटपुतली की तरफ आते समय रघुनाथपुरा के पास जानवर को बचाने के चक्कर में उनकी कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही डॉ. गोकुल गिठाला की मौत हो गई, जबकि उनका वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से डॉ. गोकुल गिठाला व वाहन कार चालक घायल को तत्काल नजदीकी बीडीएम जिला अस्पताल कोटपुतली में भर्ती कराया गया, जहां वाहन कार चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही उनके पैतृक निवास पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए। शोक में डूबे परिजनों को सांत्वना देने के लिए कई स्थानीय नेता, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, व्यापारी, ग्रामीण पहुंचे। डॉ. गोकुल गिठाला न केवल एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि अपने मधुर व्यवहार और सामाजिक सेवा के लिए भी पूरे इलाके में सम्मानित थे। उनकी अचानक मौत से न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि चिकित्सा जगत और आम जनता को गहरा आघात पहुंचा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि उनकी मौत से भविष्य की कई उम्मीदें एक झटके में खत्म हो गईं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# बांदनवाड़ा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के नहीं रुकने से आमजन सुविधा से वंचित

**बांदनवाड़ा,** (निसं)। अंग्रेजों के जमाने के बने हुए सबसे पुराने रेलवे स्टेशन बांदनवाड़ा से होकर प्रतिदिन दस से पंद्रह ट्रेंनें निकलती है, लेकिन केवल मात्र एक ट्रेन के रुकने से आमजन सुविधा से वंचित हो रहे हैं। रेल प्रशासन की अनदेखी से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बांदनवाड़ा रेलवे स्टेशन से होकर सरपट गुजरने वाली ट्रेनों के ठहराव के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों द्वारा कई बार प्रयास किया जा चुका है। दिल्ली, चैन्नई, मुम्बई,रतलाम सहित अन्य महानगरों की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अजमेर, भीलवाड़ा जाकर उक्त ट्रेनों से अपनी यात्रा शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

रेल प्रशासन की ओर से किसी भी ट्रेन का बांदनवाड़ा स्टेशन पर ठहराव घोषित नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को लम्बी दूरी तक यात्रा करने के लिए बेहतर रेल सेवा से महरूम रहना पड़ रहा है। रोगियों को ट्रेवल्स व रोडवेज बसों के जरिए अहमदाबाद तक यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कस्बे के विभिन्न संगठनों द्वारा रेल प्रशासन, रेल मंत्री, सांसद को कई बार ज्ञापन दिए जाने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं होने से क्षेत्र की जनता में रेल प्रशासन के खिलाफ भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोकसभा चुनावों से पूर्व क्षेत्र की जनता भगीरथ चौधरी को भी आड़े हाथ ले चुकी है, तब चौधरी ने आश्वासन दिया था कि चुनाव जीतते ही पहली प्राथमिकता बांदनवाड़ा में ट्रेन रुकवाने की रहेगी। अब चुनाव जीतने और मंत्री बनने के एक साल बाद भी ट्रेन का स्टोपेज़ नहीं होने से कस्बे के समाजसेवी आहूजा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी व मंडल रेल प्रबंधक अजमेर को पत्र लिखकर दिल्ली-उदयपुर चेतक एक्सप्रेस, इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस, जयपुर-उदयपुर इंटर हॉलिडे ट्रेन रुकवाने की मांग करते हुए बताया कि उक्त ट्रेनों के रुकने से ना केवल रेलवे को राजस्व मुनाफा होगा बल्कि यात्रियों को भी सुविधा मिल सकेगी। इसके साथ ही आहूजा ने बताया कि ब्रॉडगेज होने से पूर्व मीटर गेज लाइन पर लगभग सभी ट्रेंनें रूकती थी और उस दौरान काफ़ी यात्री भार रहता था और रेलवे को राजस्व लाभ भी मिलता था इसलिये अब उक्त ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

- रेलवे स्टेशन बांदनवाड़ा से होकर प्रतिदिन दस से पंद्रह ट्रेंनें निकलती है, लेकिन मात्र एक ट्रेन रुकती है

# मोबाइल की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लगी

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर की कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नागौरी गार्डन इलाके में एक मोबाइल की शॉप में अज्ञात कारणों के चलते आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार नागौरी गार्डन क्षेत्र में स्थित वी के मोबाइल पर देर शाम अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि क्षेत्र में आगजनी की यह घटना दहशत का कारण बन गई। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किये। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग किन कारणों से लगी और आग से कितना नुकसान हुआ है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि आशंका जताई जा रही है की आग का कारण शार्ट सर्किट होगा।

# श्रीडूंगरगढ़ थाने की छत से कूदकर भागा अभियुक्त, पुलिस ने पीछा कर पकड़ा

## मारपीट और छीनाझपटी का अभियुक्त 18 फीट की ऊंचाई से कूद गया, दोनों पैर फ्रैक्चर हुये

**श्रीडूंगरगढ़,** (निसं)। पुलिस थाने में मारपीट और छीनाझपटी का अभियुक्त हिरासत से भागने के लिए छत पर जा चढ़ा और 18 फीट की ऊंचाई से नीचे कूद गया। उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस मारपीट और छीनाझपटी के एक मामले में हरियाणा फतेहाबाद में बोदीवाली भट्टूकलां निवासी अनिल कुमार को 16 मई को सिरसा जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाई थी। उसे श्रीडूंगरगढ़ कोर्ट में पेश कर 21 मई तक के लिए रिमांड पर लिया गया था। सुबह अभियुक्त को हवालात से कम्प्यूटर कक्ष में ले जाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद उसे वापस हवालात ले जाया जा रहा था। इस दौरान मौका देखकर वह हिरासत से भागने के लिए सीढ़ियों से थाने की छत पर चढ़ गया और 18 फीट ऊंचाई से कूदकर सरकारी क्वाटर्स की तरफ भागा। इससे एकबारगी थाने में हड़कंप मच गया और पुलिसकर्मी अभियुक्त को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागे। नदीम और पुलिस थाने के स्टॉफ ने कुछ ही दूरी पर अभियुक्त को पकड़ लिया। उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया जिससे वह ज्यादा तेज नहीं भाग सका। अभियुक्त को अस्पताल ले जाकर इलाज करवाया गया और थाने लाकर हवालात में डाल दिया। थाने से भागने का प्रयास करने पर उसके खिलाफ धारा 262 बीएनएस में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच एएसआई राजकुमार को सौंपी गई है। उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार हरियाणा से कार में सवार होकर आए पांच बदमाशों ने 3 नवंबर, 2024 को गुसांईसर रोड पर राधेश्याम के साथ मारपीट और छीनाझपटी की वारदात की थी। बीनादेसर निवासी राधेश्याम थार गाड़ी में सवार होकर गुसांईसर रोड से जा रहा था। इस दौरान कार में सवार हरियाणा के बदमाशों ने उसे रोक लिया। राधेश्याम के साथ मारपीट की और सोने की चेन छीन ली। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में चार अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार किया था और कार बरामद कर ली थी। अनिल कुमार फरार चल रहा था जिसे सिरसा केन्द्रीय कारागृह से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया था।

# मंदिरों में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

## आरोपी से पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा

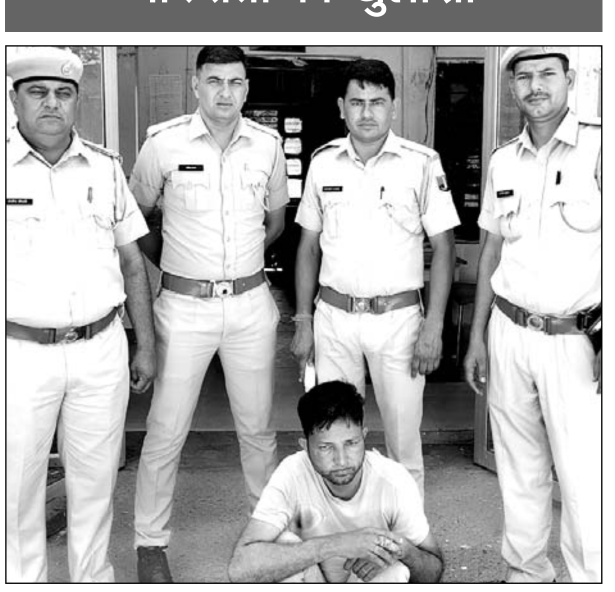

नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

**नसीराबाद,** (निसं)। नसीराबाद क्षेत्र के बासक बाबा धाम सहित जिले के कई मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर चोर को नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकड़ी श्यौराज मल मीणा और वृताधिकारी नसीराबाद जनरैल सिंह के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए मालपुरा निवासी सूरज (37) पुत्र कानाराम बावरी को गिरफ्तार किया जो क्षेत्र में हो रही मंदिर चोरी की वारदातों का मुख्य आरोपी है।

बासक बाबा धाम में हुई थी बड़ी चोरी :-12 मई को देरांठू क्षेत्र के कोटा रोड स्थित बासक बाबा व वीर तेजाजी मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई थी। इस संबंध में सुभाष सोनी पुत्र माणकचंद सोनी, निवासी नसीराबाद द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी, जिसमें मंदिर से मूर्तियों के मुकुट, गहने आदि चोरी होने की बात कही गई थी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर रिपोर्ट दर्ज की और गंभीरता से जांच शुरू की। तकनीकी व पारंपरिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने आरोपी सूरज को धर दबोचा। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने नसीराबाद क्षेत्र के रामपुरा, ढाल और सरवाड़ क्षेत्र के तीन मंदिरों सहित कई अन्य मंदिरों में भी चोरी की वारदातें की हैं। वह अकेले ही देर रात मंदिरों को निशाना बनाता था और आभूषण, चांदी के मुकुट व अन्य कीमती वस्तुएं चुरा लेता था। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ कर चोरी में प्रयुक्त साधनों और चुराई गई वस्तुओं की बरामदगी हेतु आगे की कार्रवाई जारी है।

# आईपीएल पर सट्टा कारोबार का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

**पिलानी,** (निसं)। कस्बे में आईपीएल पर सट्टा कारोबार का भंडाफोड़ किया है। यह कार्रवाई रात को आईपीएल में चल रहे लखनऊ और हैदराबाद की टीम के मैच के दौरान की गई।

सीआई रणजीत सिंह सेवदा ने बताया कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली थी कि पिलानी कस्बे में नट बस्ती के समीप शिव कॉलोनी में एक मकान में सट्टे का कारोबार हो रहा है, जिस पर पुलिस ने देर रात को छापा मारा, जहां पर हरियाणा निवासी पांच युवक मिले, जो सट्टे की बुक चला रहे थे। पुलिस ने मौके से मनोज पुत्र श्रीओम जाट निवासी वार्ड नंबर चार माता गेट नियर महादेव मंदिर झज्जर थाना सिटी झज्जर, अजय पुत्र हनुमानसिंह राजपूत निवासी निम्भेड़ा थाना सदर महेंद्रगढ़, प्रदीप कुमार पुत्र अतरसिंह अहिर निवासी गडानिया थाना सदर महेंद्रगढ़ व संदीप उर्फ सन्नी पुत्र किशनलाल पंजाबी निवासी वार्ड नंबर नौ नियर दुर्गा मंदिर पटोदी थाना पटोदी जिला गुड़गांव व राहुल पुत्र अंगनाराम मेघवाल निवासी भड़फ थाना कनीना सिटी जिला महेंद्रगढ़ को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से दो लैपटॉप, नौ मोबाइल, दो टेबलेट, एक वाईफाई और लाखों रूपए का सट्टे का हिसाब के चार रजिस्टर मिले है।

उन्होंने बताया कि सभी आरोपी शिव कॉलोनी में एक किराए का मकान लेकर यहां से बुक चला रहे थे। जिनके सभी कनेक्शनों के बारे में पड़ताल की जा रही है। आरोपियों के पास से एक थार गाड़ी और एक कार को भी जब्त किया गया है। पांचों आरोपियों को मंगलवार को चिड़ावा कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने पांचों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। मकान भी हरियाणा की एक महिला गुड्डी पत्नी रविंद्र निवासी पथरवा का बताया जा रहा है। कार्रवाई में पिलानी थाने के अलावा एजीटीएफ चिड़ावा की टीम भी शामिल थी। सीआई रणजीत सेवदा ने बताया कि आरोपियों से उनके ऊपर की और उनके नीचे की सट्टे की चैन के बारे में पूछताछ की जाएगी।

# फायरिंग प्रकरण में दो गिरफ्तार

**सादुलपुर,** (निसं)। सादुलपुर क्षेत्र में पुलिस थाना राजगढ़ के निकट एक शराब ठेके पर 13 मई की शाम को हुई फायरिंग और रंगदारी मांगने के आरोप में राजगढ़ थाना पुलिस ने मंगलवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा न्यायालय में पेश कर 24 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

# आग से लाखों का सामान जला

**सादुलपुर,** (निसं)। सादुलपुर से हिसार जाने वाले एनएच-52 पर गुलपुरा मोड़ सादुलपुर के पास स्थित कुलदीप की ट्रांसपोर्ट कंपनी में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कोई व्यक्ति दुकान के पास भी नहीं जा सका। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। आसपास के लोग की मदद के लिए दौड़े आए। सभी ने मिट्टी और पानी से आग बुझाने का प्रयास किया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस घटना में दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग से हुए नुकसान की राशि लाखों रुपये में आंकी जा रही है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। राजकुमार फगेड़िया, मनीष पूनिया ने बताया कि आग लगते ही धुंआ और आग की लपटें आसमान छूने लगी एक बार तो अफरा तफरी फैल गई। पास में ही खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी भी लपटों से घिरने लगी तो सीसा तोड़कर लोगों ने खींचकर आग से बचाया।

# पति-पत्नी के आपसी झगड़े के चलते पत्नी की मौत

**भीलवाड़ा,** (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र के रायसिंहपुरा खेड़ा गांव में देर रात्रि को शराबी पति-पत्नी के आपसी झगड़े के चलते पत्नी की मौत हो गई। मृतक महिला का शव उसकी छत पर संदिग्ध हालत में पाया गया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका के गले पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से मृतका का पति हरीश फरार है।

मृतका के चचेरे भाई निलेश ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे जब उनका भतीजा सरोज को उठाने गया तो वह नहीं उठी। इसके बाद उन्होंने छत पर जाकर देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खोलने पर सरोज मृत अवस्था में पड़ी मिली। निलेश ने बताया कि सरोज के गले और चेहरे पर चोट के निशान थे और उसका पति हरीश मौके से गायब था। उन्होंने आरोप लगाया कि हरीश अक्सर सरोज से झगड़ा करता था और संभवतः उसी ने उसकी हत्या की है। पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार पति हरीश की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि शराब के नशे में पति हरीश ने पत्नी का गला दबा दिया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस लगातार जांच कर रही है और मांडल थाना अधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर फरार पति को पकड़ने के प्रयास जारी है। पति-पत्नी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी थे। दोनों ही पति-पत्नी यहां पर फैक्ट्री में मजदूरी करते थे।

- मृतका के गले पर चोट के निशान मिले, हत्या की आशंका जताई, पति फरार

# महिला मरीज की संदिग्ध मौत

**भीलवाड़ा,** (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में एक महिला मरीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने दोषी चिकित्साकर्मियों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। कृष्णा हॉस्पिटल में रायपुर तहसील के केसरपुरा गांव की रहने वाली सुखी देवी (45) पत्नी जमुनालाल बैरवा को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए भर्ती करवाया गया था, जहां मंगलवार को दोपहर में अचानक उसकी ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया और दोषी चिकित्साकर्मियों पर कार्रवाई की मांग और मुआवजे को लेकर फिलहाल परिजनों का हंगामा जारी है। अस्पताल प्रशासन और पुलिस प्रदर्शनकारियों से समझाइए के प्रयास कर रही है।

# उदयपुर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

**उदयपुर,** (कासं)। लेकसिटी में लगातार तीसरे दिन अचानक मौसम ने करवट ली और हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। मंगलवार को शहर में फिर हवाएं चलने लगी और बिजली की कड़कड़ाहट के साथ बादलों ने बरसना शुरू कर दिया। इधर, शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र नाहरमगरा क्षेत्र के नांदवेल गांव में ओले गिरे। अचानक बदलता मौसम उदयपुर शहर में सुबह गर्मी और शाम को मानसूनी मौसम का अहसास हो रहा है।

उदयपुरमें मई माह में लगातार बारिश हो रही है। दिन में गर्मी बढ़ती है और शाम होते-होते बारिश मौसम को हल्का कर जाती है। मौसम में आ रहे बदलाव के चलते तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच बना हुआ है लेकिन उमस व बार-बार बिजली की कटौती लोगों को बेहाल कर रही है। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शहर की रातें उमस के चलते अत्यधिक गर्म महसूस की जा रही है। वहीं सुबह होते ही सूरज की तेज तपीश व गर्मी चुभन का एहसास करा रही है।

उदयपुर में मंगलवार को भी अचानक बदले मौसम के साथ बारिश हुई।

- शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्र नाहरमगरा क्षेत्र के नांदवेल गांव में ओले गिरे
- उदयपुर शहर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री व न्यूनतम 27.6 डिग्री रहा

उदयपुर शहर में सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे तक बीते 12 घंटों में उदयपुर में 5.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं सिंचाई विभाग ने प्रातः 8 बजे तक समाप्त बीते 24 घंटों में उदयपुर (गिर्वा) में 22 मिमी व बड़गांव में 2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की। शहर में आगामी दिनों में भी मौसम में यह बदलाव बना रहेगा।

मैं अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहता था, जहां भारत को अंग्रेजों के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।
- रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेटर, संन्यास को लेकर जवाब देते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी** डॉ. मनसुख मांडविया

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि हम खेलो इंडिया बीच गेम्स के जरिए स्पोर्ट्स क्रांति की शुरुआत कर रहे हैं। डॉ. मांडविया ने सोमवार को दीव के घोघला बीच पर एक रंगारंग समारोह में केआईबीजी खेलों की शुरुआत करते हुए कहा, आज हम केवल एक खेल आयोजन का उद्घाटन नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम भारत की पहली बीच स्पोर्ट्स क्रांति की शुरुआत कर रहे हैं। मेरा मानना है कि जहाँ लहरें हैं, वहाँ जोश होना चाहिए। जहाँ रेत है, वहाँ जोश की आग होनी चाहिए और खेलो इंडिया बीच गेम्स ने आज हम सभी के दिलों में वह आग जला दी है।

**क्या आप जानते हैं ?...** कोहली ने 2016 सीजन में 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाकर 973 रन बनाए थे। यह किसी भी बल्लेबाज द्वारा एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड है।

## राहुल चौधरी के शतक से जीता जयपुर

जयपुर, 20 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एकदिवसीय सीरीज के तहत श्री गंगानगर खेले गए दूसरे मैच में जयपुर बी टीम ने श्री गंगानगर को 3 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर श्री गंगानगर ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल गर्ग के 15 रन, सुमित गोदारा के 15 रन, अंकुर शर्मा के 24 रन, शोभित मिश्रा के 54 रन ओशनिक ग्रोवर के 36 रन व के तेजेंद्र सिंह के 60 रन से 44.2 ओवर में 245 रन बनाए। जयपुर के लिए चिराग शर्मा 32 पर 3, पूरव शर्मा ने 51 पर 2, मिहित अग्रवाल ने 42 पर 2 व आयुष आमेरिया ने 21 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में जयपुर की टीम ने भावित कुमावत के 20 रन, आयुष आमेरिया के 38 रन, राहुल चौधरी के 103 रन, अभय शर्मा के 12 रन, शुभम पटवाल के 31 रन नाबाद व चिराग शर्मा के नाबाद 14 रनों से 41.5 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन बनाकर मैच जीत लिया। श्री गंगानगर टीम के लिए हितेश ने 34 पर 2, हिमांशु ने 49 पर 2, धनंजय , मंथन व हिमांशु ने एक - एक विकेट लिया। कल उदयपुर की टीम जयपुर की ए टीम के साथ के एल सैनी स्टेडियम पर मैच खेलेगी।

## अंडर-19 नंद सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग : मनय कटारिया का शानदार अर्द्धशतक राजीव गांधी फाइनल में

जयपुर, 20 मई। 17वी अंडर-19 राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज नारायणा ग्राउंड पर खेले गए संघर्षपूर्ण मैच में राजीव गांधी ने भदौरिया एकेडमी को 1 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर भदौरिया एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शिवांशु सोनी 53, हार्दिक गौड 69, अशाद सिद्दीकी 42, ऋतिक 41, शिवम् उमेश 23 के सहयोग से 9 विकेट पर 50 ओवर में 278 रन बनाए। राजीव गांधी की ओर से श्यामसुंदर 3 , आयुष गुर्जर 2 , लक्ष्य वैष्णव, देवांग, मनय कटारिया, दीपांशु राजौरिया ने 1 -1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते राजीव गांधी एकेडमी ने मनय कटारिया की शानदार जुझारू पारी खेलते हुए 80 रन बनाए। शफान खान 40, निशांत गुर्जर 29, अक्षत चंदवाल 25, श्यामसुंदर 21, आयुष गुर्जर 15 रनों के सहयोग से 9 विकेट पर 280 रन बनाए। भदौरिया की ओर से गेंदबाजी करते हुए चिराग तंवर 3, केशव 2, निखिल सिंह , शिवांशु ने 1-1 लिए। आज के मैच के मैन ऑफ द मैच मनय कटारिया रहे।

## पेंचक सिलाट में दमन और दीव ने जीते दो स्वर्ण पदक

दीव, 20 मई। मेजबान दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव ने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण के दूसरे दिन मंगलवार को पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण अपने नाम किए। पेंचक सिलाट इंडोनेशिया की एक पारंपरिक मार्शल आर्ट शैली है।दमन और दीव के प्रसन्ना नरेंद्र बेंद्रे ने सीनियर पुरुष 'तुंगल' (कलात्मक) वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि महिला वर्ग में मेजबान टीम की कीर्तन मनोजकुमार आचार्य ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। घोघला बीच पर सुबह के सत्र में पेंचक सिलाट की एक और कलात्मक स्पर्धा में पंजाब के आर्यन ने सीनियर पुरुष 'क्रिएटिव सोलो' वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने ओडिशा के सोहिल गुरुंग को हराया। बीच सॉकर प्रतियोगिता की शुरुआत सोमवार को हुई थी, जिसमें पुरुष और महिला वर्गों के ग्रुप मुकाबले एकतरफा रहे। लक्षद्वीप की पुरुष टीम ने गुजरात को 19-1 से हराकर प्रतियोगिता की अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

## किदांबी श्रीकांत ने किया मलेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई

बुकिट जलील (मलेशिया), 20 मई। भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने मंगलवार को मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग में मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया। आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये मुकाबले में किदांबी श्रीकांत ने चीनी ताइपे के शटलर कुओ कुआन-लिन और हुआंग यू काई को हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। काबिज किदांबी श्रीकांत ने 29 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के कुओ कुआन-लिन को 21-8, 21-13 से हराकर आसान जीत दर्ज की। श्रीकांत का दूसरा क्वालीफाइंग मैच दुनिया के 86वें नंबर के खिलाड़ी हुआंग यू काई के खिलाफ थोड़ा अधिक चुनौतीपूर्ण था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहला गेम गंवा दिया, लेकिन अगले दो गेम में वापसी करते हुए मैच 9-21, 21-12, 21-16 से जीत लिया और मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। पुरुष एकल क्वालीफायर में भारत के अन्य दो खिलाड़ी बाहर हो गए। थारुन मन्नेपल्ली को थाईलैंड के पैनिचाफोन तीरात्सकुल ने 21-13, 23-21 से हराया, जबकि शंकर सुब्रमण्यन ने संघर्ष किया, लेकिन उन्हें चीन के जुआन चेन झू ने 22-20, 22-20 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं महिला एकल वर्ग में भारत की अनमोल खरब क्वालीफायर में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग के खिलाफ 21-14, 21-18 से हार गई।

# राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली, 20 मई। युद्धवीर सिंह चरक और आकाश मधवाल (तीन-तीन विकेट) के बाद वैभव सूर्यवंशी (57) और कप्तान संजू सैमसन (41) रनों पारियों के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 63वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 17 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हराया।

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स के लिए यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 37 रन जोड़े। चौथे ओवर में अंशुल काम्बोज ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। यशस्वी जायसवाल ने 19 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (36) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान संजू सैमसन ने दूसरे विकेट लिए 98 रन जोड़े। 14वें ओवर में आर अश्विन ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर चेन्नई को दूसरी सफलता दिलाई। जायसवाल ने 31 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (41) रन बनाये। तीसरे विकेट के रूप में अश्विन ने वैभव सूर्यवंशी को अपना शिकार बनाया।

वैभव सूर्यवंशी ने 33 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (57) रनों की पारी खेली। रियान पराग (तीन) को नूर अहमद ने बोल्ड आउट किया। राजस्थान रॉयल्स ने 17.1 ओवर में चार विकेट पर 188 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। ध्रुव जुरेल 12 गेंदों में (31) और शिमरॉन हेटमायर पांच गेंदो में (12) रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आर अश्विन को दो विकेट मिले। अंशुल काम्बोज और नूर अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई को दूसरे ही ओवर में युद्धवीर सिंह चरक ने डेवन कॉन्वे (10) को आउटकर पहला झटका दिया। इसी ओवर में युद्धवीर ने उर्विल पटेल (शून्य) को आउटकर राजस्थान रॉयल्स को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवि अश्विन ने सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के साथ पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। छठे ओवर में तुषार देशपांडे ने आयुष म्हात्रे को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। आयुष म्हात्र ने 20 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हसरंगा ने रवि अश्विन आठ गेंदों में (13) को आउटकर राजस्थान को चौथी सफलता दिलाई।

## आरसीबी और एसआरएच का मैच लखनऊ में
### मुल्लांपुर और अहमदाबाद में होंगे प्लेऑफ मैच

मुम्बई, 20 मई। मौसम संबंधी परेशानियों को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम सनराइजर्स हैदराबाद के घरेलू लीग मैच को लखनऊ में कराने का फैसला किया है। इसके अलावा प्लेऑफ के मैचों में भी बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 के प्लेऑफ वेन्यू के तौर पर अहमदाबाद और मुल्लांपुर में कराने का फैसला लिया है। मुल्लांपुर में 29 मई को पहला क्वालिफायर और अगले दिन एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। जबकि अहमदाबाद एक जून को दूसरा क्वालिफायर और तीन जून को फाइनल की मेजबानी करेगा। आरसीबी को 27 मई को अपना अंतिम लीग मुकाबला भी 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इकाना स्टेडियम में ही खेलना है। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में गुरुवार तक भारी बारिश का पूर्वानुमान और ऑरेंज एलर्ट जारी होने के चलते कार्यक्रम को बदला गया। आरसीबी को आज अपराह्न कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी दी गई और उन्हें हैदराबाद के खिलाफ मैच के लिए लखनऊ में ही रुकने के लिए कहा गया है। ऐसा माना जा रहा है किक कार्यक्रम में बदलाव से आरसीबी को शीर्ष दो स्थान में रहकर प्लेऑफ में प्रवेश करने का बेहतर अवसर मिलेगा।

## सौरभ और शाहबाज जेएससीए के सचिव और संयुक्त सचिव चुने गये

रांची, 20 मई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी और शाहबाज नदीम को झारखंड राज्य क्रिकेट संघ का सचिव और संयुक्त सचिव चुना गया है। जेएससीए की नयी कार्यकारिणी के चुनाव में तिवारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी एसबी सिंह को 438-194 के बड़े अंतर से हराया। संयुक्त सचिव पद के लिए हुए मतदान में नदीम ने भी 409-199 के स्कोर से राजकुमार शर्मा को दो सौ से अधिक मतों के अंतर से हराकर बड़ी जीत दर्ज की।

## बेयरस्टो, ग्लीसन और असलंका को मुंबई इंडियंस ने किया अनुबंधित

मुम्बई, 20 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रैंचाईची मुंबई इंडियंस ने इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और श्रीलंका के चरित असलंका को विल जैक्स, रयान रिकलटन और कॉर्बिन बॉश के स्थान पर अस्थायी तौर पर टीम में जगह दी है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुम्बई इंडियंस ने बेयरस्टो को 5.25 करोड़ रुपये, तेज गेंदबाज ग्लीसन को एक करोड़ और असलंका को 75 लाख रुपये में अनुबंधित किया है। ये खिलाड़ी मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में जगह बनाने पर टीम के साथ उपलब्ध रहेंगे। मुम्बई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बुधवार प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ंत होगी। जैक्स 26 मई को मुम्बई इंडियंस का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ देंगे। वहीं, रिकलटन और बॉश वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

बेयरस्टो ने आईपीएल के पांच सत्र में 50 मैच खेले हैं। वह वर्ष 2019-20 में सनराइजर्स हैदराबाद और 2022 और 2024 में पंजाब किंग्स के लिए खेल चुके है। लीग बेयरस्टो ने में 34.54 की औसत और 144.45 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं। इसमें दो शतक भी शामिल हैं। वहीं ग्लीसन ने पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए दो मैच खेले थे।श्रीलंका के सीमित ओवर कप्तान असलंका पहली बार आईपीएल में खेलेंगे।

## अभिषेक को मैच फीस का 25% जुर्माना और राठी एक मैच के लिए निलंबित

लखनऊ, 20 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता का उल्लंघन के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाज दिग्वेश राठी को इस सत्र में तीसरी बार उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर एक मैच के निलंबन के साथ मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। यह घटना सोमवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गये मैच के दौरान आठवें ओवर में उस समय जब राठी ने अभिषेक शर्मा को आउट किया। राठी ने अभिषेक को आउट करने के बाद उन्हें 'नोटबुक' में एंट्री का इशारा किया और फिर दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस हुई। इस दौरान अंपायर माइकल गॉफ को बीच-बचाव करना पड़ा। राठी को इस सत्र में तीसरी बार आईपीएल के आचार संहिता का उल्लंघन का दोषी पाया गया। इस सत्र में राठी के खिलाफ कुल पांच डिमेरिट अंक जोड़े गये हैं, इस कारण उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया है। वह अब वह गुरुवार को गुजरात टाइटंस के साथ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। अभिषेक की इस सत्र में पहली गलती को देखते हुए उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

## दक्ष कासलीवाल की नाबाद अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत केन्डलविक एकेडमी की एकतरफा जीत

जयपुर, 20 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज अरावली क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज, जयपुर पर खेले गये पूल ई के मैच में दक्ष कासलीवाल 65 रन नाबाद मोहम्मद कैफ 32 रन नाबाद पारियों की बदौलत केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने कोड़ाई स्पोटर्स एकेडमी को 9 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये कोडाई स्पोर्ट्स एकेडमी के दीवान राजोरिया 30 रन, सुमित सैनी 27 रन, गौरांश चौहान 18 रन नाबाद, भावेश कांवट 17 रन नाबाद, राज 11 रन प्रणित पुगलिया 10 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 128 रन बनाये।

गेन्दबाजी में केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी की ओर से सार्थक त्यागी 31 रन पर 2 विकेट हिमांक झालानी, आदित्य सर्राफ और मेहूल सिंह प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। 129 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी की ओर से मोहम्मद कैफ ने 32 रन नाबाद तथा मेहूल सिंह 28 रन 9 गेन्द 3 चौके 2 छक्के ने मिलकर 2.4 ओवर में 41 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की। मेहूल के आउट होने के बाद खेलने उत्तरे दक्ष कासलीवाल 65 रन नाबाद (44 गेन्ट 10 चौके 1 छक्का) ने मोहम्मद कैफ के साथ मिलकर 89 रन नाबाद की साझेदारी निभाकर विजयी लक्ष्य 13.5 ओवर में 130 रन बनाकर 9 विकेट से जीत दर्ज कर पूल में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया। कोडाई स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से तौसिफ अली 30 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेन्दबाज रहे। मैच का मेन ऑफ मैच दक्ष कासलीवाल 65 रन नाबाद केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी रहे।

## वर्षा प्रभावित मैचों के लिए दो घंटे का अतिरिक्त समय

मुम्बई, 20 मई। देशभर में मानसून की शुरुआत को देखते हुए आईपीएल के लीग चरण के बारिश से प्रभावित होने वाले मैचों के लिए दो घंटे का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शासकीय परिषद ने बारिश के कारण बाधा होने की स्थिति में पूरे 40 ओवर का मैच कराये जाने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिये जाने निर्णय लिया है। इससे पहले केवल प्लेऑफ मैचों में दो घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाता है।

## दिग्वेश राठी की सजा पर धवन ने दी प्रतिक्रिया

लखनऊ, 20 मई। लखनऊ सुपर जाएंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। उन्होंने नोटबुक सेलिब्रेशन के दौरान अभिषेक को बाहर जाने का इशारा किय था, जिसके बाद दोनों में जमकर बहस हुई। अंपायर को बीच-बचाव कराना पड़ा था। बीसीसीआई ने राठी को कड़ी सजा सजाई सुनाई है।

उन्हें आईपीएल 2025 में एक मैच के लिए बैन कर दिया गया है। वह निलंबन के कारण एलएसजी के अगले मैच में नहीं खेलेंगे, जो 22 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होगा। राठी की सजा पर भारत के पूर्व धाकड़ सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।धवन ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेऑफ एक्स पर लिखा कि, कभी-कभी कठिन तरीके से सीखना ही एकमात्र तरीका होता है जिससे सबक याद रहता है। उम्मीद है कि एक ऐसा टर्निंग पॉइंट होगा जहां राठी उस आग को और अधिक रचनात्मक तरीके से इस्तेमाल करना सीखेंगे और मैदान पर हर खिलाड़ी का सम्मान करेंगे, जिसका वह हकदार है।धवन की पोस्ट पर क्रिकेट फैंस के जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया कि, खिलाड़ियों को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अन्य ने कहा कि, दिग्वेश राठी का मैदान पर व्यवहार वाकई में उचित नहीं है।

आईपीएल प्रेस रिलीज में कहा गया कि, लखनऊ सुपर जाएंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। ये इस सीजन में नियम 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल एक अपराध था और इसलिए उन्हें पहले के तीन डिमेरिट अंकों के अलावा दो और डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इसमें एक अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और चार अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक शामिल हैं। उनके पास सीजन में 5 डिमेरिट अंक हैं, जिसका परिणाम एक मैच का निलंबन होता है इसलिए दिग्वेश को अब एलएसएजी के अगले मैच से निलंबित किया जाएगा। वहीं आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन के लिए अभिषेक शर्मा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

## कोलकाता में नहीं होगा आईपीएल 2025 फाइनल

*नई दिल्ली, 20 मई। आईपीएल 2025 प्लेऑफ के वेन्यू का ऐलान हो गया है। बीसीसीआई ने फाइनल को शिफ्ट कर दिया है जिसके बाद अब खिताबी मुकाबला कोलकाता में नहीं बल्कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। अहमदाबाद ने 2022 और 2023 में भी आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी। क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर भी शिफ्ट हो गए हैं। ये दोनों मुकाबले मुल्लांपुर के मैदान में आयोजित होंगे जो पहले हैदराबाद में खेले जाने थे।बीसीसीआई ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल होगा।*

*ये मैदान 1 जून को क्वालीफायर 2 की भी मेजबानी करेगा। वहीं मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर 1 और 30मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले, आईपीएल फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था। ईडन गार्डन्स में क्वालिफायर 2 भी आयोजित होना था। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर मैच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने थे। बीसीसीआई ने बयान में कहा कि, आईपीएल संचालन परिषद ने मौसम की परिस्थितियों और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए प्लेऑफ के नए वेन्यू पर फैसला किया है। बोर्ड ने ये भी पुष्टि की है कि प्लेऑफ चरण के समान लीग चरण के बाकी मुकाबलों के खेलने की परिस्थितियों के लिए एक घंटे का अतिरिक्त समय आवंटित किया गया है।*

## सुनयना प्रकाश बनी इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग की चेयरपर्सन और कुमार लाखोटिया बने एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फैडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव

जयपुर, 20 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष पंत ने की बताया कि एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया की साधारण सभा में यह तय किया गया कि भारतीय ओलंपिक संघ की विधिक समिति की चेयरपर्सन एवं सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता सुनयना प्रकाश को इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग की चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। तथा एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी ऑफ इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट बनाया गयासुनयना प्रकाश का विधिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सक्रियता सॉफ्ट हॉकी को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी।

उनके मार्गदर्शन में लीग को सशक्त दिशा मिलेगी।श्रीमती सुनयना प्रकाश सुप्रीम कोर्ट में वंचितों और पीड़ितों को न्याय दिलाने में अग्रणी रही हैं। वे शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

कुमार लाखोटिया बने संयुक्त सचिव ,फेडरेशन की बैठक में श्री कुमार लाखोटिया को एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया। लाखोटिया वर्तमान में दिल्ली भाजपा राज्य इकाई के विशेष आमंत्रित सदस्य हैं तथा 2018 से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक के रूप में सक्रिय हैं। वे राजस्थान भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी (2018-2020) के सदस्य भी रह चुके हैं। फेडरेशन के महासचिव सिंह ने सुनैना प्रकाश व कुमार लाखोटिया को निर्वाचित होने पर बधाई दी

# व्यक्तिगत ई-मेल आईडी का उपयोग करके मुझे नोटिस भेजे गये : धर्मवीर सिंह

जयपुर, 20 मई। पाली जिला संघ के सचिव धर्मवीर सिंह ने कहा कि जयदीप बिहानी, संयोजक, तदर्थ समिति राजस्थान क्रिकेट संघ नोटिस के आरोपों और कथनों को अस्वीकार किया जाता है और जब तक इसे विशेष रूप से स्वीकार नहीं किया जाता है, तब तक इसे अस्वीकार माना जाएगा। इसके अलावा, उस प्राधिकार और योग्यता को अस्वीकार करते हैं जिसके तहत विषय नोटिस जारी किया गया है क्योंकि विषय नोटिस के मात्र अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि इसमें न तो समिति के बहुमत से पारित किसी प्रस्ताव/निर्णय का उल्लेख है, न ही इसमें आधिकारिक प्रेषण संख्या का उल्लेख है और न ही हमारे संघ की सम्बद्धता समाप्त करने के एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाने संबंधी संचार के किसी विवरण का उल्लेख है और न ही हमने और तदर्थ समिति के अन्य सदस्यों को आज तक ऐसा कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। अतः प्रथम दृष्टया यह स्थापित होता है कि विषयगत नोटिस केवल आपकी इच्छा और मनमर्जी से तथा तदर्थ समिति के सदस्यों के बहुमत के बिना ही हमें जारी किया गया है; अतः यह आधारहीन होने के कारण टिकने योग्य नहीं है। जहां तक जांच के संबंध में आरसीए की शक्ति का संबंध है, वर्तमान में आरसीए की ऐसी कोई स्थायी/विधिवत निर्वाचित कार्यकारी संस्था अस्तित्व में नहीं है तथा आरसीए का संचालन तदर्थ समिति द्वारा किया जा रहा है, जिसमें छह सदस्य शामिल हैं, जिसमें हमारा संघ भी तदर्थ समिति का सदस्य है। इसके अलावा, हमारे संघ के विरुद्ध ऐसी जांच आरंभ करने के संबंध में न तो तदर्थ सदस्यों के बहुमत द्वारा ऐसा निर्णय पारित किया गया है और न ही तदर्थ समिति द्वारा ऐसी जांच आरंभ की गई है। तथापि, नोटिस में जयदीप बिहानी, उप रजिस्ट्रार सहकारी समिति, पाली द्वारा जारी दिनांक 30.04.2025 के पत्र का संदर्भ दिया है। उक्त पत्र के अनुसरण में हमसे कुछ अभिलेख मांगते हुए कार्यवाही शुरू की है। हालाँकि, उप पंजीयक द्वारा जारी आदेश की प्रति आपको हमसे ऐसे अभिलेख मांगने का निर्देश देते हुए उपलब्ध कराई गई है। जहाँ तक उप पंजीयक, सहकारी समिति, पाली द्वारा शुरू की गई कथित जांच का सवाल है,

उन्होंने कभी भी ऐसा अभिलेख नहीं मांगा है, जो आपने मांगा है। इसके अलावा, उप पंजीयक सहकारी समिति, पाली ने पहले ही जांच अधिकारी नियुक्त कर दिया है। धर्मवीर ने बियानी पर आरोप लगाते हुए कहा कि रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, जयपुर द्वारा पारित आदेश दिनांक 28.03.2024 के तहत तीन माह की अवधि के भीतर आरसीए के नए चुनाव कराने तथा नए चुनाव होने तक आरसीए का प्रबंधन देखने के लिए एड-कमेटी नियुक्त की गई थी, जिसके तहत जिला क्रिकेट संघों के पदाधिकारियों को एड-कमेटी के सदस्य नियुक्त किया गया था: जयदीप बिहानी, कोषाध्यक्ष, डीसीए श्रीगंगानगर संयोजक, पवन गोयल, सचिव, डीसीए अलवर, रतन सिंह शेखावत, सचिव डीसीए बीकानेर, हरीश चंद्र सिंह, सचिव डीसीए झुंझुनू, धनंजय सिंह खींवसर, अध्यक्ष डीसीए नागौर, धर्मवीर सिंह शेखावत, सचिव डीसीए पाली, सदस्य बनाये गये थे। तदर्थ समिति द्वारा आरसीए का कोई नया चुनाव नहीं कराया गया तथा रजिस्ट्रार सहकारी समितियां द्वारा नए चुनाव कराने के लिए प्रत्येक तीन माह का समय बढ़ाया जा रहा है, लेकिन तदर्थ समिति के सदस्यों द्वारा अनेक बार अनुरोध किए जाने के बावजूद आपके द्वारा कोई बैठक आयोजित नहीं की जा रही है तथा तदर्थ सदस्यों के अनुरोधों की अनदेखी की जा रही है तथा बियानी द्वारा सभी निर्णय व्यक्तिगत रूप से लिए जा रहे हैं, जिसमें अन्य तदर्थ सदस्यों की सहमति भी नहीं ली जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में, 19.05.2025 को तदर्थ सदस्यों के बहुमत के साथ एक बैठक बुलाई गई थी, जिसमें बियानी द्वारा व्यक्तिगत रूप से जारी किए गए सभी निर्णय, पत्र, संचार, निर्देश आदि को वापस ले लिया गया क्योंकि इसमें अन्य तदर्थ सदस्यों की सहमति नहीं है और यह बिना अधिकार और बहुमत के है। यह भी संकल्प लिया गया है कि आपको अन्य तदर्थ सदस्यों की बहुमत और सहमति के बिना व्यक्तिगत रूप से कोई भी निर्णय लेने से रोका जाता है। जहां तक चुनाव और वित्त के दौरान अनियमितताओं के बारे में शिकायतें प्राप्त करने के आरोपों का संबंध है, हमारा संघ अपने उपनियमों और शासी अधिनियम और नियमों के अनुसार काम कर रहा है और इसमें शासी कानून का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। इसके अलावा, हमारे संघ के चुनाव आरसीए की निगरानी में संघ के उपनियमों के अनुसार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, हमारे संघ का पिछला चुनाव 15.03.2025 को आरसीए के पर्यवेक्षक की उपस्थिति में आयोजित किया गया था और 18.03.2025 को प्रमाण पत्र जारी करते समय इसे आरसीए द्वारा संबद्ध किया गया था।चूंकि अध्यक्ष पद के लिए कोई नामांकन नहीं था, इसलिए अध्यक्ष पद को रिक्त रखा गया और उसके बाद दिनांक 09.04.2025 को आरसीए पर्यवेक्षक और राजस्थान खेल परिषद पर्यवेक्षक की उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया के साथ अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराया गया और दिनांक 11.04.2025 को आरसीए द्वारा प्रमाण पत्र जारी करते हुए संबद्ध किया गया। इसके अलावा, उक्त चुनाव को किसी अन्य द्वारा सक्षम न्यायालयों के समक्ष कभी भी चुनौती नहीं दी गई।

# भारतीय सेना के सम्मान को समर्पित सिंदूर यात्रा में सीएम भजनलाल शर्मा सपत्नीक शामिल हुए

## सिंदूर यात्रा में भारी संख्या में माताओं-बहनों ने भाग लिया, भारत माता के जयकारों से गूंज उठा परकोटा

जयपुर, 20 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से बहनों का सिंदूर उजाड़ने वाले आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया। बहनों के माथे की शोभा होने के साथ ही, सिंदूर हमारी संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को जयपुर में मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए।

मातृशक्ति की ओर से भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित सिंदूर यात्रा में प्रदेश की महिलाओं के साथ, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की धर्मपत्नी गीता देवी ने भी पैदल यात्रा की। इस अवसर पर उन्होंने माताओं और बहनों के जोश और देशभक्ति की भावना की सराहना की।

गीता देवी ने यात्रा में साथ चल रही महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसे उदाहरणों ने नारी शक्ति के शौर्य और

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि भारत की अखंड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आतताइयों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट हैं।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देशवासियों के संकल्प और जज्बे का प्रतीक है। भारत की अखण्ड एकता ने आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया है कि आततायियों को सबक सिखाने के लिए देशवासी पूरी तरह एकजुट हैं। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बहादुर जवानों को धन्यवाद दिया तथा वीर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की जांबाज बेटियों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि कैसे हमारी सेना ने विश्व के सामने भारत की सैन्य ताकत और नारी शक्ति का परचम लहराया।

देशभक्ति को न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के सामने गौरवपूर्ण ढ ंग से प्रस्तुत किया है। इस सिंदूर यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भागीदार बनीं और भारत माता के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

हवामहल से प्रारंभ हुई यात्रा बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार से होती हुई, छोटी चौपड़ पर सम्पन्न हुई। यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, जयपुर सांसद डॉ. मंजू शर्मा, जयपुर नगर निगम हैरिटेज मेयर कुसुम यादव, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अलका गुर्जर, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, अभियान सह-संयोजक अपूर्वा सिंह, भाजपा नेता रवि नैय्यर, चन्द्रमनोहर बटवाड़ा, मोहन लाल गुप्ता सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नारी शक्ति उपस्थित रहीं।

*जयपुर में मंगलवार को मातृशक्ति की ओर से आयोजित 'सिंदूर यात्रा' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ शामिल हुए। हवामहल से छोटी चौपड़ तक निकाली गई इस यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।*

## आज से विदेश यात्रा पर जाएंगे संसदीय प्रतिनिधिमंडल

नयी दिल्ली, 20 मई। पहलगाम आतंकवादी हमले एवं ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर वैश्विक कूटनीतिक समर्थन जुटाने के लिए गठित सात संसदीय दल 21 मई से पांच जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे और इन दलों में शामिल 51 राजनेता एवं आठ राजनयिक पाकिस्तान में मौजूद वैश्विक आतंकवादी ढ ांचे और उसके समर्थकों की पोल दुनिया के सामने खोलेंगे।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपाध्यक्ष बैजयंत पाण्डा के नेतृत्व वाला पहला समूह 23 मई को बहरीन, 25 मई को कुवैत, 27 मई को सऊदी अरब और 30 मई को अल्जीरिया जाएगा। इस समूह में अन्य सदस्य भाजपा के निशिकांत दुबे, भाजपा के फांगनोन कोन्याक, भाजपा की रेखा शर्मा, ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लमीन के असदुद्दीन ओवैसी, नामांकित सतनाम सिंह संधु और गुलाम नबी आज़ाद हैं। पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रृंगला भी इस समूह में जाएंगे। भाजपा के डॉ रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला दूसरा समूह 25 मई को फ्रांस, 27 मई को इटली, 29 मई को डेनमार्क, एक जून को ब्रिटेन और पांच जून को जर्मनी जाएगा।

- **सात संसदीय दल 21 मई से 5 जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे।**

# पाक सेना प्रमुख जनरल मुनीर का प्रमोशन, फील्ड मार्शल बनाए गए

## आसिफ मुनीर से पहले 1959 में पाकिस्तान में "फील्ड मार्शल" बना था, जनरल अयूब ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित किया था

- **पाक सेना में फील्ड मार्शल सर्वोच्च रैंक का पद है, जो तीनों सेनाओं में सबसे ऊँचा माना जाता है।**
- **जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल बनाना पाकिस्तान के इतिहास में विरला फैसला है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से विचार विमर्श कर यह घोषणा की।**

इस्लामाबाद, 20 मई। पाकिस्तान सरकार ने सेना अध्यक्ष जनरल सैयद आसिम मुनीर की पदोन्नित कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया है।

प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई संघीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। यह निर्णय भारत के साथ हुये सैन्य टकराव के बाद लिया गया है। मंत्रिमंडल के अनुसार जनरल मुनीर की पदोन्नित उनके उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व, बहादुरी और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता के मद्देनजर की गयी है।

मंत्रिमंडल ने वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिधू की सेवाओं और नेतृत्व क्षमता को मान्यता देते हुये उनका कार्यकाल बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

मंत्रिमंडल ने बैठक में पांच सूत्री कार्यसूची पर भी विचार-विमर्श किया। इसमें देश की संपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा स्थिति शामिल है। बैठक में अगले वित्तीय वर्ष के बजट प्रस्तावों पर भी विचार किया गया।

जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के रैंक में पदोन्नति देना पाकिस्तान के इतिहास में एक विरला फैसला है। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी से भेंट कर उन्हें सेना प्रमुख को पदोन्नित देने के संबध में लिए जाने वाले फैसले पर विश्वास में लिया था।

मंत्रिमंडल ने एलान किया है कि भारत के विरुद्ध हाल के सैन्य अभियान के दौरान अपनी सेवायें देने वालों को उच्च स्तरीय राष्ट्रीय सम्मान से नवाज़ा जायेगा। इसके साथ ही अधिकारियों, सैनिकों, शहीदों, सेवानिवृत्त योद्धाओं और राष्ट्रीय हितों के लिये योगदान देने वाले विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को भी उनकी सेवाओं के लिये सम्मानित किया जायेगा।

पाकिस्तान में आसिम मुनीर से पहले 1959 में सैन्य तानाशाह अयूब खान ने खुद को फील्ड मार्शल घोषित कर दिया था।

फील्ड मार्शल पाकिस्तान सेना में सर्वोच्च सैन्य रैंक है, जो एक फाइव स्टार रैंक मानी जाती है। यह रैंक जनरल (फोर स्टार) से ऊपर है। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल का पद सेना, नौसेना और वायुसेना में सबसे ऊंचा होता है।

## नीतीश कुमार के दो पुराने व विश्वसनीय...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बहुत फायदा मिलेगा।" जुलाई, 2021 में जब नरेन्द्र मोदी सरकार ने जे डी यू को केवल एक कैबिनेट मंत्री का पद देने की पेशकश की थी, तथा आर सी पी ने उसके लिए स्वयं को मनोनीत कर दिया था, तभी से नीतीश के साथ उनके संबंधों में दरार पैदा हो गई थी और उसके बाद आर सी पी काफी भटके। आर सी पी के इस कदम से नीतीश और जेडीयू के ताकतवर नेता लल्लन सिंह उनसे नाराज हो गये थे। कुछ समय तक चुप बैठने के बाद, आर सी पी मई, 2023 में बाकायदा भाजपा में शामिल हो गये थे। लेकिन गत वर्ष जनवरी में कुमार के एन डी ए में शामिल हो जाने के बाद, आर सी पी की प्रासंगिकता समाप्त हो गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में, जब भाजपा ने उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं दी, तो आर सी पी ने अपनी स्वयं की पार्टी बना ली, लेकिन उस पार्टी का कोई उम्मीदवार जीत नहीं पाया। इस समय, किशोर के साथ जुड़कर वे अपने राजनैतिक भविष्य के पुन: उदय होने की आशा संजोये हुए हैं।

## सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई की

नयी दिल्ली, 20 मई। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की अगुवाई में याचिकाकर्ताओं ने नए प्रावधानों के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक लगाने का की गुहार लगाई। दोनों अधिवक्ताओं ने दलील देते हुए कहा कि वर्तमान स्वरूप में यह कानून मौलिक धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत के समक्ष केन्द्र सरकार का पक्ष रखा। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी शुरुआती दलीलों में 2025 के संशोधनों को केन्द्र द्वारा वक्फ संपत्तियों का धीरे-धीरे अधिग्रहण करने की कोशिश करार दिया और कहा कि यह मुसलमानों के धार्मिक मामलों के प्रबंधन के अधिकार को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान दशकों से विकसित वक्फ ढ ांचे में एक व्यापक बदलाव हैं।

सिब्बल ने वक्फ संपत्तियों का निर्धारण करने के लिए जांच तंत्र में उचित प्रक्रिया की कमी को भी रेखांकित किया। उन्होंने तर्क दिया,नामित अधिकारी एक सरकारी अधिकारी होता है जो अपने मामले में न्यायाधीश के रूप में कार्य करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वक्फ न्यायाधिकरण में तभी जाने की अनुमति है, जब किसी संपत्ति को वक्फ का दर्जा देने से मना कर दिया जाता है।

- **मुस्लिम पक्ष की तरफ से कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की वहीं सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केन्द्र सरकार का पक्ष रखा।**

## कांग्रेस ने "ऑपरेशन सिन्दूर" पर...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कूटनीति की विफलता बताया और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बीच अचानक युद्धविराम को लेकर चिंता जताई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर सार्वजनिक जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस दावे का हवाला दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया।

खड़गे ने कहा, जब हमारी सेना आतंकवाद के खिलाफ अभियान में लगी थी, उसी समय अचानक युद्धविराम की घोषणा कर दी गई। पूरा देश अपनी सेना के साथ खड़ा था, लेकिन प्रधानमंत्री, ट्रंप के बयानों पर चुप रहे और देश को सच बताने के बजाय विदेशों में तस्वीरें खिंचवाते रहे, उन्होंने जोड़ा।

ये सवाल उस समय और तेज हुए, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि भारत की सीमा पर बसे नागरिकों को सूचित करने से पहले पाकिस्तान को चेतावनी क्यों दी गई।

विवाद तब और बढ़ गया, जब राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे पत्रकारों से कहते दिखे: ऑपरेशन की शुरुआत में, हमने पाकिस्तान को संदेश दिया कि हम उनके सैन्य ठिकानों पर नहीं, बल्कि आतंकी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर प्रहार कर रहे हैं, ताकि सेना खुद को अलग रख सके।

राहुल गांधी ने लिखा, "हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को जानकारी देना अपराध है। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि सरकार ने ऐसा किया। इसका आदेश किसने दिया? हमारी वायुसेना को कितने विमान गंवाने पड़े?"

सोमवार को राहुल गांधी ने इस बयान को दोहराते हुए कहा, विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी केवल संदेहास्पद नहीं है, वह निंदनीय है। मैं फिर पूछता हूँ: क्या पाकिस्तान को पहले से चेतावनी देने के कारण हमने अपने विमान खोये?

विदेश मंत्रालय ने सफाई दी कि जयशंकर की टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्होंने यह बयान दिया या नहीं।

मंत्रालय ने कहा, "विदेश मंत्री ने कहा था कि हमने "ऑपरेशन की शुरुआत में" पाकिस्तान को चेतावनी दी, न कि उससे पहले। इसे झूठे ढंग से ऑपरेशन से पूर्व की चेतावनी के रूप में पेश किया जा रहा है।" एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "एक विदेश मंत्री को ऐसी चेतावनी देने की ज़रूरत ही क्यों पड़ी? क्या उन्हें लगता है कि पाकिस्तान इतना नासमझ है कि वह उस चेतावनी के निहितार्थ नहीं समझेगा?"

# 'पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पूरा देश एकजुट है'

## सचिन पायलट ने सचित्र प्रदर्शनी "स्वतंत्र भारत की झलक" का उद्घाटन किया

*कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर सचित्र प्रदर्शनी, "स्वतंत्र भारत की झलक" का उद्घाटन किया।*

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़ फायर की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा करना अप्रत्याशित है। जिस देश ने सीज़ फायर के कुछ घंटों बाद ही उनका उल्लंघन कर दिया उसकी क्या विश्वसनीयता है।**
- **पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थापित मापदंडों के बावजूद भाजपा सरकार विधायक कंवरलाल को बचाने का काम कर रही है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।**

जयपुर, 20 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में आयोजित, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर लोक स्वराज मंच द्वारा आयोजित सचित्र प्रदर्शनी, "स्वतंत्र भारत की झलक" का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर सचिन पायलट ने मीडिया से बात की और भारत-पाकिस्तान के मध्य अप्रत्याशित तरीके से हुए सीज़फायर पर सवालिया निशान लगाते हुए केन्द्र सरकार से मांग की है कि वह देश को बताये कि किन मापदण्डों एवं आश्वासनों पर पाकिस्तान के साथ समझौता किया गया है।

उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के मध्य जिस प्रकार से सीज़फायर किया गया और उसकी घोषणा किसी तीसरे देश के राष्ट्रपति द्वारा की गई, यह बहुत ही अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि जिस देश ने सीज़फायर के कुछ घण्टों बाद ही उसका उल्लंघन कर दिया हो वह भविष्य में इसकी पुनरावृति नहीं करेगा, इसकी क्या विश्वसनीयता है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आई.एम.एफ. द्वारा पाकिस्तान को बहुत बड़ा ऋण दिया गया है, अमेरिका द्वारा पाकिस्तान के साथ व्यापार विस्तार की बात की जा रही है, ऐसे में इसकी क्या गारंटी है कि पाकिस्तान अपने संसाधनों का दुरूपयोग भारत के खिलाफ आतंकवाद को पनपाने के लिए नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सारे दल, पक्ष-विपक्ष, पूरा देश एकजुट है। जो ताकतें आतंकवाद को पनपाने का काम करती हैं, उनका सफाया होना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना ने जो शानदार प्रदर्शन किया है, उसके लिए भारतीय सेना की जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है।

प्रधानमंत्री के प्रदेश के दौरे के सम्बन्ध में पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का प्रदेश में स्वागत है। प्रधानमंत्री पहले भी कई बार प्रदेश के दौरे पर आ चुके हैं, बड़ी-बड़ी घोषणाएं करके गये हैं, जो कि धरातल पर नहीं उतरी हैं। उन्होंने मांग की कि ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना बनाने का वादा, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है, कम से कम इसे पूरा करके जायें।

भाजपा विधायक कंवरलाल की विधानसभा सदस्यता मामले पर पायलट ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि माननीय न्यायालय के निर्णय के बाद स्थापित मापदण्डों के बावजूद भाजपा सरकार अपने विधायक को बचाने का काम कर रही है।

## अधीक्षण अभियंता का ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अवहेलना की है। ऐसे में उनके सर्किल कार्यालय को तत्काल कुर्क और सील किया जाए और उन्हें चेंबर में प्रवेश भी नहीं करने किया जाए। अदालत ने डिस्ट्रिक्ट जज, सीकर को कहा है कि वे अधीक्षण अभियंता के कार्यालय को कुर्क व सील करना सुनिश्चित करें और उन्हें कक्ष से बाहर बैठकर काम करने के लिए व्यवस्था कराई जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने ये आदेश मुकेश कुमार शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने एसीएस, पीएचईडी को कहा है कि वे याचिकाकर्ताओं को न्यूनतम वेतन देने के संबंध में 21 अगस्त, 2020 और 16 अक्टूबर, 2020 को दिए आदेश की पालना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, अधीक्षण अभियंता को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण लिया जाए कि क्यों न उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। अदालत ने अधीक्षण अभियंता को अदालती आदेश की अवहेलना करने पर अवमानना नोटिस भी जारी कर पूछा है कि क्यों न उन्हें इस प्रकरण में दंडित किया जाए। अदालत ने कहा कि गत 21 अप्रैल को अदालत ने अधीक्षण अभियंता को कहा था कि आदेश की पालना करें अन्यथा शपथ पत्र पेश कर पालना नहीं करने का कारण बताएं। इसके बावजूद, न तो उनकी ओर से शपथ पत्र पेश किया गया और न ही वे स्वयं अदालत में पेश हुए। याचिका में अधिवक्ता विनायक जोशी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता पीएचईडी की जनता जल योजना में पंप चालक के तौर पर कार्यरत थे। न्यूनतम वेतन अथॉरिटी ने 21 अगस्त और 16 अक्टूबर, 2020 को पीएचईडी को आदेश दिए थे कि वे साल 1995 से साल 2012 तक याचिकाकर्ताओं के न्यूनतम वेतन की गणना कर भुगतान करें। इसके बावजूद, विभाग ने आदेशों की पालना नहीं की। सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव ने अदालत को बताया कि सीकर अधीक्षण अभियंता के रूप में रमेश कुमार राठी कार्यरत हैं। इस पर अदालत ने उन्हें अवमानना नोटिस जारी करते हुए उनका चेंबर कुर्क और सील कर उन्हें बाहर से दैनिक काम करने को कहा है।

## हाईकोर्ट ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

एसएलपी खारिज होने की जानकारी नहीं दी है। वहीं, राज्य सरकार के अफसर इतना तो समझते हैं कि कौन सा भवन अवैध है और कौनसा नहीं। इसलिए अदालती आदेश की पालना जल्दी कराई जाए।

याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार को सात जुलाई तक का समय दिया है। हाईकोर्ट ने गत 25 फरवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूरी तरह से अवैध तौर पर चिन्हित 19 भवनों को तत्काल सील करे। इसके साथ ही कहा गया था कि रिहायशी क्षेत्र में अवैध निर्माण होना व व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करना कानूनी प्रावधानों की अवहेलना है। हाईकोर्ट के प्रसंज्ञान लेने के बाद, नगर निगम ने परकोटे के भवनों की तीन तरह की सूची बनाई थी। पहली सूची में पूरी तरह से अवैध 19 भवनों को शामिल किया था।

# श्रीगंगानगर में 12 करोड़ की हेरोइन के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार

## तस्करों के पास तुर्की की जिगाना पिस्टल व प्रतिबंधित ऑस्ट्रेलिया मेड 6 ग्लॉक पिस्टल, मैगज़ीन व जिंदा कारतूस बरामद हुए

- **डी.आई.जी. गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब के अमृतसर और मलोट से हेरोईन व विदेशी हथियार लाकर श्रीगंगानगर में सप्लाई करने की तैयारी में थे।**

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोल्ड वार जारी है। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है और सुरक्षा एजेंसियों ने भी निगरानी बढ़ा दी है।

इस बीच, श्रीगंगानगर में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स और हथियार तस्करी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कोतवाली और जवाहरनगर थाना पुलिस ने 2 अलग-अलग कार्यवाहियों को अंजाम देते हुए 5 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 2 किलो 183 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 12 करोड़ रूपए की कीमत है, जबकि एक तुर्किया मेड जिगाना पिस्टल और भारत में आमजन के लिए प्रतिबंधित ऑस्ट्रिया मेड 6 ग्लॉक पिस्टल के साथ ही, 13 मैगजीन और 32 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए।

पुलिस को आरोपियों के तार लॉरेंस गैंग से जुड़े होने की आशंका है। साथ ही, जिले में विदेशी हथियार किसे सप्लाई किए जा रहे थे, इसकी भी जांच शुरू कर दी गई। डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पंजाब के अमृतसर और मलोट से हेरोइन और विदेशी हथियार लाकर श्रीगंगानगर में सप्लाई करने की तैयारी में थे। पुलिस ने समय रहते गिरोह को पकड़ लिया। इससे बड़ी आपराधिक वारदात टल गई।

हालांकि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी श्रीगंगानगर में बड़ी वारदात को करने की तैयारी में थे। इसलिए पाकिस्तान से पंजाब पहुंची हेरोइन को श्रीगंगानगर लाया जा रहा था। वहीं, देश में प्रतिबंधित विदेशी हथियारों की भी मोटी रकम लेकर सप्लाई करने की प्लानिंग थी।

पुलिस के अनुसार, जिले में अभी तक पाकिस्तान से सटे बॉर्डर एरिया में ही हेरोइन मिलने के मामले सामने आए हैं। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद बॉर्डर एरिया में सख्ती बढ़ा दी गई है। ऐसे में तस्करों ने दूसरा रूट चुना। संभवत: यह पहली बार है कि जब पंजाब से श्रीगंगानगर तक सड़क मार्ग से इतनी तादाद में हेरोइन की खेप पहुंचाने की तैयारी थी। आरोपियों के पास से एक स्विफ्ट कार और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इनका इस्तेमाल तस्करी समेत अन्य अपराधों में किया जा रहा था। पूछताछ में कई अहम जानकारी सामने आई हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरोह के पंजाब और अन्य सीमावर्ती राज्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तार जुड़े होने की संभावना है। इस ऑपरेशन में जिला स्पेशल टीम के कांस्टेबल अश्विनी की भूमिका अहम रही। उनकी सतर्कता से यह गिरोह पकड़ा गया। डीआईजी गौरव यादव ने कहा कि श्रीगंगानगर जैसे संवेदनशील इलाके में पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई है। ड्रग्स और हथियार तस्करी में शामिल हर व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने जवाहरनगर और कोतवाली थाना इलाके में कार्यवाही करते हुए, इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना पुलिस ने 5 विदेशी पिस्टल, 330 ग्राम हेरोइन और 29 जिंदा कारतूस के साथ एक स्विफ्ट गाड़ी को जब्त किया है। आरोपियों में देवेंद्र भांभू (29) पुत्र चुन्नीलाल भांभू निवासी वाटरवर्क्स कॉलोनी, श्रीगंगानगर, सुभाष (21) उर्फ अंकित पुत्र ओमप्रकाश निवासी 6 पुलिस थाना सदर, श्रीगंगानगर और सतनाम (25) उर्फ गुरविंदर पुत्र गुरमीत निवासी 6 श्रीगंगानगर है। फिलहाल तीनों से पूछताछ जारी है।

जवाहर नगर थाना पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें साहिल उर्फ चीकू (21) पुत्र विजयसिंह निवासी उम्मेवाला पीएस गोलूवाला, और सत्यनारायण (19) पुत्र अमीलाल, निवासी फरसेवाला गंगानगर हैं। दोनों आरोपियों के कब्जे से 2 ग्लॉक पिस्टल और 3 कारतूस के साथ 1 किलो 850 ग्राम हेरोइन बरामद की है। वहीं, पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी जब्त की है।

## सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

लगा स्वत: संज्ञान की जरुरत है। आपको कुछ करना होगा। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने 14 मई को स्वत: संज्ञान लेकर पुलिस को शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया। अगले दिन 15 मई को हाई कोर्ट ने इसे "बड़ा धोखा" करार दिया और कहा कि वह खुद कार्यवाही की मॉनिटरिंग करेगा। उसके बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने शाह की माफी ठुकरा दी और एसआईटी का गठन किया, जिसके गठन की 28 मई तक रिपोर्ट मांगी है।

विवाद तब सामने आया, जब मंत्री शाह द्वारा एक सार्वजनिक सभा में कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई टिप्पणियाँ वायरल हो गईं। कुरैशी ने हाल ही में "ऑपरेशन सिंदूर" के बाद मीडिया को ब्रीफ किया था और इसमें उनके गरिमापूर्ण नेतृत्व की भारी प्रशंसा हुई थी। हालांकि शाह ने बाद में सफाई दी कि उनकी बातों को गलत समझा गया और उनका उद्देश्य कर्नल कुरैशी की प्रशंसा करना था, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को "गंभीरता से रहित" बताया और सिरे से खारिज कर दिया।

*धाराएं:*

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के निर्देश पर, शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 152, 196(1)(बी), और 197(1)(सी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

## अटारी बॉर्डर ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

एक तरफ भारतीयों की ओर से पूरा जोश दिखाया जा रहा था। वहीं इस बीच दूसरी तरफ पाकिस्तानी सेना की गैलरी पूरी तरह से खाली थी। पाकिस्तानी रेंजर्स ने भी औपचारिकता के तौर पर अपनी तरफ से झंडा फहराने की रस्म अदा की।

## सिरसी रोड...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अपीलेट ट्रिब्यूनल में 25 अपीलें हुई थीं, जिनमें से 5 अपीलों पर पक्षकारों को जेडीए की कार्रवाई पर स्टे मिला है। इस पर अदालत ने जेडीए से स्टेट्स रिपोर्ट सहित यह बताने के लिए कहा है कि वह इन अतिक्रमणों को कब और कैसे हटाएंगे। अवमानना याचिका में कहा गया कि खंडपीठ ने जेडीए को निर्देश दिया था कि वह 200 फीट सिरसी रोड बाईपास से शुरू होकर खातीपुरा तिराहे तक और खातीपुरा तिराहे से झारखंड मंदिर मोड़ तक की रोड के दोनों ओर से सभी तरह के अतिक्रमण दो माह में हटाए। इसके बावजूद, जेडीए की ओर से पूरे अतिक्रमण नहीं हटाए गए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908